Haryana Vidhan Sabha

Debates

11th January, 1972

Vol. I No. 1

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

Tuesday, the 11th January, 1972

	Page
Point of order re-question hour	(1) 1
Obituary References	(1) 2
All Attention Notices	(1) 18
serrations made by the Speaker regarding contribution of the National Defence Fund	(1) 21
reservations made by the Speaker regarding the opinion of the Institute of Constitutional and Parliamentary Studies. New Delhi relating to the Privilege Motion sought to be raised against Chaudhri Om Parkash	(1) 22
panel of Chairman	(1) 23
Committee on Petitions	(1) 23
Governor's Address laid on the Table	(1) 24
enouncement by the Secretary	(1) 40
first Report of the Business Advisory Committee	(1) 41
Motion under Rule 30	(1) 43
Papers lelaid/laid on the Table	(1) 45
Presentation of Supplementary Estimates	

and Report of Estimates Committee thereon (1) 46

Discussion on Governor's Address (1) 47

Extension of time of the Sitting (1) 57

Walk out (1) 58

Discussion on Governor's Address Resumption (1) 59

Walk out (1) 62

Discussion on Governor's Address Resumption (1) 63

HARYANA VIDHAN SABHA

Tuesday the 11th January, 1972

The Vidhan Sabha met in the Hall of the Haryana Vidhan Sabha, Vidhan Bhavan, Sector-1 Chandigarh at 9.30 A.M. of the Clock Mr. Speaker (Brig. Ram Singh) in the Chair.

POINT OF ORDER RE QUESTION HOUR.

श्री मंगल सैनः आन ए प्वांयट आफ आर्डर, सन। स्पीकर साहब, कल राजयपाल महोदय जब अपना अभिभाषण देने के लिए आये तो उस समय मैंने एक प्रार्थना की थी कि सदन को ऐसे वक्त मे 'समन' किया गया जब कि हमें 15 दिन का पूरा टाईम नही दिया गया कि हम क्वैश्चन कर सके। रूल्ज के मुताबिक 15 दिन के क्लीयर कट नोटिस देने की व्यवस्था है। इसलिए जो टाईम हमे दिया गया है वह पूरा नही है। कल यहां चीफ मिनिस्टर साहब ने कहा था कि दो दिन की कमी को पूरा कर लेंगे और उस हिसाब से तो आज क्वैश्चन आबर होना चाहिए था लेकिन हमारे पास कोई क्वैश्चन की लिस्ट नही आयी।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): दो दिन का मैंने कहा है लेकिन यह तो दो तीन तारीख तक के चाहते है वे नही हो सकते है। दो दिन का मैंने माना है लेकिन बाकी जो प्रश्न पूछे जा सकेंगे वे रूटीन मे पूछें जा सकेंगे।

Mr. Speaker: Let me explain. What has been said is this that no questions were received on the 28th. A few questions were received on the 29th December, 1971.....

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, 28 तारीख को तो सरकार ने समन भेजे थे। अगर हम उसी दिन भी चिट्ठी डाले तो भी यहां दो दिन के बाद पहुंचेगी अर्थात तीस तारीख को पहुंचेगी। इसलिए जो बात रीजनेबल और रैशनल है वह मुख्य मंत्री जी को मान लेनी चाहिए और तीन तारीख तक के क्वैश्चन भी आ जाने चाहिए।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, जो क्वैश्चन अपोजीशन के सैम्बरान की ओर से इस सैशन के लिए दिये गये है, हम उन सभी क्वैश्चनज का जवाब दे देंगे। जिसने भी क्वैश्चन है वे एक दिन की लिस्ट मे लगाने हो लगा दो, हम सब का जवाब दे देंगे।

Mr. Speaker: Let me clarify. The position is that as per the receipt of questions, the first question due to be answered after 15 clear day's notice falls on the 14th.....

श्री बंसी लालः आप बेशन 12 और 13 तारीख को क्वैश्चन आवर लगा दे।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब ने एक बात कही है कि जितने भीर क्वैश्चन है वे सारे लगा दे। रूल्ज के अनुसार तो क्वैश्चन आवर के केवल एक घंटे के लिए होता है। यह तो हो नही सकता कि 6 या 8 घंटे तक क्वैश्चन ही

पूछते रहेगे। यह बजट सैशन है हमने और भी बातो के विषय मे विचार प्रकट करने है। दूसरे जैसा कि मैंने कहा है कि कांस्टीच्यूशनल दिक्कत भी है केवल एक ही घंटा क्वैश्चख्न आवर हो सकता है। इसलिए कल से ही क्वैश्न आवर आरम्भ कर दे तो अच्छा ही होगा।

श्री बंसी लालः मैंने कहा है कि कल से ही स्टार्ट कर देंगे। जहां तक डाक्टर मंगल सैन जी का कांस्टीच्यूशनल बात का सवाल है उसके मुताबिक तो गवर्नमैंट भी बाउंड नही है कि 15 दिन का नोटिस मिले बगैर जवाब दे। गवर्नमैंट को भी कांस्टीच्यूशन के मुताबिक अख्तियारात है। लेकिनमैंने कनसीड किया हुआ है कि कल से ही क्वैश्चन आवर लगा दे।

चौधरी चांद रामः वह कोई अलग से कांस्टीच्यूशन का पार्ट नही है। डेमाक्रेसी मे हमारे रूल्ज है.....

Shri Bansi Lal: No Rules can be ultra virus of the Constitution. I know the rules much more than what the Hon. Member knows.

Mr. Speaker: A new thing has been brought to my notice by my Secretary that the Leader of the House has said that only the questions raised by the Leader of the House....

Shri Bansi Lal: Any question, Sir,

Shri S.P. Jaiswal: On a point of Order, Sir, Your Secretary or the Secretary of the House.

So, what has happened is that there will be a Question Hour tomorrow and the day after and the questions which were received on the 29th and 30 and are ready will be answered as agreed to by us yesterday.

So, we now start with the obituary references on the deaths of the martyrs who laid down their lives in the Eastern and Western Boarders of India.

OBITUARY REFERENCES

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, हमारे पिछले असैत्बली अधिवेशन और इस अधिवेशन के बीच मे, संसार मे बहुत ही महत्वपूर्ण घटनाएं हुई है।

चौधरी दलसिंहः स्पीकर साहब, आपके जरिए मैं चीफ मिनिस्टर साहब से निवेदन करूंगा कि रिपब्लिकन पार्टी के नेता श्री गायकवाड़ का नाम भी इस मे शामिल कर लिया जाये।

श्री बंसी लालः मैंने उसको दूसरे प्रस्ताव मे एड कर लिया है। यदि कोइ और है तो उसको भी एड कर लेते है।

स्पीकर साहब जैसा कि अभी मैं कह रहा था कि पिछले अधिवेशन और इस अधिवेशन के बीच मे जो घटना घटी है वह है हिन्दुस्तान और पाकिस्तान मे लड़ाई बंगला देश की मुक्ति फौज बंगला देशन की आजादी के लिए लड़ रही थी और उसी दौरान मे पाकिस्तान ने हमारे देश पर भी हमला कर दिया। इस युद्ध मे

हिन्दुस्तान की शानदार जीत हुई केवल हमारी जीत ही नही हुई बल्कि बंगला देश एक इन्डिपैन्डेंट सौवरन स्टेट बना। इसका हम हार्दिक स्वागत करते हे। हमारी फौज के जो अफसर, जे.सी.ओज. और जवान लड़ाई के मार्चो पर लड़ते हुए शहीद हुए है उन सब शहीदों को और उनके परिवारों को यह सदन हार्दिक श्रद्धांजलि भेंट करता है और उनके प्रति भी जिन्होंने बंगला देश की स्वाधीनता के लिए आपने प्रांणो की आहुति दे दी।

यह सदन मुक्तिवाहिनी तथा भारतीय सशस्त्र सेना के वीर सैनानियों की भी प्रशंसा करता है जिन्होने अदम्य साहस एवं अप्रतिम वीरता का परिचय दिया। यह सदन बंगला देश के उन लाखों शान्तिप्रिय एंव निर्दोष लोगों से भी हार्दिक सहानुभूति प्रकट करता हैं जिनको गत वर्ष मार्च से पाकिस्तानी दरिन्दों के अकस्मात् इन पर टूट पड़ने से अगणित यातनाओं को सहना करना पड़ा।

चौधरी प्रताप सिंह दौलतपूर (बड़ोपल): स्पीकर साहब, लीडर आफ दी हाउस ने जो प्रस्ताव विधान सभा मे रखा है उसकी मैं ताईद करता हू। फर्क सिर्फ इतना ही है कि कुछ लोगा इपनी बीमारी के कारण से मरते है और कुछ भाई देश के लिए और देश की इज्जत के लिए मरते है।

आज उन नौजवानो को मुक्तिवाहिनी के साथ मिल कर बंगला देश को आजाद कराने के लिए लड़े है और पश्चिमी सीमा

पर पाकिस्तान की फौजी के साथ लड़े है और पश्चिमी सीमा पर पाकिस्तान की फौजों के साथ लड़े है उनकी तारीफ मैं किन शब्दों मे करूं यह मेरी समझ मे नही आता।

स्पीकर साहब, सरकार उन शहीदों को जमीन देने की बात करती है, नकदी देने की बात करती है और उनके परिवारो को मदद देने की बात करती है । इसका मैं स्वागत करता हूं। मैं तो चाहता हूं कि सरकार सिविल एडमिनिस्ट्रेशन मे अपने दफतारों मे ईंस्ट्रक्शन जारी करे, स्टैंन्डिंग आर्डर जारी करे कि ऐसे लोग या ऐसे परिवारो के लोग दफतारों मे आये तो उनके साथ इज्जत का सलूक किया जाये। हद दफतर मे आर्डर किये जाने चाहिए कि सुरक्षा के लिए लड़ाई लड़ी है, अगर उनका वास्ता हमारे से पड़े तो हम उनके साथ ठीक प्रकार का बर्ताव करे।

स्पीकर साहब, मैं चीफ मिनिस्टर साहब से आपके जरिए रिक्वैस्ट करूंगा कि जो भी ऐसी कमिया है उनको दूर किया जाये। उनके परिवारों के आदमियों को और उनको पूरी इज्जत दी जाये। मैं तो यह भी चाहूंगा कि गवर्नमैंट आफ इंडिया से भी रिक्वैस्ट की जाये कि उन लोगों की पैंशन और पे–स्केल्ज बढ़ाये जायें।

आज यह बिल्कुल स्पष्ट है कि हमारी फौज की बहादुरी के कारण ही सारी दुनिया मे हमे इज्जत मिली है। जहां हमारी फौज के जवान अपनी जान की बाजी लगा कर हमारे पर एहसान

करते है वहां हमारा भी कर्त्तव्त है कि हम उनके एहसान का बदला उतारने के लिए उनके औलाद और उनके परिवार के लोगों को पूरी सहूलियते दे। इन अलफाज के साथ मैं इस रैजोलूशन की ताईद करता हूं।

श्री मंगल सैन (रोहतक): स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने सदन मे उन जवानों के लिए जो भारत की पूर्वी और पश्चिमी सीमाओं पर स्वाधीनता की प्रभुसत्ता की सुरक्षा करते हुए शहीद हुए है, उनके लिए श्रद्धांजलि का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। मैं भी इस प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ है।

स्पीकर साहब भारत सदा से ही एक परम्परा को निभाता रहा है वह परंपरा बलिदान और त्याग की है। हमारे देश से जबरदस्ती अलग किया गया क्षेत्र पाकिस्तान जो सैनिक हाकिमों के चंगुल मे था, जहां सैनिक हाकिम ताकत के नशे मे चूर थे और जिसको अमेरिका और चीन का समर्थन प्राप्त है। वह अपने ही भाईयों का पूर्वी बुगान यानी बंगला नेश मे कत्ले आम करता रहा और उनकी सहानुभूति मे भारत और सारे ही लोकतंत्र प्रिय देश और मानवता का भला सोचने वाले देश, उनका इस संघर्ष के समर्थन करते रहे। भारत उन लोकतन्त्र प्रिय लोगौं का नैतिक समर्थन कर रहा था। पाकिस्तान के हुकमरानो को यह बात नागवार गुजरी और उन्होंने 3 दिसम्बर 1971 को भारत के हवाई–अड्डों पर अकस्मात आक्रमण कर दिया और यह देख कर हमारा सिर गौरव ऊंचा उठ जाता है कि हमारे वीर हवाबाजों ने

सूर्योदय से पहले पहले, तीन और सार दिसम्बर की बीच की रात को पाकिस्तान का कोई भी ऐसा हवाई अड्डा नही छोड़ा जहां पर कि आक्रमण का जवाब न दिया हो और दुश्मन के ठिकानो पर आक्रमण करते हुए शहीद तक न हो गये हो। विमान चालको ने जो अभूतपूर्व साहस दिखाया है, संसार के इतिहास मे उसका कोई सानी नही है। जिस पाकिस्तान को यह अभिमान थ कि चीन और अमेरिका जैसे दूसरे देश उसकी सहायता करेंगे, हमारे नौ–सेना के सेनानियों ने कुशल रण नीति बना कर उनके इस षड़यंत्र को विफल बना दिया और वहां पर भी हमारे कई सैनिक शहीद हो गये। स्पीकर साहब, आप तो स्वयं कमांडर रहे है, ब्रिगेडियर है, सेना के उच्चतम अधिकारी रहे ह, आपने तो यह सब कुछ अपने हाथो से किया हुआ हैं सारे पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्र मे इसी प्रकार से हमारे जवानो ने शत्रु को खदेड़ने के लिये अपने प्राणों की आहुति तक दे दी और शत्रु को पीछ धकेल दिया। वह शतु जो आये दिन भारत के विश्द्ध विषवमन किया करता था। उसे पक्के तौर पर ठिकाने लगा दिया गया है। मुख्य मंत्री जी ने जो प्रस्ताव रखा ह, उसके लिये यह बहुत ही उचित अवसर है। सारा सदन इस प्रस्ताव के समर्थन मे है कि भारत की स्वाधीनता की रक्षा के लिये जिन नौ सेना के, थल सेना के और वायु सेना के जवानो या अधिकारियां ने अपने प्राणों का बलिदान दिया है, हम उनसे सहानुभूति रखते है और उनकी आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं स्पीकर साहब, इसी के साथ इन्होंने बंगला देश की स्वाधीनता के लिए बलिदान होने वाले लोगों का भी उल्लेख किया

है। जितनी भी इस बारे मे बाते कही जाये, थोड़ी है। बंगला देश के लोगों ने स्वाधीनता प्राप्त करने के लिये बहुत बलिदान दिया है। इतिहास मे ऐसा वर्णन कहीं नही मिलता जैसे कि पश्चिमी पाकिस्तान के सैनिक दरिन्दों ने जुल्म और अत्याचार बंगला देश मे ढाये है। इसे सुनकर शरीर का प्रत्येक बाल खड़ा हो जाता है, रौंगटे खड़े हो जाते है कि कभी ऐसी अमानवीय घटना भी हो सकती है या कभी इस प्रकार के अभूतपूर्व अत्याचार भी हो सकते है कि जहां पर छोटे छोटे बच्चों को ऊपर फैंक कर नेजों पर टांग कर मारा गया हो, मांओ और बहिनो का सतीत्व लूटा गया हो, जवानो का उनकी बहिनों व माता पिता के सामने कत्लेआम किया गया हो। स्पीकर साहब, वहां का अत्याचारों की उन्होंने यहां तक पराकाष्ठा कर दी कि एक तरफ तो पूर्वी पाकिस्तान मे वहां के कमान्डर इन चीफ, न्याजी महोदय हथियार फैंक रहे थे और दूसरी तरफ उन्ही चार घंटों मे सारे बंगला देश के इंटलैक्चूअल्ज का कत्लेआम किया गयां इस से बढ़कर रक्तपात शायद ही कही हुआ हो। इन बलिदानियों को भी हम श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

इन शब्दों के साथ साथ एक बात मैं और जोड़ना चाहता हूं। मुख्य मंत्री जी इसे स्वीकार कर ले। हरियाणा से या देश भर से जो ट्रक ड्रावर लड़ाई मे गये हुये थे। और शहीद हो गये, या जो दूसरे सिविलियन लड़ाई की वजह से शहीद हो गये है, उनको भी इसमे शामिल कर लिया जाये ।

श्री बंसी लालः इन्हे भी शामिल कर लेते है। They cover the category.

Mr. Speaker: They are included.

श्री मंगल सैनः अंत मे मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपने दल की तथा अपनी ओर से शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपको धन्यवाद करता हूं।

चौधरी दलसिंह (जुलाना): आदरणीय स्पीकर साहब, सरकार की तरु से जो प्रस्ताव रखा गया है, मैं इसका समर्थन करता हूं। भारतीय सेना ने पाकिस्तान और हिन्दुस्तान की लड़ाई के अंदर बहादुरी और उत्साह के साथ अपने प्राणों की आहूति देकर कामयाबी हासिल की है, उससे हमारे देश की बड़ी भारी इज्जत हुई है और दूनिया भर के अन्दर हिन्दुस्तान का नाम हुआ है। पाकिस्तानी फौजों और उसके हुक्मरानों को यह फख्र था कि उनके पास इस किस्म के आधुनिक शस्त्र है कि हिन्दुस्तानी फौजें उनके सामने नही ठहर सकेंगी। इसी प्रकार से जो लोग और जो शक्तिशाली देश यानी अमेरिका और चीन, उनकी मदद कर रहे थे, उनको भी यही ख्याल था लेकिन जहां पर हमने शत्रु पर विजय पायी है वहां पर उसे एक बड़ी करारी चोट देकर उसके छक्के छुड़ाये हैं इसी का यह परिणाम हुआ है कि तकरीबन एक लाख पाकिस्तान के सशस्त्र फौजियों ने, जिनके पास आधुनिक शस्त्र थे, हमारी फौजो के सामने आत्मसमर्पण कर दिया हैं मैं यह यकीन के साथ कह सकता हूं कि दुनिया की तारीख मे शायद ही कभी

इतनी भारी भगदड़ मची हो और इतनी भारी संख्या मे फौजो ने आत्मसमर्पण किया हो। जिन शूरबीरों ने अपने प्राणों की आहूति देकर देश की इस जीत मे हिस्सा लिया है और कामयाबी हासिल की है, यह देश उनका सदा ऋणी रहे गा। जो शूरबीर जवान और अफसर इस लड़ाई मे अपंग हुये है, वे भी हमारी श्रद्धा के पात्र है और जब तक वह जिन्दा रहेंगे, हमे उनसे प्रेरणा मिलती रहेगी। इसलिये ऐसे वक्त पर उन शूरवीरों के लिये जिन्होंने कुर्बानी दी है, देश का सम्मान बढ़ाया है, मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और सरकार से इतना ही कहना चाहता हूं हालांकि सरकार ने अपंग जवानो और अफसरों की काफी मदद की है लेकिन उन्हे यह महसूस नही होने देना चाहिए और शहीदों के परिवारों को यह महसूस नही होने देना चाहिए कि देश की रक्षा के लिये उन्होने जो बलिदान दिया है उससे उन्हे दुःख या अफसोस हो। इस किस्म का कोई ठोस कदम उठाना चाहिए ताकि जो शहीद हो चुके है, उनके परिवार यह महसूस कर सकें कि उनकी रक्षा करने वाले अब भी मौजूद है और उन्हे कोई दुःख या कठिनाई नही है। मैं सब शहीदों को श्रद्धांजजि अर्पित करता हूं।

बंगला देश के लोगों ने जो कुर्बानी की है वह इतिहास के अंदर एक बहुत बड़ी बात है। जितनी कुर्बानी बंगाल के लोगों ने की और पाकिस्तान ने जितनी बर्बरता दिखाई है मेरे ख्याल मे दुनिया की किसी तारीख मे, किसी भी मुल्क मे इस किस्म की ज्यादती, इस किस्म की गुंडागर्दी या इस किस्म के अत्याचाद

देखने मे नही आये होंगे। जहां हम उन बत्याचार करने वालों की निंदा करते है वहां हम भगवान से यह प्रार्थना करते है कि जिन लोगों ने अपने बलिदान देकर बंगला देश का निर्माण किया है, उनकी आत्माओं को शान्ति दे। इन शब्दों के साथ मैं अपनी सीट ग्रहण करता हूं।

चौधरी रणबीर सिंह (किलोई): स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने जो शूरबीरों को श्रद्धांजलि देने के लिये प्रस्ताव पेश किया है, मैं उसकी ताईद करता हूं। हिन्दुस्तान और बंगला देष दोनो ही शान्ति अहिंसा मे विश्वास करने वाले देश हैं इन्होंन कभी किसी पड़ौसी देश के साथ ढगड़ा नही छेड़ा। पाकिस्तान ने फौजी हाकमों ने अमेरिका और दूसरे देशों से हथियार हासिल किये थे, कर्जे के रूप मे नही, अपने महनत की कमाई से नही, बल्कि दान के रूप मे लिये थे, उनके घमण्ड मे आ करके उसने हिन्दुस्तान की पूण्य भूमि पर आक्रमण किया। उस हमले का पस्त करने के लिये जिन शुरबीरों ने अपनी शहीदी दी, उनको श्रद्धांजलि भेंट करने के लिये यह सदन विचार प्रकट कर रहा हैं जहां मैं भी उन शूरवीरों के प्रति श्रद्धांजलि भेंट करता हूं वहां इसके साथ साथ मैं यह भी कहे बगैर नही रह सकता कि जब हमारा प्रदेश पंजाब का हिस्सा था और पाकिस्तान से जब पीछे लड़ाई हुई और 1962 के अंदर चीन ने हमारे ऊपर हमला किया उस वक्त भी हमारे हरियाणा के बहादुरों ने हिन्दुस्तान के इतिहास मे सब से आगे बढ़ चढ़ कर काम किया था लेकिन उस वक्त चूंकि हम पंजाबी समझे जाते थे

और पंजाब के नाम पर ही हमारे हरियाणा के बहादुरो को श्रद्धा के फूल भेंट किए गए थे । आज हमारा प्रदेश पंजाब से अलग प्रदेश हैं इस लड़ाई के अंदर सब से पहली दफा हरियाणा प्रदेश के बहादुरों को हरियाणा प्रदेश के बहादुर के रूप मे अपनी बीरता दिखाने का मौका मिला था।

श्री बंसी लालः चौधरी साहब, अगर आप पंजाब और हरियाणा की कंट्रावर्सी मे न पड़े तो अच्छा रहेगां हम अपनी ही बात कहे तो ठीक रहेगा।

चौधरी रणबीर सिंहः मैं तो किसी कंट्रोवर्सी मे नही पड़ रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, आज सब लोग जानते है कि इस लड़ाई के अंदर चाहे वह फिरोजपुर का मार्चा था, चाहे वह छम्ब का मार्चा था और चाहे वह बंगला देश का मार्चा था, हरियाणा के शूरवीरों ने अपने यूनिटों मे आगे बढ़–चढ़कर हिस्सा लियां हिन्दुस्तान के फौजी इतिहास मे जिसमे ज्यादातर हरियाणा के शूरवीर रहे है। उनकी वीरता सोने के अक्षरों मे लिखने जायक है। जाट यूनिट का इतिहास स्वर्ण अक्षरों मे लिखने लायक है। इसमे किसी के मुकाबले की बात नही है बल्कि यह इतिहास के तथ्यों पर आधारित एक बात है। पिछले दिनो जब जनरल मानक शाह रोहतक पधारे थे तो उन्होंने कहा था कि छम्ब के अंदर जाट यूनिटों ने जिस बहादूरी से पाकिस्तानी दरिंदों का मुकाबला किया था वह इतिहास मे एक अमर चीज रहेगी। इसी तरह से चाहे वह फिरोजपुर का मार्चा था, फाजिल्का का मार्चा था, गर्ज यह कि

हरियाणा के जवान जहां भी लड़े बड़ी ही शान से लड़े है। अध्यक्ष महोदय, मैं फाजिल्का के मार्चे पर लड़ाई बन्द होने दिन बाद बाद गया था और मैंने वहां अपने यहां के बहादुरों की कहानियां सुनी थी जिन्हे सुनकर मुझे बड़ी ही खुशी हुई थी।

अध्यक्ष महोदय, अभी कुछ दिन पहले अखबारों मे सूचना छपी थी कि पंजाब सरकार ने उन सब शूरवीरों को सहायता प्रदान की है जिन्होंने अपना जीवन देश के लिए बलिदान कर दिया है और उनकी तादाद भी छपी थी कि वह करीब 134 थी। अध्यक्ष महोदय, रोहतक जिला एक छोटा सा जिला है। अकेले रोहतक जिले से सौ से त्यादा जवानो ने इस लड़ाई के अंदर बलिदान दिया है। पंजाब एक बहादुर सूबा है, हमे भी गौरव है कि हम पहले उसके हिस्सेदार थे लेकिन आज हमारे इलाके के जवानों ने जो शूरवीरता दिखाई है हमारे लिए वह एक फक्र की बात है और हमारी आने वाली नस्लों के लिए भी बड़े फक्र की बात है। हमारे जो भाई बी.एस.एफ. के अन्दर थे उनके ऊपर भी हमें बड़ा फक्र है। मुख्य मंत्री जी ने हल्के के एक जवान बी.एस.एफ. मे एस. पी. थे और उनका नाम श्री तवर था इनके जिले के एक हौर बहादुर जो कि डी.एस.पी. थे, उनको पाकिस्तान वालों ने घेर लिया लेकिन उन्होंने बड़ी शूरवीरता की लड़ाई लड़ी। रोहतक जिले के चौधरी धर्म सिंह दहीया, बी.एस.एफ. के अंदर थे उन्होंने जिस बहादुरी से पाकिस्तानी फौजो का मुकाबला किया वह स्वण्र अक्षरों मे लिखा जाएगा।

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने भी दूसरी सरकारों की तरह से बीरगति प्राप्त करने वाले या जिन भाईयों का नक्सान हुआ है, चाहे वे फौज मे थे या सिविलियन थे, उनकी इमदाद करने का फैसला किया है। यह एक सराहनीय बात है। पंजाब सरकार ने जितनी मदद देने का फैसला किया है, हमारी सरकार ने उससे डेढ़ गुणा मदद देने का फैसला किया है यानी तीन हजार ने उससे डेढ़ गुणा मदद देने का फैसला किया है यानी तीन हजार एक जवान के लिए 4500 रूपए, जूनियर कमीशंड अफसर के लिए और 7 हजार रूपए कमीशंड अफसर के लिए रखा है। इसके साथ ही साथ और भी जो भाई जख्मी हुए है जोकि फौज मे नही थे, सिविलियन थे या बी.एस.एफ. मे थे उनकी मदद करने के लिए सरकार ने जो कदम उठाए है वे सराहने योग्य कदम है। मैं एक बात सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि राजस्थान सरकार ने उन सारे जवानों के परिवारों को जिन्होंने लड़ाई के अंदर बलिदान दिया है, जमीन भी दे रही है। हमारे प्रदेश मे जमीन कम है यह बात मैं मानता हूं। जिन बहादुरों ने अपने जीवन का बलिदान किया हैउनके पास मुश्किल से एक एकड़ या दो एकड़ जमीन हैं पिछली दफा इस सदन मे बताया गया था कि कजमीन की जो हदबन्दी मुकर्रिर की गई थी उसके तहत हजारो नही लाखों एकड़ जमीन फालतू निकलेगी। इसलिये जहां हम गरीबो तथा दूसरे पिछड़े वर्गो की तरु ध्यान दे रहे है उन बहादूरों की तरफ भी हमे ध्यान देना चाहिए जिन्होंने मातृभूमि के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए है, उन बहादूरों के परिवारों को भी जमीन देकर उनकी

मदद करनी चाहिए जैसे कि राजस्थान सरकार ने की है। हमारी सरकार ने जिनको परमवीर चक्र चा महावीर चक्र मिलेगा, उनको जमीन देने का फैसला किया है, यह एक सराहनीय कदम है।

अध्यक्ष महोदय, मैं एक और निवेदन करना चाहता हूं कि इन वीरों को याद करने के लिए और आने वाली नस्लों मे जोश पैदा करने के लिए हमें स्कूलों, कालिजों तथा गांवों मे उन शहीदों की यादगार बनानी चाहिए। जहां सरकार दूसरे डिवैल्पमैंट के कामों पर पैसा गांवों मे स्कूल का कोई कमरा बनवाना हो, अस्पताल का भवन बनवाना हो या कालिज बनवाना हो तो इनको इन वीरों की यादगार मे बनवाना चाहिए जिससके कि आने वाली नस्ले उनको हमेश के लिए याद करती रहे और जो बच्चे स्कूलों तथा कालिजों मे पढ़ते है उनको यह ख्वाहिश रहे कि वे भी अपने देश के लिए जीवन बलिदान करते रहे। अध्यक्ष महोदय, आपको इस बात का ज्ञान होगा कि हमारे प्रदेश के दो ब्रिगेडियर, ब्रिगेडियर यादव और ब्रिगेडियर कटारिया और आपके दामाद कर्नल दलाल मेजर सत्य देव साहब आदि अफसर और जवान इस लड़ाई मे जख्मी हुए है, और उन्होने हरियाणा का नाम ऊंचा किया। अध्यक्ष महोदय, आज हम उन सब बहादुरौ को जिन्होंने देश के लिए जीवन न्यौछावर कर दिया था, एक प्रस्ताव की शक्ल मे श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे है। हमे उन भाईयों की याद मे कोई न कोई ऐसा कारनामा करना चाहिए, जिससे आने वाली नस्लें उनको याद रखें और इस सदन को भी याद रखें।

Sh. S.P. Jaiswal (Karnal): Mr. Speaker, Sir, I fully associate myself with the entiments expressed by the Leader and Members of this House. The role of our Forces in defending the country against the aggressor and the sacrifice of the Martyrs for the liberation of their country. Bangla Desh shall go down in the annals of the history in golden words.

Mr. Speaker, Sir, I pray to the Almighty to grant peace to the departed souls and trength to the bereaved families to bear this great loss. With these words I support the resolution moved by the Leader of the House.

चौधरी चांद राम (बबैन ऐस.सी.):स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी जो प्रस्ताव इस हाउस मे पेश किया है, मैं उसका समर्थन करता हूं। इस हाउस मे बहुत कुछ कहा जा चुका है। आप जो इस चेयर पर बैठे है, आपने तो अपने लाल को भी देश के लिये कुरबान किया था और आपने खुद भी लद्दाख की ऊँची ऊँची पहाड़ियों पर दुश्मन का मुकाबिला किया था। जब हम आपकी रहनुमाई मे लद्दाख मे गये थे तो आपने वह सारा नजारा हमें दिखाया था कि कैसे आप दुश्मन के साथ बहादुरी से लोहा लेते रहे। स्पीकर साहब आज जिन शहीदों ने देश के लिये कुर्बानी दी है, उन्हे हम श्रद्धांजलि तो भेंट करते है, लेकिन जैसे पार्लियामैंट मे हमारे डिफन्स मिनिस्टर ने कहा था कि यह जो हम शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते है यह थोड़ी देर की ही रह जाती है और थोड़ी देर के बाद हम उन्हे भूल जाते है। हमारी हरियाणा सरकार ने जो शहीदों के प्रति पग उठाया है, मेरे विचार मे वह सारे देश

मे इस बात मे पहला नम्बर ले गई है। मैं इपनी सरकार का शुक्रिया अदा करता हूं कि अपने शहीदों के परिवारों के लिये बहुत अच्छी रियायते दी है, ग्रांटस वगैरह का प्रबंध किया है। स्पीकर साहब, आप भी ब्रिगेडियर रहे है। इन सारी बातो का श्रेय आपको भी जाता है, क्योंकि मुख्य मंत्री महोदया ने वह उनकी सरकार ने आपके सुझाव से यह सारी बाते मानी है।

स्पीकर साहब, मैं भी चाहता हूं और जैसे कि अभी अभी चौधरी रणबीर सिंह जी ने भी कहा कि जो जवान बीरगति को प्राप्त होते है, उनकी याद मे यादगारें सड़कों पर और स्कूलों मे और सभी पब्लिक प्लेसिज पर बनानी चाहिए, इस मे दो राये नही हो सकती। इसके साथ साथ मै यह भी बताना चाहता हूं कि हमारे जिन देशवासियों ने`जो कुर्बानियां की है, वह सभी हमारी श्रद्धा के पात्र है। लेकिन क्या हम कैप्टन अहलावत को भूल सकते है जिन्होने अपनी जान की कुर्बानी देकर दुश्मन की मशीनगनों का मुंह मोड़ दिया। ऐसे ऐसे खानदान जो तीन तीन और चार चार पीढ़ियों से लड़ रहे हैं वह कुछ असूलों के लिये लड़ते है, उन्हें हम कभी नही भूला सकते। जिन असूलों के लिये वह लोग कुर्बानी करते है हम सबको वे असूल याद रखने चाहिये। स्पीकर साहब बहुत से हमारे सैनिक लद्दाख के मार्चो पर हमारे देश की सुरक्ष कर रहे है और जब लड़ाई का वक्त आता है तो लड़ते भी है। वे बड़ी बड़ी ऊंचाईयों पर लड़ते है पर मुझे इस बात को देखकर दुःख होता है कि उनके घर वालो के लिये कोई सहूलियतें नही

है, उनके घर वाले, उनकी बीवियां, बच्चे नौकरी की तलाश मे मारे मारे फिरते रहते है। मैं आशा करता हूं कि मुख्य मंत्री महोदय और उनकी सरकार इस मेरे सुझाव को पसन्द करेगी कि कजो जवान मोर्चो पर तैनात हे उनके घर वालो को हर तरह की सहूनियते दी जाए जैसे कि हम एक्स सर्विस मैन को नौकरी देते है। मैं समझता हूं कि समाजवाद की यही निशानी है कि जिन लोगों की आमदनी थोड़ी है, उनको प्रिफरेन्स जरूर दी जाए। बंगला देश के अंदर 30 लाख लोगो ने कुरबानियां दी। शेख मुजीबुर्रहमान जैसे महान आदमियों ने भी सारी उमर कैद काटी तो जहां इन लोगो के लिये हमारी प्रधान मंत्री जी ने सब कुछ किया उनके स्वप्न को पूरा किया, इसके साथ साथ हमारी सरकार को यह भी चाहिये कि हमारे देश के जो नौजवान कुरबान हुए है, उनके परिवारों की तरफ भी ध्यान दे और उन्हें सभी प्रकार की सहूलियतें दे। मैं इन शब्दों के साथ एक बार फिर इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

श्रीमती शकुन्तला (साहलावास ऐस.सी.): अध्यक्ष महोदय, यह जो प्रस्ताव चीफ मिनिस्टर साहब ने इस हाउस मे रखा है मैं उसका समर्थन करती हूं। पाकिस्तान ने हामरे देश पर जो अचानक हमला कर दिया था उसके अंदर हमारे जो अनेको वीर जवन कुरबान हो गये है, मैं उपके प्रति तहेदिल से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और भगवान से यह प्रार्थना करती हूं कि उन माओं को, जिनके लाल इस संसार मे अब नही है, उन बहनों को

जिनके पति, जिनके भाई इस संसार मे नही रहे हे, उन्हे यह शक्ति दे कि वे इस दु:ख को सहन कर सके। हमारे बीर जवानो ने, जब भी कभी हमारे देश के ऊपर कोई आपत्ति आई तभी उन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर हमारे देश की रक्षा की। तो मैं तहेदिल से उन्हें फिर श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं और इन शब्दों के साथ फिर इस प्रस्ताव का समर्थन करती हूं।

श्रीमती लेखवती जैन (अम्बाला शहर): स्पीकर साहब, मौजूदा जो जंग हुई और जिसमे हमारे देश को जो शानदार विजय प्राप्त हुई, इसके लिये मैं बधाई देती हूं और लड़ाई के दौरान जो हमारे आफिसर्ज और जवान वीरगति को प्राप्त हुये उनके प्रति मैं अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। इस के साथ ही उनके घर वालो उनके बच्चों, उनके बूढ़े मां बाप को जो दु:ख हुआ है, उनके प्रति सहानुभूति प्रकट करती हूं और भगवान से यह प्रार्थना करती हूं कि इस लौस को बर्दाश्त करने के लिये उनके परिवारों को शक्ति दे।

स्पीकर साह, जो हमारे जवान, जो अफसर, वीरगति को प्राप्त हुए है उनके प्रति जो हमारी हरियाणा सरकार ने सहायता देने का एलान किया है और वचन दिया है, उसके प्रति मैं गौरव महसूस करती हूं और मैं समझती हूं कि हमारा हरियाणा प्रान्त इस मामले मे दूसरे प्रान्तों के मुकाबले मे सब से आगे रहा है। हमारी सरकार शहीदों के घर वालों को हर तरह की मदद देने मे पीछे नही रही है। और मै आगे से अपनी सरकार से यह उम्मीद करती

हूं कि इससे बढ़कर जो सहायता दे सकती है उनको देने का पूरा पूरा प्रयत्न करेगी। इन शब्दों मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करती हूं।

चौधरी हरकिशन लाल कम्बोज (रोड़ी): स्पीकर साहब, पाकिस्तान के साथ लड़ी गई मौजूदा लड़ाई मे हमारे बहादुर वीरों ने जो शहादत पाई है उन बहादुरों को श्रद्धांजलि देने के लिए हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने जो प्रस्ताव रखा है। उसका मैं समर्थन करता हूं। इस जंग मे हमारे शूरवीरों ने शहादत तो पाई है लेकिन इस के इलावा कई ऐसे ऐसे मौके आए जहां उन्होनें शाहदत और वीरता की नई कहानियां और रवायते कायम की है। मैं खुखरी जहाज के कैप्टेन राबिन्दर नाथ की मिसाल देना चाहता हूं। जब उनके जहाज को दुश्मन ने टारपिडो कर दिया तो वह डेक पर खड़े होकरअपने जवानों को कहता है कि अपनी जाने बचाने के लिए छलांगें लगा लो। कई साथियों ने उनको भी कहा कि आप भी छलांग लगा लें लेकिन उन्होंने जवाब दिया कि मेरा जहाज डूब रहा है जो जहाज डूबता है उस का कप्तान भी साथ ही डूबता है, मैं उस रवायात को कायम रखूंगा। उस रवायात को कायम रखते हुए वह बड़े आराम से कुर्सी पर बैठे हुए जहाज के साथ ही पानी के अंदर शहीद हुए। इसी तरह बोपाराए छावनी है फिरोजपुर सैक्टर में, वहां हमारे हरियाणा के वीर ने जब पाकिस्तानी फौज की पोजीशन पर चार्ज किया तो वह उस शेर के डर से भाग गए और उस छावनी पर हमारे बहादुर शूरवीर ने कब्जा करके एक महान काम किया। इसी तरह बहुत से कई और

वीरों ने मिसालें कायम की। आज उनको याद करके हर हिन्दुस्तानी का सर फक्र से ऊंचा होता है। तो इस 14 दिन की जंग मे हमारे वीरों ने काम किया है उस से सारी दुनिया मे हमारा सर बुलन्द हुआ है। हिन्दोस्तान की हजार साल के बाद ऐसी जीत हुई है और आज सारी दुनिया में हमारे वीरों की बहादुरी का चर्चा हो रहा है। मुझे बिसमल साहब का इस सिलसिले मे एक शेयर आद आ गया है:—

''ऐ शहीदे मुल्कों मिल्लत तेरे जजबों पे निसार

तेरी कुरबानी का चर्चा गैर की महफिल मे है।।''

तो स्पीकर साहब, मैं अपनी तरफ से उन वीरों को जो देश के लिए शहीद हुए है श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और अपनी सरकार को, इस सदन के सारे मैंबर साहिबान को और सारे हिन्दुस्तानियों से प्रार्थना करता हूं कि वे उन को कभी न भूले जो लौट कर के घर नही आए इन अलफाज के साथ मैं उन को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

Mr. Speaker: Hon. Members, I fully associate myself with the rich tributes, the sympathies and the deep feeling expressed by the Leader of the House and the other leaders. There is not doubt that this recent war has brought great laurelas to our Nation, to our country which is obviously due to the supreme sacrifices and the wonderful nanner in which our officers and jawans have fought during the war. Having duffered myself in having lost a son myself in similar

circumstances several years ago, I know, how the bereaved families feel about the tragedy. I am gold to say that our State, our Government has done a great deal to help such bereaved families. In fact, I don't think I would be wrong to say that we are perhaps the leading most State in the country which has given maximum benefits to our soldiers or to those who were killed or got killed in the battle or wounded. But I feel that in addition to money is no doubt important, but a few other things are also required; one thing was mentioned by Chaudhri Ranbir Singh and by Chaudhri Partap Singh that we must honour these families. We must also plan the future of the children and take some other such steps, I am sure, we all and our Government will take effective and speedy steps as early as possible.

Now I only want to touch upon two or three other important as pects. Kuckily, being the Vice-President of the State Citizens Council, I got the opportunity to visit many villages during the last six weeks. I met a large number of families, bereaved families and also lately our jawans and officers who were returning from Bangla Desh and other fronts on short leave and I found that the feeling this time in our countrymen, in our soldiers was very different. In fact, I will quote the words of a few. This is what they said "इस दफा तो हमे ऐसा मालूम होता था कि मे किसी मेले मे जा रहे है।" And I find really that was the spirit of all the soldiers whether they belonged to Haryana, Punjab or any other State. I also know the performance of th evarious regiments belonging to various areas of the country on the various fronts of war. I assure you that every single regiment whether it belonged to North,

South, East or to the Centre, performed well. But there is not doubt that the Haryanvis are right on the top and so are the Punjabi because I remember, I can quote an example without giving the name of the units, that one of our units in Ferozepur suffered humdred percent casualties, not a single man came back; one of the Jat units in Chhamb sufferedninety per cent casualties. So “what I want to emphasise is that all the troops fought well irrespective of their belonging to any area whether Haryana, Punjab or any other State. There is no doubt that they really topped or ahve shown their mettle. So, not only I find that spirit in the Army but fter the brilliant victory I find the main diffeecne between the present or the recent war and the previous wars; while thiw war was a war of movements, the other wars were wars of attrition and because of the war of movements there were brilliant Strikes and rapid movement, particularly in Bangla Desh because on the West we were on the defensiv. So, there we scored a brilliant victory and I have no doubt that, that has put India on the would map. I also feel that the greatest thing that this recent war ahs given us is that this has removed the black spot which we got in 1962. Today India has been given that “Aan and Shan”, that prestige, name and fame so that we could walk in any country in the would with our chest up and chain high जिसे हम कहते है कि ऊंची गर्दन करके हम निकल सकते है। This is a great thing for a Nationa and in this case I find that simultaneously such a feeling, has crept in our civilian population. I personally feel today Indians feel in the same manner as they felt in 1947, But at that time we lost he opportunity. We did not harness those feeling, those urges and we really let down our people. Today, here it is a

new opportunity to our leaders, people like us, we are all elected respresentatives. We should set up an example and rid this country from nproverty, remove poverty and take it right up and here it is rather a golden opportunity that has been given to us all and the shole Nation. I also know certain families in my own areas, it may be Mahendergarh or Hissar that a father, a son and a son in law have either been killed or wounded. So, the last point that I want to emphasise is that although i thank the Government and congratulate the Government for having done maximum possible so far but I think a little more is required to be donw, perticularly I will make one suggesting that is, whoever he is, whether an Officer or a J.C.O. or a Jawan, the loss of a hand or a man is the same to all families and theefore, I feel that this difference between Rs. 3,000 and Rs. 7,500 should not be there. It should be a reward for the supreme sacrifice; if possible it should be the same because the loss is identical to my mind. In the end, I would request you all to observe two minutes silence.

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, पाकिस्तानी बम्बारी से जो सिवल पापुलेशन मारी गई है उसे भी बंगला देश मारटायर्ज के साथ शामिल कर लिया जाये।

श्री अध्यक्षः ठीक है। निम्नलिखित रैजोल्युशन की प्रतियां आल कन्सर्नड को भेज दी जाएंगीः–

यह सदन हमारे फौज के तथा हमारी सशस्त्र पुलिस के जो अफसर, जे.सी.ओ. और जवान लड़ाई के मार्चों पर पड़ते हुए

शहीद हुए है या वे हमारे सिविलियन्ज और ट्रक ड्राईवर्ज तथा कंडक्टर्ज जो पाकिस्तानी बंबारी से शहीद हुए है उन सब शहीदों को उन उन के परिवारों के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि भेंट करता है, मुक्ति वाहिनी, भारतीय सशस्त्र पुलिस तथा सेना के वीर सेनानियों की भी प्रशंसा करता है जिन्होंने अदम्य साहस एवं अप्रतिमा वीरता का परिचय दिया और बंगला देशक ` उन लाखो शन्तिप्रिय एवं निर्दोष लोगों से भी हार्दिक सहानुभूति प्रकट करता है जिनको गत वर्ष मार्च से पाकिस्तानी दरिन्दों के अकस्मात टूट पड़ने पर अगणित यातनाओं को साहन करना पड़ा।

(At this stage the sabha stood in silence for two minutes as a mark of respect to the martyrs.)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): स्पीकर साहब, इसी अर्से मे हमारे बीच से तीन और महान व्यक्ति हमें छोउ़ कर इस संसार से चले गये है। इन मे से एक श्री गुलाम मुहम्मद सादिक चीफ मिनिस्टर जम्मू एंड काश्मीर स्टेट है जिनका जन्म 1912 मे हुआ। वह 1951 मे जम्मू एंड काश्मीर कांस्टीटयूएंट असैम्बली के चेयरमैंन चुने गये, 1953 से 1963 तक वहां के एजुकेशन एंड हैल्थ मिनिस्टर रहे और 1964 से लेकर अपने स्वर्गवास होने तक जम्मू एंड काश्मीर के चीफ मिनिस्टर रहे। दूसरे डाक्टर विक्रम साराभाई है जिन का जन्म 1919 मे हुआ हौर वह डाक्टर भाबा के बाद एटामिक अनर्जी कमीश्ज्ञन के चेयरमैन नियुक्त किये गये। 1966 मे उनको पद्मविभूषण का अवार्ड दिया गया। पिछले दिनों वह हमसे

बिछुड़ गये। तीसरे श्री बी.क. गायकवाड जी मैंबर पार्लियामैंट पिछले दिनों हम से बिछुड गये। वह रिपब्लिकन पार्टी के नेता थे। 1900 मे इनका जंम हुआ और होश सम्भालने के बाद से ही वह एक्टिव पालिटिक्स मे आये। उन्होंने गरीबों को ऊपर उठाने का काम किया।

इन तीनो महान् व्यक्तियों के स्वर्गवास होने का हमें बहुत दु:ख है और इनकी फैमलीज को हम सदन की तरफ से सहानुभूति प्रकट कर दी जाये।

चौधरी प्रताप सिंह दौलतपुर (बडोपल): स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब ने जिन परसनैलेटीज के बारे मे शोक प्रस्ताव पेश किया मै उसका समर्थन करता हूं श्री गुलाम मुहम्मद सादि एक पुराने लीडर थे जिन्होंने जम्मु कश्मीर की पिछले दिनों मे रहनुमाई की और सेवा की। वह अचानक हमारे मे से चले गये जिसका हमें बहुत अफसोस है। ऐसे वक्त मे ऐसे लीडर का चले जाना जबकि देश मे संकट हो हमारे लिये बड़े दु:ख की बात है। डाक्टर विक्रम सारीाई एक माने हुये साईंसदान थे ओर उनके चले जाने से आज हिन्दुस्तान मे एक खल्ला पैदा हो गया है। आज जब कि चीन और अमेरिका पाकिस्तान को स्पोर्ट कर रहे है और हमें एटामिक अनर्जी की ज्यादा जरूरत है ऐटम बम्ब और हथियारों की जरूरत है, ऐसे वक्त पर एक ऐसे साईंसदान का चले जाना बहुत ही दु:ख की बात है ऐसे इन्सान देशक ी सेवा के लिये कभी कभी ही पैदा होते है। श्री गायकवाड जी गरीब जाति के थे

और वह गरीबो को ऊपर उठाने के लिये काम करते थे। उनके चले जाने से खास तौर से गरीब जातियों को बहुत नुकसान हुआ है। हमे उनके चले जाने का बहुत दुःख है। इन अलफाज के साथ चीफ मिन्स्टिर साहब ने जो प्रस्वाव रखा है, मैं उसका समर्थन करता हूं और इन तीनों महान पुरूषों की फैमलीज से संवेदना प्रकट करता हूं। परमात्मा इनकी आत्माओं को शान्ति दें।

श्री मंगल सैन (रोहतक): स्पीकर साहब, अभी अभी सदन के सामने दूसरा प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है और मैं उसका समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। श्री गुलाम मुहम्मद सादिक का निधन यहां चण्डीगढ़ मे हुआ है। आपका जन्म श्रीनगर मे हुआ थां और वह लाहौर मे पढ़े। वहां ग्रैजुएशन करने के बाद आपने वकालत पास की और उसके बाद वहां राजनीति मे सक्रीय भाल लेना आरम्भर किया। स्पीकर साहब, जिन दिनों युद्ध चल रहा था और पाकिस्तान मे हवाई जहाज कभी रात को और कभी दिन को चंडीगढ़ भी आत थे उस वक्त सादिक जी यहां पी.जी.आई. मे बीमार पड़े थे। ऐसे अवसर पर जब कि उनका सारा प्रदेश युद्ध भूमि बना हुआ था और उसकी सीमाओं पर खड़े भारतीय जवान पाकिस्तानियों के दांत खट्टे कर रहे थे वह बीमारी की हालत मे दुआ कर रहे थे कि भगवान उसके देश को विजयी करे। लेकिन भगवान की इच्छा पर किस का जोर चलता है। उनके हृदय की उमंग तो पूरी हुई और भारत ने पाकिस्तान की धरती पर तिरंगा लहराया लेकिन सादिक जी खुद 12 तारीख को इस संसार से चले

गये ओर अपने दिल की हसरत को दिल मे लिये चले गये। लेकिन इसमे किसी का कोई बस नही क्योंकि जो व्यक्ति संसार मे आता है उसका जान अवश्यंभावी है और इस नियम मे बदल होने वाला नही है। फिर आप देखते है कि संसार मे अपनी मनमानी करने वाला देश चीन आज बहुत उछल कूद करता फिरता है और हमसे भी टकराने की कोशिश करता है। इस सारी उछल कूद का एक ही वजह है कि उनके पास परमाणु खोज करने के लिये या उसका शेध करने के लिये उसके जो चेयरमैन थे डाक्टर विक्रम साराभाई हमे खेद है कि वह आज हमारे बीच मे नही रहे। ऐसी महान हस्ती की हमे आज बड़ी आवश्यकता थी लेकिन हमारा दुर्भाग्य है कि वह त्रिवेंद्रम मे जाकर ऐसे सोये कि वह सुबह उठ नही सके। स्पीकर साहब, ऐसे मौके पर जब कि उन की देश को बड़ी आवश्यकता थी, न जाने काल कहां ले गया और सारा देश उन से वंचित हो गया।

स्पीकर साहब, इसी प्रकार रिपब्लिकन पार्टी के नेता श्री गायबवाड भी इस संसार से चले गये हैं जब गरीबों की दशा सुधारने का मौका आया, सब लोगो ने बरीबों की दर्दशा को सुधारने का दृढ़ संकल्प किया, तो आप ऐसे समय मे जगत से बिछुड़ कर चले गए। प्रभु इन महापुरूषों को, इन महान आत्माओं को शान्ति प्रदान करे। इसके साथ ही साथ इन महापुरूषों के परिवारों के सदस्यों को, इस बिछोड़े को सहन करने के लिए

शक्ति दे। मैं इन आत्माओं को अपनी तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और अपना स्थान ग्रहाण करता हूं।

चौधरी दलसिंह (जुलाना): स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय ने जो प्रस्ताव सदन के सामने रखा है, मैं इसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। डॉ. विक्रम ए. साराभाई, चेयरमैन एटोमिक अनर्जी कमीशन की मृत्यु 30 तारीख को हृदय की धड़कन बन्द हो जाने से हुई। इस क्षति को किसी भी कीमत पर पूरा नही किया जा सकतां इसका जन्म 1900 ई मे हुआ। इन्होंने कैंब्रिज यूनिवर्सिटी से शिक्षा पाई और डिग्री हासिल की। 1939 से 1945 तक वह नोबल पुरस्कार विजेता डा.सी.वी. रमन के साथ अणु शक्ति की उन्नति के लिए काम करते रहे। डा. भाभा की मृत्यु के पश्चात् अणुशक्ति के अध्यक्ष बने और इस पद पर आसीन होकर ये देश की सेवा करते रहे । सारे देश को इनकी मृत्यु पर बड़ा दुख है। मैं ऐसे महान व्यक्तियों को अपनी तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

इनके अतिरिक्त श्री गुलाम मुहम्मद सादिक, भूतपूर्व चीफ मिनिस्टर जम्मू एंड काश्मीन जो फिरकापरस्ती के कट्टर विरोधी थे ओर सेकुलरिजम के हामी थे हम से बिछुड़ गए है। इन्होंने जम्मू एंव काश्मीर मे फिरकापरस्ती को उभरने नही दिया, हालांकि पाकिस्तान रोज हिन्दुस्तान से झगड़े करता रहता था, लेकिन यह उनकी हिम्मत और काबलियत थी जिसके बल पर वे

हर उलझन का मुकाबला करते रहे। जब तक वे जिन्दा रहे जब तक काश्मीर प्रदेश मे फिरकापरस्ती को कुचले रखा।

रिपब्लिकन पार्टी के नेता श्री बी. के गायकवाड बड़े महान् व्यक्ति थे। ये सारी जिन्दगी पिछड़ी जातियों की भलाई के लिए काम करते रहे। ये मुझे पहली बार सन् 1968 मे दिल्ली मे इलैक्शन के सिलसिले मे मिले थे। मैंने उन से दरखास्त की थी लेकिन उन्होंने कहा था कि वे कांग्रेस के खिलाफ कभी नही जाएंगे। इस तरह उन के विचार जानने का मौका मिला था। ये समाजवाद का नारा लगाते थे और प्रत्यक्ष रूप से समाजवाद के हामी थे। जो व्यक्ति पिछड़े हुए है, हर तरह से तंग है उन को उठाने के लिए आपसारी जिन्दगी कोशिश करते रहे। जो हमारा समाजवाद का एम है उसको पूरा करने वाले ऐसे नेता के निधन पर हमें बहुत दुख है। मैं इन महान नेताओं की आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि भगवान उन के दुखित कुटुम्बों को शान्ति प्रदान करे।

चौधरी रणबीर सिंह (किलोई): स्पीकर साहब, श्री गुलाम मुहम्मद सादिक, जम्मू एंड काश्मीर के मुख्य मंत्री एक देसी रियास्त मे पैदा हुए। इस देश की आजादी की लड़ाई मे भाग लेने के लिए जिन भाईयों ने देसी रियास्तो मे काम करके देश के उन हिस्सो को आजाद कराने का हौंसला किया, आप उन बड़े नेताओं मे से एक नेता थे। वे इलाके, जिनकों आजादी से पहले ब्रिटिश इलाका कहा जाता था, उस आजादी की लड़ाई के जमाने मे काम करना

आसान था लेकिन देसी–रियास्तों मे आजादी की लड़ाई को छेड़ना काफी मुश्किल दिखाई देता था। लेकिन जम्मू और काश्मीर के इलाके मे देश के प्रति आजादी की भावना को प्रेरणा देने वाले नेताओं मे से सादिक जी एक थे और इनका बड़े अहम स्थान है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ, सादिक साहब के नाम के लिए हमारे कांस्टीच्यूशनल विधान के इतिहास मे एक अहम स्थान रहेगा। जब हिन्दुस्तान का विधान बना था तो जम्मू और काश्मीर के खास हालात की बिनां पर संविधान मे एक खास आर्टिकल रखा गया था जो जम्मू और काश्मीर को हिन्दुस्तान के दूसरे इलाको से कुछ अलग रखता था। मिसाल के तौर पर, वहां के चीफ मिनिस्टर को प्राईम मिनिस्टर कहा जाता था। विधान मे ऐसा विधान होने के बावजूद भी, यह सौभाग्य सादिक साहब को मिला जिन्होंने अपने प्रदेश को हिन्दुस्तान के दूसरे प्रदेशों के बराबर लाने के लिए वहां की जनता मे एक आवाज उठाई और हिन्दुस्तान के संविधान मे जो जरूरी तबदीलियां होनी चाहिए थी उन को करवाने मे कामयाब हुए। यही नही, जिस प्रकार काश्मीर मे लड़ाई के योद्धाओं ने पाकिस्तान के खिलाफ लड़ कर के सैकुलरिजम की जड़ो को मजबूत किया, उसी प्रकार सादिक साहब ने सारा जीवन हिन्दु, सिक्ख, मुस्लिम, ईसाई तथा दूसरे धर्मो के माने वाले भाईयों को ऊंचा उठाने के लिए लगा दिया और हिन्दुस्तान मे सैकुलरिजम की नींव को मजबूत किया। वह पीढ़ी आज हमारे बीच से जा रही है जिसने हिन्दुस्तान की आजादी यानी अपने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी।

इन के अतिरिक्त रिपब्लिकन पार्टी के नेता श्री गायकवाड के निधन पर हमें खेद है। ये डा. अम्बेदकर के अनुयायी थे। मुझे श्री गायकवाड के साथ लोक सभी मे कई साल एक साथ रहने का मौका मिला। गरीब आदमियों के लिए उनके दिल मे हमशा जोश रहता था। गरीब जनता की सेवा के लिए, उन के दुखों को दूर करवाने के लिए उन के दिल मे अग्नि जलती रहती थी। हिन्दुस्तान मे समाज के अन्दर जिस क्रांति की आवश्यकता थी, उस क्रांति को लाने के लिए उन्होने जवानों के हृदय मे जागृति पैदा कर दी ताकि गरीब अपने पावों पर खड़ा हो सके। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए उन्होंने काफी कुर्बानियां की।

स्पीकर साहब, आप अच्छी तरह जानते है, उस लड़ाई के बाद भी जान गए है और वैसे भी जानते है कि अणु शक्ति कितनी आवश्यक हैं अणु शक्ति का जो विकास किया गया है वह विध्वंस के लिए नही बल्कि देश की तरक्की, दूनियां की तरक्की करने के लिये इस शक्ति का विकास करने का फैसला किया गया था लेकिन आज दुनिया के हालात कुछ दूसरी किस्म के है। ऐसे समय मे डा. विक्रम साराभाई, चेयरमैन, एटोमिक अनर्जी कमीशन की देश को बहुत जरूरत थी। उन की सेवाओं की इस लिए ज्यादा जरूरता थी जैसा कि हमने इस लड़ाई मे देखा हैं जब हम बंगला देश की गरीब जनता की आजादी के लिए अपने जीवन की आहुतियों दे रहे थे तो अमेरिका और चीन जैसी बड़ी शक्तियों, अणु शक्ति के भरोसे पर हमे आंखे दिखला रही थी। ठीक है,

अणु शक्ति का विकास सिर्फ विध्वंस के लिए न करें लेकिन देश की उन्नति के लिए अवश्य करै। ऐसे हालात मे, ऐसी शक्ति जो देश को अपने पैरौं पर खड़ा होने के लिए आत्म निर्भर बनाए हमारे दिल मे हौसला पैदा करे वह हमारे लिए बहुत जरूरी है। डा. साराभाई की मृत्यु पर हमे बहुत दुःख है क्योकि उन के निधन से हमारे देश को बहुत नुक्सान हुआ है।

अध्यक्ष महोदय, हम जहां उनके लिए शोक प्रस्ताव पास कर रहे है वहां साथ ही साथ भगवान से प्रार्थना भी है कि वे इन तीनो महापूरूषों की आत्माओं को शान्ति दे और उनके परिवारों को शक्ति दे ताकि वे उनके निधन को बरदाश्त कर सके। इसके अलावा भगवान से मेरी यह भी प्रार्थना है कि वे हमारे देश के लोगों को और सायंसदानों को भी शक्ति दे ताकि वे इस निधन से घबराये नही मगर उनकी जीवनी से शक्ति लेकर अपने देश को मजबूत बनायें मैं मानता हूं कि उनके लिए श्रद्धांजलि देने का सबसे बढिया तरीका भी यही है कि जिन रास्तों पर चल कर उन्होने देश की तरक्की के लिए अपना योगदान दिया उन्ही रास्तों पर हम भी अपने देश की तरक्की मे योगदान दे।

चौधरी चांद राम (बबैन ऐस.सी.): स्पीकर साहब, मैं भी इन तीन बड़ी आत्माओं को श्रद्धांजलि भेंट करता हूं। कि तीनो बड़ी आत्माएं अलग अलग क्षेत्र मे महत्व रखती थी और किसी बात की प्रतीक थी। श्री गुलाम मुहम्मद सादिक सैकुलरिज्म के प्रतिक थे। एक समय था कि वे जम्मू काश्मीर की मुस्लिम कांफ्रैंस के

संस्थापक बने और एक समय आया कि वह मुस्लिम कांफ्रैंस सन् 39 मे नेशनल कांफ्रैंस मे तबदील कर दी गई। फिर एक समय आया जब उन्होंने काश्मीर और जम्मू का अटूट संबंध भारत के साथ जोड़ने के लिए प्रयत्न किया। स्पीकर साहब, आज हमारे देश की तीन आधारशिलाएं है। जिनसे तरक्की हो सकती हैं पहली आधारशिला धर्मनिर्पेक्षता की है जिसको हम सैकुलरिज्म कहते हैं इसका मतलब यही है कि धर्म वगैरह के झगड़ों से दूर रहे। इन धार्मिक झगड़ों मजहबी झगड़ों से हमारे देश को आघात पहुंचा है। जो तरक्की हम हिन्दुस्तान मे कर सकते थे वह तरक्की इन झगड़ों की वजह से हम नही कर कसे, ऐसे व्यक्ति का, जो सैकुलरिज्म का प्रतीक था, चले जाना भारत के लिए बहुत ही नुक्सान की चीज है मगर हम इस बात को रोक नही सकते। परमात्मा की अपनी माया है। और इसके आगे इन्सान का वश नही चलता लेकिन हमारा फर्ज बना जाता है कि जिन असूलों के लिए कोइ आत्मा काम करती थी उन असूलों को हम आगे बढ़ाए।

डाक्टर विक्रम साराभाई साइंटिफिक प्रोग्रैस के प्रतीक थे जो कि प्रगति की दूसरी आधारशिला है। कोई भी देश बगैर साईंस के तरक्की के रास्ते पर चल नही सकता और उन्नति नही कर सकता। तो उनके निधन से हमारेदेश को बडा भानी नुक्सान हुआ है। मैं समझता हूं कि उनका शरीर तो वापिस नही आ सकता मगर हमारे देश के नौजवानों को, जिस कार्य के लिए डाक्टर साराभाई काम करते रहे, उस कार्य को करने के लिए बहुत

परिश्रम करना पड़ेगा। सबसे बड़ी श्रद्धांजलि उनको हम यही दे सकते है कि हम उनके काम को आगे बढ़ाए।

श्री गायकवाड जी रिपब्लिकन नेता थे। कई बार उनसे जिन्दगी मे मुझे मुलाकात करने का मौका मिला। जब देश मे भूमिहीनों को भूमि तकसीम करने के लिए गवर्नमैंट आफ इंडिया और प्रान्तीय सरकारों के खिलाफ रिपब्लिकेशन पार्टी ने आंदोलन किया था तो वे इस मामले मे बहुत अग्रसर थे। उनके साथ ही ये हिन्दू मत को छोड़कर बौद्ध भी बन गए थे। इन्होने असमानता के खिलाफ के खिलाफ, जहाद किया, छुआछुत को दूर करने के लिए डा. अम्बेदकर के साथ मन्दिरों मे कई बार प्रवेश किया और यातनाएं भी सही। जब उन्होंने देखा कि हिन्दु मत मे समानता नही मिलेगे तो हम हिन्दू रहकर नही मरेंगे। तो डा. अम्बेदकर के साथ ही ये बौद्ध बन गए। तो आज हमारे हिन्दुस्तान के सभी निवासियों, चाहे वे कमजोर वर्ग से है या चाहे वह अच्छे अग्रसर वर्ग के है यह हम है, जो उस असमानता के खिलाफ लड़ने वाले है, का यह फज्र बना जाता हे कि हम दिल मे देखे कि आज हम क्या काम कर रहे है । मैं समझता हूं कि गायकवाड जी सोशलिजम के प्रतिक थे, समाजवाद के प्रतीक थे क्योंकि समाजवाद कमजोर वर्ग के लिए नही आता तो किस के लिए आएगा ? अमीरों के लिए समाजवाद की कोई जरूरत नही । गायकवाड जी सारी उमर वीकर सैक्शनज के लिए लड़ते रहे। मैं समझता हूं कि इन तीनो आदमियों, जिनमे से एक सोशलिजम का

प्रतीक था, एक साइंटिफिक प्रोग्रेस का प्रतीक था और एक सैकुलरिज्म का प्रतीका था, के प्रति आज हम सबसे बड़ी श्रद्धांजलि इसी तरह अर्पित कर सकते है कि उन द्वारा बताए गए रास्ते पर चलें । स्पीकर साहब, अभी हमने शहीदों के लिए एक शोक प्रस्ताव पास कियां उन शहीदों से भी हमें यह सबक मिलता है कि जिस तरीके से देश प्रेम की भावना से प्रेरित होकर इस देश मे हम उसी वक्त तरक्की कर सकेंगी जब हम आधारभूत सत्य को ग्रहाण करेंगे। यहही हमारी सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। इन शब्दों के साथ मैं दिवंगत आत्माओं की शन्ति के लिए परमात्मा से प्रार्थना करता हूं और आशा करता हूं कि उनके जो अच्छे काम थे वे हमारे लिए प्रेरणादायक सिद्ध होंगे।

Mr. Speaker: I fully associate myself with the deep feelings expressed by my colleagues for the departed leaders. No doubt. they were great leaders and pendered distinguished service to the nation and I shall convey the sympthies of the House to the bereaved families.

May I now request you all to stand for two minutes in silence as a mark of respect to the deceased.

(The Sabha then stood in silence for two minutes.)

CALL ATTENTION NOTICES

Mr. Speaker: Notice of Call Attention Motion No. I given by Shri Daya Krishan, M.L.A. concerning the duty of the Government tohonour the Military Personnel of Haryana who fought bravely in the recent Indo-Pak War and also to give

adequate awards to the legal respresentatives of those killed in action, is dis-allowed as a question on the same subject has already been admitted and the Members will have opportunity to ask supplementaries. Moreover, the Members will also have an opportunity to raise discussion on the Governor's address, the Budget and already enough is being done by the State in this regard.

Notice of Call Attention Motion No. 2 given by Sh. Daya Krishan M.L.A. concerning the alleged damage to Toria Crop due to some disease thereby causing loss crores of ruppes to the poor farmers as also of considerable tax to the Government is admited.

The hon. Member may please read his motion.

Shri Daya Krishan (Jind): Sir, I want to draw the attention of the Government to an urgent matter of public importance, that the present crop of Toria has been damaged in Haryana to a great extent due to some disease, thereby causing loss of crores of rupees to the public and loss of lakhs of rupees of tax to the Government. While in the neighbouring State of the Punjab there is no such loss, this is all due to the non-use of insecticide.

The Government should have taken proper steps to check such a huge loss.

I, therefore, urge upon the Government to give relief to the cultivators and take proper action against the Government employees resonsible for such gross negligence and assure the House that no such thing will happen in future.

कृषि मंत्री (श्री भजन लाल): अध्यक्ष महोदय तोरिया हरियाणा राज्य मे जायद खरीफ के रूप मे बोया जाता है। सारे राज्य मे इस साल लगभग एक लाख एकड़ रकबे मे यह फसल बोई गई थीं यह रकबा बहुत ज्यादा बिखरा हुआ होता हैं वैसे तो यह एक महत्वपूर्ण फसल है लेकिन किसान इस फसल को अन्य फसलों के मुकाबले ज्यादा तवज्जुह नही दे पाते है।

स्पष्ट हे कि तोरिया की फसल मौसम पर अधिक निर्भर करती है। जिस वर्ष एक आध बारिश हो जाती है उस वर्ष यह फसल काफी अच्छी होती है, क्योंकि वर्षा के कारण न केवल फसल को लगने वाले तेले की बीमारी से भी बचाव होता है। वर्षा मे तेला धुल जाता है और उसका प्रीााव बहुत कम हो जाता है।

इस वर्ष अक्तूबर के महीने तक वायु मे नमी रही जिसकी वजह से तेले के कीटाणु बहुत संख्या मे बढ़ गये। साथ ही अक्तुबर के बाद तेले के कीटाणु बहुत ज्यादा संख्या मे मल्टीपलाई कर चुके थे क्योंकि बारिश नही हुई जिसकी वजह से फसल की धुलाई नही हो सकी। इसलिए यह अनुमान लगाया जाता है कि इस रोल ने तोरिया की फसल को काफी नुक्सान पहुंचाया।

कृषि विभाग मे फसल की बीमारियां की रोकथाम के लिए एक प्लांट प्रोटैक्शन आर्गेनाइजेशन है। इस संगठन द्वारा हर जिले मे स्पेरयर्ज रखे जाते है और कीट नाशक दवाईयों का

उचित मात्रा मे भण्डार रखा जाता हैं बस बीमारी के लगते ही कृषि विभाग द्वारा किसानों से यह आग्रह किया गया कि वे अधिक से अधिक रकबे मे कीट नाशक दवाइयों का स्परे करे। यह कहना आवश्यक है कि तोरिया के खेतो का एक दूसरे से काफी दूरी पर होने के कारण उन पर हवाई छिड़काव सम्भव नही है। इसके लिए तो एक ही उपाय है और वह यह है कि किसान स्परे की सहायता से अपनी फसल को कीट नाशक दवाइयां छिड़क कर बचाएं।

हमारे प्रयत्नों के फलस्वरूप अभी तक मिली रिपोर्ट के आधार कर यह कहा जात सकता है कि राज्य मे लगभग 10,000 एकड़ रकबे पर किसानों द्वारा कीट नाशक दवाइयों का छिड़काव किया गया। इनमें हिसार जिले मे 4000 एकड़ जीन्द जिले मे लगभग 2000 एकड़ व अम्बाला तथा करनाल जिले मे लगभग 4000 एकड़ पर छिड़काव हुआ। इन सब बातों से जाहिर है कि कृषि विभाग की ओर से इस मामले मे किसी प्रकार की ढील या लापरवाही नहीं बरती गई है।

सरसों की फसल पर भी राज्य मे एक एपीडैमिक रूप मे तेले का आक्रमण हुआ है। विभाग ने तत्काल ही इस संबंध मे कार्यवाही की है। गुड़गांव जिले मे जहां पर सरसों का कमपैक्ट क्षेत्र होता है वहां हवाई छिड़काव कराया जा रहा है व राज्य मे अन्य सभी स्थानों पर जहां कमपैक्ट क्षेत्र नही है वहां पर किसानों द्वारा छिड़काव को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। क्योकि सरसों एक

बहुत ही महत्वपूण कैश क्राप है। अतः इस छिड़काव पर भारत सरकार व हरियाणा राज्य की ओर से सबसिडी भी दी गयी है।

Mr. Speaker: Notice of Call Attention Motion No. 3 given by Dr. Malik Chand Gambiiir, M.L.A. concerning the alleged 120 vancancies of Shastri O.T. teachers in the Statge is disallowed as the matter is not of urgent nature and is of day today administration.....

डाक्टर मलिक चंद गम्भीरः स्पीकर साहब, संस्कृत टीचर्ज की 125 पोस्टस खाली पड़ी हुई है। यदि इस प्रकार से करेंगे तो संस्कृत का विस्तार कैसे होगा।

Mr. Speaker: You will have so mony opportunities.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब यह तो बड़ी इम्पोर्टैंट बात है.....

Mr. Speaker: Please do not intervene or interrupt in between when I am giving a ruling.

Moreover, the Hon. Member will get ample opportunity to raise this point the discussion on Governor's Address and Budget etc.

Notice of Call Attention Motion No. 4 given by Dr. Mangal Sein, M.L.A. regarding the alleged resentment in the whole area on account of forcible vacation of land belonging to one Shri Nand Lal, Harijan of Dhani Saravagiyon in the outer area of Bhiwani by the Chief Minister himself and getting him imprisoned is disallowed as the matter is not of public

importance but is pertains to an individual case. Moreover, the aggrieved party can seek remedy in a court of low and the Hon. Member can also raise this matter during the discussionon Governor's Address. Budget demands etc.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, आप जानते हे कि भिवानी जो आजकल दूसरा कैपिटल बना हुआ है। मुख्य मंत्री जी वहां खुद रहते है। उन्होंने एग गरीब हरिजन को.....(विघ्न)।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल)ः स्पीकर साहब, डाक्टर मंगल सैन जी इस बात को मिटा नही सकते। अगली बार बेचारे मंगला सैन जी इस सदन के मैंबर भी नही होंगे।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, बेचारा कौन है यह तो कोई नही कह सकता। इनको अपने पर इतना अभिमान नही होना चाहिए। यहां से तो बड़े–बड़े चौधरी और लीडर चले गये। इलैक्शन मे मो वे भी बड़ी मुश्कित से 34 वोट से जीते थे। स्पीकर साहब मुख्य मंत्री जी ने एक गरीब हरिजन को पीटा।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, यह बिल्कुल गलत और बेबुनियाद झूठी बात है। ये तो बिना काम के एलीगेशन लगाते है। झुठा प्रोप्रगैन्डा करने के सिवाए इनके पास कुछ नही हैं ये गलत बातों का प्रचार करते है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, इस वियाष मे आप बेशक इन्क्वायरी करवा ले यह बिल्कुल सही बात है।

OBERVATIONS MADE BY THE SPEAKER REGARDING

CONTRIBUTION TO THE NATIONAL DEFENCE

FUND

Mr. Speaker: Hon. Memebrs would kindly recall that on 5hh August, 1971, I had appealed to all the Members that since the rehabilitation of Bangla Desh Refugees and the National security were serious matters, they should contribute for the Naitonal Defence Fund whatever is mutually decided upon, whether it is one month's condtribution or ten days. I was very happy that the Hon. Memebrs gladly responded to my appeal in this regard and the Leader of the Hosue even announced the unanimous decision of the House to contribute fifteen days pay for the extremely sacred and noble cause. But I regaret to say however, that except my own and the Deputy Speaker's contribution not a single penny has been received from Hon. Memeber----

श्री बंसी लाल: स्पीकर साहब, मैंने जिला हिसार के डी. सी. को चंदा दे दिया हैं हमारे गवर्नर साहब ने जिला अम्बाला के डी.सी. को दिया हैं यदि किसी आनरेबल मैंबर ने डी.सी. साब के एकाउंट मे पैसा जमा करा दिया है तो वह दिया हुआ माना जायेगा। यदि अभी तक किसी आनरेबल मैंबर ने नही दिया है तो मैं स्पीकर साहब, आपकी मार्फत रिक्वैस्ट करूंगा कि वे जल्दी से जल्दी दे दे।

Mr. Speaker: It is one and the same thing.....

चौधरी प्रताप सिंह दौलतपुरः स्पीकर साहब, जिन लोगों ने हिसार के एस.डी.एम. को दिया है क्या वह दिया हुआ माना जायेगा ? क्योंकि मैंने उनको एक हजार रूपया दे दिया है।

श्री बंसी लालः जरूर दिया हुआ माना जाएगा।

श्री मंगल सैनः जैसा कि अभी चीफ मिनिस्टर साहब ने बताया है कि डी.सी. को जिन्होंने पैसा दिया है वह दिया हुआ माना जायेगा। इसी प्रकार से हमने भी आधी तनख्वाह अर्थात् 250 रूपये दे दिया है। यदि आप फिर दौबारा कहते है तो भी देने के लिये तैयार है।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, आनरेबल मैंबर बड़े जिम्मेदार व्यक्ति है। यदि वे यह कहते है कि हमने दे दिया है तो बड़ी अच्छी बात है ओर उसको दिया हुआ ही माना जायेगा। हम उन पर भरोसा करते है कि उन्होंने जरूर दिया होगा।

Mr. Speaker: I have only one suggestion tomake that the Hon. Memebrs may inform the Secretariat that they have given or contributed so much and if they ahve not then they my contribute here, whichever way they like.

Shri Bansi Lal: And it should be intimated within 2/3 days.

Mr. Speaker: I also know that Khan Sabib has given Rs. 1,001.

OBERVATIONS MADE BY THE SPEAKER REGARDING THE OPINION OF THE INSTITUTE OF CONSTITUTIONAL AND PARLIAMENTARY STUDIIES, NEW DELHI RELATING, TO THE PRIVILAGE MOTION SOUGHT TO BE RAISED AGAINT CHAUDHRI OM PARKASH

Mr. Speaker: Hon. Members would recall that on 27th October, 1971, I had ruled that "The privilege motion raised against Chaudhri Om Parkash, M.L.A. will be reffered to the Institute of Constitutional and Parliamentary Studies for their opinion whether it forms a subject matter of privilege under our Rules of Procedure and Conduct of Business. We will haen proceed accordingly". As such I had referred this matter to the Institute of Constitutional and Parliamentary Studies for their opinion and advice. Though technically the noticeof the motion lapsed with the prorogation of the House, but since the House was seized of the matter and I had made an announcement as as stated above. I wish to take the memebrs into confidence about the reply received by me from the Institute in this regard. According to it "If a Member wishes to call the attention of the House to any breach of privilege 'instantly arising', it must be brought at the earlies possible moment after the bereach ahs been committed. Even a day's delay might prove fatal to the notice of privilege unless the specific matter sought to be raised is of urgent matter at a particular time and in relation to a particular development. Whenever there is delay in raising a quesiton of privilege, the Speaker may refuse to give his assent even though there may be a primafacie case."

In view of the above, the Hon. Memebers will appreciate that the ruling given be me in this regard on 26th the October, 1971, stands windicated, in that, the matter was not of recent occurrence and about two and a half months had elapsed after the acrimomious debates. If the Memebers so like I can get the advice received from the Institute crculated in the House.

श्री बंसी लालः यह हाउस इन्स्टीच्यूट की एडवाईस माल कर नही चलेगा। आपकी रूलिंग ठीक है। उसी वक्त मैंने उसको चैलेंन्ज कर दिया था। यह हाउस किसी इन्स्टीच्यूट को रिकोगनीशन नही दे सकता, वह इस किस्म की राय देने वाला कोई नही है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, जो बात मुख्य मंत्री जी के पक्ष मे जाये वह तो बड़ी अच्छी है वरना यह इन्स्टीच्यूट को एडवाईस को भी गल्त बना रहे है। आपकी रूलिंग सबसे अच्छी है और हमें कबूल है।

PANEL OF CHAIRMEN

Mr. Speaker: Under Rule 13(1) of the rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly. I nominate the following Membes to serve on the Panel of Chairmen:-

1. Chaudhri Ranbir Singh

2. Rao Dalip Singh.

3. Chaudhri Raj Singh Dalal

4. Chaudhri Chand Ram.

COMMITTEE ON PETITIONS

Mr. Speaker: Under Rule 293(1) f the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly, I nominate the following Members to serve on the Committee on Petition:-

1. Shrimat.....

Bhagwan Dass Sehagal (Laughter & Noise)

श्री बंसी लालः श्री भगवान दास गहगल Not Shrimati...

Mr. Speaker: Bhagwan Dass Sehgal is Shri and not Shrimati.

श्री मंगल सैनः यह तो बड़ी ज्यादती है। अगर कोई शक शुबह है तो बेशक मडीकल हो जाये। ..... (हंसी)..

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, मैं गलती से पहला नाम पढ़ना ही भूग गया।

The names are-

1. Shrimati Lekhwati Jain (Deputy Speaker)... Ex-Officio Chairman.

2. Shri Bhagwan Dass Sehgal.

3. Rao Dalip Singh.

4. Chrimati Lajja Rani.

5. Chaudhri Lal Singh.

GOVERNOR'S ADDRESS LAID ON THE TABLE

Mr. Speaker: In pursuance of Rule 18 of the rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly, I have to report that the Governor was pleased to address the Haryana Legislative Assembly on the 10th January, 1972 at 2.00 P.M. under ARticle 176(1) of the Constitution. A copy of the Address is laid on the Table of the House.

मित्रो,

मैं विधान सभा के इस वष्र के प्रथम अधिवेशन के अवसर पर आपका स्वागत करते हुए हष्र अनुभव कर रहा हूं और मेरी कामना है कि आपको अपने इस महत्वपूर्ण कार्य मे पूर्ण सफलता मिले।

जैसा कि आप सभी जानते है, गत वर्ष राष्ट्र की परीक्षा का वष्र था परन्तु अन्त मे हमारा देश विजयी हुआ क्योंकि वे सिद्धान्त जिन पर हम डटे हुए थे और जिनके लिए हम लड़े, बहुमूल्य और न्योयाचित थे। सशस्त्रों सेनाओं के अधिकारियों और कर्मचारियो के हम अत्याधिक ऋणी है जिनकी अनुपम वीरता और

साहस के कारण हमारी विजय हुई। सब से बड़ा बलिदान यही है कि उस व्यक्ति इसलिए अपना जीवन न्यौछावर कर दे कि अन्य व्यक्ति सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सके।

गोलाबारी का युद्ध समाप्त हो चुका है, किंतु अब भी यह स्प्ष्ट नही है कि वास्तविक शांति स्थापित हो गई है। हमे निरन्तर सावधान रहना है। कुछ भी हो, युद्ध से उत्पन्न होने वाली भयंकर समस्याओं एवं कठिनाइयेां का अब हमे सामन करना है और उन पर विजय प्राप्त करनी है। इनका एक पहलू यह है कि हमे भूतपूर्व सैनिको तथ युद्ध मे हत एवं आहत व्यक्तियों के परिवारों को पुनः बसाना है। इस संबंध मे दो मत नही हो सके कि इस दिशा मे अधिकतम सुविधाएं जुटाई जा रही है और राज्य सरकार ने ऐसे मामलों मे देय रियायतें और सुविधाओं की निम्नलिखित सीमा तक देने का निर्णय किया है। सुविधाओ मे समान्यतः 50 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। ये रियायते और सुविधाएं सीमा सुरक्षा दल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी दी गई है:—

1. हत अथवा पचास प्रतिशत से अधिक आहत सैनिकों के लिए 3,000 रू. से 7,500 रू. तक अनुग्रह अनुदान तथा शुरू मे 6 मास के लिए 100 रू. से 250 रू. मासिक तक परिवार पेंशन।

2. 20 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक आहत सैनिकों के लिए 1,500 रू. से 3,750 रू. तक अनुग्रह अनुदान तथा शुरू मे 6 मास के लिए 75 रू. से 200 रू. मासिक तक परिवार पेंशन।

3. उपर्युक्त वर्गो के सैनिकों के बच्चों को सभी स्कूलों, कालेजों और व्यवसायिक संस्थानों मे मुफ्त शिक्षा तथा 10 रू. से 250 रू. मासिक तक के वजीफे।

4. शौर्य पदकों (परमवीर चक्रण महावीर चक्र तथा वीर चक्र) के विजेताओं को 3,000 रू. से 15,000 रू. तक के नकद इनाम दिए जायेंगे। इसके अतिरिक्त उन्हे 30 वर्ष तक 300 रू. से 750 रू. तक की वार्षिकी दी जाएगी। परमवीर चक्र और महावीर चक्र विजेताओं को राज्य सरकार द्वारा भूमि भी अलाट की जाएगी।

इसके अतिरिक्त युद्ध के दौरान हानिग्रस्त नागरिकों के लिय भी सहायता मंजूर की गई । शत्रु की कार्यवाही से मृत तथा विकलांग नागरिकों के परिवारों के लिए 500 रूपये से 2000 रूपये तक के अनुग्रह अनुदान मंजूर किए गए है। सैनिक प्राधिकारियों के साथ डयूटी पर तैनात मरने वाले असैनिक ट्रक ड्राइवरों, कंडक्टरों और क्लीनरो के परिवारो को 5000 रूपये के अनुग्रह अनुदान देने का निर्णय किया गया ˙ फसलों, मकानो और पुशओं को हुए नुक्सान के लिए भी सहायता देने का निर्णय किया गया। अनुग्रह

अनुदानों के अतिरिक्त उन परिवारों के बच्चों की, जिनकी आजीविका अर्जन करने वाले मारे गए है, उच्चतर माध्यमिक स्तर तक निःशुल्क शिक्षा दी जाएगी। अनाथ बच्चों और विधवाओं को उपयुक्त संस्थाओं मे दाखिल किया जाएगा। और उनकी फीस सरकार द्वारा अदी की जाएगी।

अपात काल के दौरान प्रत्येक दिशा मे स्वैच्छिक एवं उत्साहपूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए हरियाणा की जनता विशेष धन्यवाद के पात्र है। उन्होंने सुरक्षा प्रयत्नों को बढ़ावा देने एवं जवानो के कल्याण के लिए हरियाणा प्रति रक्षा तथा सुरक्षा सहायता निधि तथा अन्य निधियों मे उदारता से अंशदान किया। अनेक स्थानों पर मुफ्त कैंटीने चलाई गई और इसके अतिरिक्त सीमाओं पर तैनात जवानों के लिए लाखों रूपये के मूल्य के उपहार एकत्रित किए गए।

राज्य मे शांति और व्यवस्था बनी रही और सारे वष्र के दौरान साम्प्रदायिक शांति और एकता कायम रही। कभी कभी श्रमिक अशांति हुईग, परन्तु विवादो का समाधान शांतिपूर्ण ढंग से कर लिया गया। 1971 मे संसद के माध्यवधि चुनाव पूर्ण शांति से सम्पन्न हुए। होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा संगठनों ने शान्ति और व्यवस्था बनाए रखने मे पुलिस को पूर्ण सहयोग दिया। पाकिस्तानी आक्रमण के दौरान नागरिक प्रतिरक्षा के कर्तव्यों को निीााने के लिए 1347 स्वयंसेवक प्रतिनियुक्त किए गए और सीमा सुरक्षा दल के लिए एक सहायक वटालियन बनाने हेतु 795 होग

गार्डो की सेवाएं प्रदान की गई। साधारणतया नागरिक सुरक्षा के लिए किए गए उपाय बहुत ऊंचे स्तर के थे और इस संबंध मे हर संभव कार्यवाही की गई। करनाल के निकट मधुबन मे हरियाणा सशस्त्र पुलिस लाइन का एक बड़ी योजना के रूप मे विकास किया जा रहा है। प्रथम चरण के अंतर्गत पुलिस लाईनो की स्थापना की जानी थी और रिहायशी क्वार्टर बनाए जाने थे इस पर 96.25 लाख रूपये खर्च होने का अनुमान था। इसमे से 80 लाख रूपये की राशि इस समय तक खर्च की जा चुकी है। पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक तथा निरीक्षक की पदवी तक के सभी अधिकारियों तथा 50 प्रतिशज अराजपत्रित कर्मचारियों के लिये रिहायशी क्वार्टर बनाए जा चुके है। बाकी के अराजपत्रित कर्मचारियोके लिए चालू वित्त वर्ष के अंत तक रिहायशी क्वार्टरों का निर्माण कर दिया जायेगा कांस्टेबलों तथा हैड कांस्टेबलों के लिये भी पर्याप्त संख्या मे परिवारिक रिहायशी क्वार्टरों का निर्माण किया जा रहा है और पुलिस कर्मचारियों के लिए बनाई गई बैरिकों मे सभी प्रकार की सुविधाएं जुटाई गई है। हरियाणा सशस्त्र पुलिस लाईन मे भर्ती प्रशिक्षण स्कूल भी खोला गया हैं एक बड़ा स्टेडियम निर्माणाधीन है और उक्त योाजना के अंतर्गत एक खुलाा थियेटर तााि तैरने के लिए एक तालाब बनाने का भी विचार हैं यह भी निर्णय किया गया है।कि एक फोरैंसिक विज्ञान प्रयोगशान, एक अंगुली छाप ब्यूरों, एक पूछताछ केंद्र तथा एक रसायन परीक्षण यूनिट की स्थापना की जाए। द्वितीय चरण के

अंतर्गत अभी तक 51.87 लाख रूपये का परिव्यय अनुमोदित किया गया है।

आर्थिक क्षेत्र मे राजय ने जो प्रगति की है, उसे बहुत शनदार कहा जा सकता है। 1971–72 को वार्षिक योजना का परिव्यय 61.38 करोड़ रूपये से बढ़ाकर 75.11 करोड़ रूपए कर दिया गया था और 1972–73 के लिए लगभग 90 करोड़ रूपए का परिव्यय निर्धारित किए जाने की सम्भावना हैं सिंचाई, बिजली, कृषि उत्पादन, सड़कों तथा परिवहन के विकास पर विशष बद दिया गया है। चौथी पंचवर्षीय योजना के पहले दो वर्षो के दौरान, राज्य की वार्षिक वृद्धि दर 16.91 प्रतिशत रही जब कि समूचे देश मे यह दर 5 प्रतिशत रही। (1960–61 के मूल्यों के आधार पर) वर्ष 169–70 मे राजय मे वास्वतिक प्रति व्यक्ति आय 440 रू थी जबकि देश मे प्रति व्यक्ति आय 339 रूपये थी। अनुमान लगाया गया है कि वष्र 1970–71 मे उक्त आय मे थोड़ी और वृद्धि हुई है।

विभिन्न पदार्थो की बिक्री पर लगाए गए करों को युक्तियुक्त बनाने और बिक्री कर तथा अन्य करों की वसूली मे पाई जाने वाली त्रटियों को दूर करने के अनेक उपाय किए गए। कराधान नीति को इस प्रकार कर बनाया गया कि इससे विकास की गतिविधियों के लिए अधिक मात्रा मे राशि प्राप्त हुई और व्यापार तथा उद्योग अथवा लोगो के कल्याण कार्यों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव भी नही पड़ा।

प्रथ अप्रैल, 1970 से जिला महेन्द्रगढ़ मे लागू किए गए सम्पूर्ण मद्यनिषेध को इस वर्ष के दौरान जारी रखा गया। अवैध ढंग से शराब निकालने को रोकने के लिए तथा इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कि मद्यनिषध लागू ने किए गए क्षेत्रो मे बिना मिलावट वाली शराब बेची जाए, अनेक उपाय किए गए।

साधनो से अधिक धन प्राप्त करने के लिए छोटी बचतों पर अकिध बल दिया गया और निःसंदेह इस शीर्ष के अधीन वष्र 1970–71 के दौरान असाधारण उपलब्धि हुई। वर्ष 1968–69 की 3.89 करेड़ रूपये तथा वर्ष 1969–70 की 6.47 करोड़ रूपए की तुलना वर्ष 1970–71 मे 25.82 करोड़ रूपए की कुल निवल वसूली हुई और इस प्रकार हरियाणा राज्य ने देश के सभी राज्यों मे दूसरा स्थान प्राप्त किया। वर्ष 1969–70 मे प्रति व्यक्ति निवेश 8.17 रूपए था जो वर्ष 1970–71 मे बढ़कर 25.90 रूपए हो गया जो कि देश मे सर्वाधिक था। इन वसूलियों के करण राज्य पहले भी भारत सरकार से 17.51 करोड़ रूपए का ऋण प्राप्त कर चुका हैं लाट्रियों की योजना बहुत संतोषजनक ढंग से चलती रही और सितम्बर, 1968 मे इसके आरम्भ से लेकर अब तक इसके अधीत 3. 50 करोड़ रूपए की निवल आय हो चुकी हैं।

कृषि उत्पादन के क्षेत्र मे राज्य वास्वतिक क्रांति की मध्यवस्था मे हैं वर्ष 1970–71 मे खद्यान्न का उत्पादन 47.33 लाख टन हो गया, जो कि अब तक के लिए एक रिकार्ड है। 1970–71 मे खद की खपत 3.51 लाख टन से भी अधिक हुई,

जबकि 1969–70 मे इसकी खपत 2.70 लाख टन थी। 1971–72 मे इसके 4.50 लाख टन तक पहुंच जाने की सम्भावना है। 1970–71 मे 9.14 लाख हैक्टेयर क्षेत्र मे खाद्यान्नो की अधिक उपज देने वाली किस्में बोई गई। 1971–72 के लिए ऐसे क्षेत्र का अनुमान 10.90 लाख हैक्टेयर है।

2.5 से 7.5 एकड़ के बीच की जोतों वाले छोटे किसानो की सहायता के लिए अम्बाला तथा गुड़गांव जिलों मे लघु कृषक विकास एजेंसियां स्थापित की गई और किसानो और भूमिहीन कृषि मजदूरों की सहायता के लिए हिसार तथा अम्बाला जिलों मे ऐसी ही परियोजनाएं आरम्भ की गई है तथा 40,0000 परिवारों को इनके अन्तर्गत लाया गया। ये परियोजनाएं अन्य बातो के साथ साथ ग्रामीण आबादी के इन वर्गो के उधार की मूलभूत आवश्यकताओं के भी पूरा करेंगीं। हिसार तथा महेन्द्रगढ़ जिलों मे शुष्क भूमि कृषि विकास के लिए दो मर्गदर्शी परियोजनाएं चलती रही। इन परियोजनाओ के अधीन भूसंरक्षण, सुखा सहन करेन वाली अल्पावधि की फसलों की बुआई तथा उर्वरीकरण की नई पद्धतियों और लघु सिंचाई के द्वारा शुष्क कृषि भूमि का विकसित किया जाता है। बहुत सस्य के प्रयोग के विस्तार के लिए जींद तथा रोहतक जिलों मे भी विश्व बैंक की सहायता से 6,000 ट्रैक्टर चालित मशीनों तथा कृषि उपकरणो की सर्विस तथ मुरम्मत की सुविधाओं मे कृषि उद्योग निगम द्वारा वृद्धि की गई। लघु सिंचाई कार्यो, जिनमे नल कूपों कम्पिंग सैटों को बिजली देना भी

सम्मिलित है, की स्थापना तथा उनके विकास की ओर अध्याकर ध्यान दिया गया। इसके परिणामस्वरूप, 1971–72 मे लघु सिंचाई के अधीन क्षेत्र के 5,89,000 हैक्टेयर तक पहुंच जाने की आशा है, जब कि 1968–69 (के आधार वर्ष) मे यह क्षेत्र 4,00,000 हैक्टेयर था। इस प्रकार यह वृद्धि 47 प्रतिशत से भी अधिक हुई । कपास की उपज बढ़ाने के लिए जिला हिसार मे सघन कपास जिला कार्यक्रम भी आरम्भ किया गया।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय मे हिसार का विकास तीव्र गति से किया जाता रहा। इसे ऐशिया का एक प्रमुख विश्वविद्यालय बनाने का लक्ष्य है। 1971–72 मे शिक्षा, अनुसंधान तथा कृषि विस्तार कार्यक्रमों के लिए 1.61 करोड़ रूपये की राशि रखी गई थी जबकि 1972–73 मे इन प्रयोजनों के लिए 2.95 करोड़ रूपए की राशि रखी जाएगी। जिला करनाल मे कौल गांव मे चलाया जा रहा कृषि महाविद्यालय भी इस विश्वविद्यालय ने सम्भाल लिया है। इस महाविद्यालय मे केवल पूर्व विश्वविद्यालय तथा बी.एस.सी. (कृषि) के प्रथम वर्ष की कक्षाएं थी और इसके बाद विद्यार्थी कृषि महाविद्यालय कहसर मे चले जाते थे। इसके अतिरिक्त यह भी निर्णय किया गया है कि कौल गांव को चावल के अनुसंधान, सब्जी की खेती की उन्नति, कुक्कुटादि के विकास तथा किसानो के परिक्षण का केन्द्र बनाया जाए। यह भी निर्णय किया गया है कि कृषि महाविद्यालय, कौल को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,

हिसार के कौल कैम्पस के रूप मे परिवर्तित कर दिया जाए, तथा 18 नवम्बर, 1971 को इस कैम्पस के आधार शिला रखी गई।

राज्य भर मे पंचायतों के आम चुनाव करवाए गए। यह आश की जाती है कि नई पंचायतें प्रभावशाली ढंग से कार्य करने तथा सामुदायिक जीवन मे सुधार लाने मे उपयोगी सिद्ध होगीं पंचायती राज संस्थानों को अपना कार्य करने मे सहायता देने के लिए ग्राम पंचात अधिनियम, 1952 मे बहुत से संशोधन किए गए। विशेषतया, राज्य सरकार ने 20 वर्ष तक की अवधि के लिए ऐसी भूमि जिसका उचित रूप से प्रबंध नही किया जाता था, अपने अधिकार मे लेने की शक्ति प्राप्त की। इससे होनै वाली आय पंचायत निधि मे जमा करवा दी जाएगी।

गुण तथा मात्रा दोनो दृष्टियों से सहकारी आन्दोलन प्रगतिशील रहां 30 जून, 1971 को समाप्त होने वाले सहकारी वर्ष के दौरान 12,622 सहकारी समितियां थी, जिनके 11.07 लाख सदरू थे और कार्यकर पूंजी 140 करोड़ रूपए थी। इस वर्ष ग्रामीण क्षेत्रों मे 25.60 करोड़ रूपए के अधार की व्यवस्था की गई, जब कि गत वर्ष यह व्यवस्था 22.02 करोड़ रूपए की थी। समितियों द्वारा (गत वर्ष के 9.25 करोड़ रूपए की तुलना मे) इस वर्ष 12.46 करोड़ रूपए के मूल्य की कृषि उपज मण्डियों मे लाई गई। नलकूप लगाने तथा ट्रैक्टर खरीदने के लिए एक विशेष विकास परियोजना विश्व बैंक द्वारा स्वीकृत की गई है। जिसके अधीर 30 करोड़ रूपए की व्यवस्था की गई है। यह स्कीम

हरियाणा राज्य सहकारी भूमि बंधक बैंक के माध्यम से कार्यान्वित की जाएगी। कृषि पुनर्वित्त निगम की सक्रिय वित्तीय सहायता से नलकूप तथा पंपिंग सैट लगाने, ट्रैक्अर खरीदने तथा अंगूरों की बलों की सघन काश्त करने के लिए बहुत सी स्कीमे आरम्भ की गई है। 1970–71 मे इस स्कीम के अधीन दीर्घावधि ऋण के रूप मे कुल 3.16 करोड़ रूपण दिए गए। हरियाणा राज्य सहकारी सप्लाई एवं विपणन संघ 56 लाख रूपए की लागत से करनाल के निकट तरावड़ी मे एक दानेदार खाद संयंत्र की स्थापना कर रहा है। इसका वार्षिक उत्पादन 30,000 टन होगा। सहकारी क्षेत्रो मे कैथल, करनाल तथा सोनीपत मे खांड के नये कारखाने स्थपित करने का प्रस्ताव है और पानीपत के खांड के सहकारी कारखाने की क्षमता को दुगुना करने का भी विचार है।

भूमि मे अधिकार रखने वालो को 'पास बुक' जारी करने की स्कीम भी प्रगति करती रही। हरियाणा राज्य किसानो की जोतो की संख्या तथा आकार संबंधी परिमाणात्मक आंकड़े तथा महत्वपूर्ण विवरण एकत्रित करने के लिए, तीसरी दस वर्षय विश्व कृषि गणना मे भाग ले रहा हैं राज्य मे गृह निर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम से लिए गए 50,000 रूपए तक के कर्जो के लिए निगम के साथ निष्पादित किए जाने वाले बंधक विलेखो पर स्टाम्प शुल्क तथापंजीकर फीस से छूट प्रकार की छूट और दो वर्षो के लिए बढ़ा दी गई। यह भी निर्णय किया गया है कि प्रत्येक जिला मुख्यालय मे एक बहु मंजिला भवन

बनाया जाए, जिसमे सभी सरकारी कार्यालय स्थित होंगे। हिसार तथा गुड़गांव मे जिला प्रशासनिक केंद्र तथा न्यायिक भवन की नींव क्रमशः 17 अक्तूबर, 1971 तथा 24 नवम्बर 1971 को रखी गई। हिसार मे जहां हिसार कृषि विश्वविद्यालय द्वारा निर्माण कार्य शुरू किया गया है, न्यायिक भवन का निर्माण जनवनी, 1973 तक और प्रशासनिक भवन का निर्माण अक्तूबन, 1973 तक पूर्ण हारे जाएगा। गुड़गांव के लिये हिसार कृषि विश्वविद्यालय ने नक्शे तैयार किए है, परन्तु निर्माण कार्य राज्य के लोक निर्माण विभाग (भवन तथा सड़क शाखा) द्वारा किया जाएगा।

देश के कमी वाले राज्यों मे फालतू खाद्यान्नों को वितरित करने के लिए तथा उत्पादको को उचित मूल्य दिलवाने के लिए मुख्य खद्यान्नों की खरीद पर्याप्त मात्रा मे बढ़ाई गई। राज्य सरकार तथा हरियाणा राज्य सहकारी पूर्ति तथा विपणन संघ द्वारा संयुक्त रूप से वर्ष 1971 के दौरान 7.09 लाख टन गेहूं खरीदी गई जबकि वर्ष 1970 मे 4.82 लाख टन गेहूं खरीदी गई थी। वर्ष 1970 की खरीफ फसल से 2.46 लाख टन चावल खरीदा गया था जबकि चालू वर्ष 1971 की खरीफ से 3 लाख टन से अधिक चावल खरीदे जाने की सम्भवना हैं राज्य मे भण्डार क्षमता बढाने के लिए भी संघन अभियान चलाया गया और 1972 के मध्य तक 1.55 लाख टन की कुल भण्डार क्षमता होने की सम्भावना है, जबकि प्रथम जनवरी, 1971 को यह क्षमता केवल 37,705 टन थी।

वर्ष 1971 मे भी स्लैक कोयले की कमी बनी रही। इसकी अकिकाधिक सप्लाई प्राप्त करने के लिए सभी संभव प्रयास किए गए और आशा है कि यह कमी धीरे धीर समाप्त हो जाएगी। आपात स्थिति के होते हुए भी अन्य आवश्यक वस्तुओं के लिए सस्ती दुकानों को क्रियाशील बनाया गया ताकि किसी भी स्थान पर इन वस्तुओं की कमी न होने पाए।

राज्य के चिरकाल से सूखाग्रस्त क्षेत्रो मे सिंचाई की सुविधाओं के विस्तार की और विशेष ध्यान दिया गया। जूई उठान सिंचाई स्कीम, जो नमम्बन, 1969 मे चालू की गई थी। न्यूनतम अवधि मे पूरी कर ली गई और सारा वर्ष शुष्क रहने वाले क्षेत्रो की सिंचाई के लिए यमुना के जल को ले जाने केलिए 100 मील से भी अधिक लम्बी जलमागों तथा 7 पंपिंग स्टेशनों का निर्माण किया गया। 4.31 करोड़ रूपए की लागत से बनाई गई लोहारू उठान स्कीम (प्रथम चरण) ने नुलाई, 1971 से जिला महेन्द्रगढ़ के मरूस्थल क्षेत्रों को सिंचाई की सुविधाएं प्रदान करनी शुरू कर दी है। अब 8.17 करोड़ की लागत वाली सियानी उठान सिंचाई स्कीम (प्रथम तथा द्वितीय चरण) तथा 6.93 करोड़ रूपए की लागत वाली लोहारू उठान सिंचाई स्कीम (द्विती चरण) का कार्य शुरू किया गया है और संभावना है कि इनसे शेष सुखाग्रस्त क्षेत्रों को भी सिंचाई की सुविधाएं उपलब्ध हो जाएगी। लोहारू नहर परियोजना (प्रथम चरण) की इंदिरा गांधी नहर के ाकर्य का 13 जनवरी, 1971 को प्रधान मंत्री द्वारा उद्घाटन किया गया। 60 मील लम्बे

जलमार्गो तााि 4 पम्प गृहों का निर्माण कार्य 6 मास की रिकार्ड अवधि मे पूरा किया गया और 28 जुलार्ठ, 1971 को श्री उमा शंकर दीक्षित, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा इंदिरा गांधी नहर को चालू करने की रस्म अदा की गई इस परियोजना से जिला महेन्द्रगढ़ के चिरकाल से सूखाग्रस्त क्षेत्रों की सिंचाई की जा सकेगी और यमूना नहर के फालतू जल और नाला संख्या 8 के बाढ़ के जल का उपयों किया जा सकेगा। 29 मील लम्बे जलमार्ग वालीा दिल्ली समानान्तर शाखा का निर्माण कार्य 4 करोड़ रूपए की लागत से पूरा हो चुका हैं इसे समर्पित करने की रस्म 30 दिसम्बर, 1971 को केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री , श्री उमा शंकर दीक्षित द्वारा सम्पन्न की गई। इस जलमार्ग से लगभग 200 क्यूसेक ऐसे जल की बचत होगी जो इस समय भूमि मे रिस कर नष्ट हो जाता है। इस जल का उपयोग वर्तमान पश्चिमी यमुना नहर प्रणाली मे जल सप्लाई को बढ़ाने के लिए किया जाएगां इससे 2 करोड़ रूपये के मुल्य की अतिरिक्त फसले पैदा होंगी। 18 मील लम्बे बरवाला संयोजक जलमार्ग (18 मील) को 1.33 करोड़ रूपए की लागत से पूरा किया गया है और इसे शीघ्र चालू कर दिया जाएगा। यह जममार्ग, जिसकी क्षमता 1725 क्यूसेक है, भाखड़ा मुख्य लाईन से सिरसा शाखा को जल की सप्लाई करेगा, ताकि इसे नरवाना शाखा करनाल लिंग को अंतरित करके गुड़गांव नहर तथा पश्चिमी यमुना नहर के क्षेत्रो मे इसका उपयोग किया जा सके। बाबल नहर प्रणाली के संबंध मे भी अन्वेषण कार्य किया जा रहा है जिससे जिला गुड़गांव और महेन्द्रगढ़ मे रिवाड़ी के समीप

के क्षेत्रों मे सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध की जाएंगी। नदियों और नालों के बहाव के संरक्षण की ओर भी विशष ध्यान दिया गयां मारकंडा नदी के बाढ़ के 80,000 एकड़ फुट पानी को इकट्ठा करने के लिए बीबीपुर झील परियोजना शुरू की जा रही है। अम्बाला जिला मे घग्गर और मारकंडा के बाढ़ के पानी को इस्तेमाल करने और हिसार जिले मे औटू झील की क्षमता को बढ़ाने के लिए भी स्कीमें प्रस्तावित है। गुड़गांव जिले मे साहिबी नदी के पानी को नियंत्रण मे लाने के लिए भी जांच कार्य हो रहा है।

पश्चिमी यमुना नहर प्रणाली के जलमार्गो मे जल सप्लाई को बढ़ाने के लिए पश्चिमी यमुना नहर वृद्धि परियोजना नाम की एक स्कीम 13.50 करोड़ रूपए की लागत से शुरू की गई हैं यह वृद्धि जगाधरी और मूनक के बीच नव निर्मित पक्के जल मार्ग के साथ साथ तीन से साढे सात क्यूसेक निस्सारणक्षमता वाले 900 से 1200 फुट गहरे नलकूप लगाकर की जाएगी। ये नलकूप देश मे लगाए जाने वाले इस किस्म के नलकूपों मे प्रथम होंगे और 1973 के अन्त तक इस स्कीम को पूरा कर लेने की संभावना है। 26 जनवारी, 1973 तक पूर्ण होने वाले प्रथम चरण से पश्चिमी यमुना नहर मे लगभग 500 क्यूसेक जल डाला जा सकेगा और रिसने से नुकसान होने वाले जल की इतनी ही मात्रा को भी बचाया जा सकेगा। इस स्कीम से लगभग 30 लाख एकड़ क्षेत्र को लाभ पहुंचेगा जो कि राज्य के कुल सिंचित क्षेत्र का आधा है। इस

समय इस क्षेत्र मे प्रत्येक किसन को जल लेने की बारी 32 से 40 दिन बाद आती है। यह स्कीम पूरी हो जाने पर यह बारी 16 दिन बाद आ जाया करेगी। रावी ब्यास जल के संबंध मे राज्य ने अपनी उचित हिस्से के संबंध मे 48 लाख एकड़ फुअ जल के लिए एक प्रबल एवं प्रलेखों पर आधारित दावा प्रस्तुत किया है और ब्यास परियोजना के पूरा हो जाने पर इसके जल से सूखाग्रस्त क्षेत्रों मे लगातार सिंचाई की जा सकेगी। लघु सिंचाई नलकूप निगम ने संतोषजनक प्रगति की है और इस मार्च 1973 तक 900 नलकूप लगाने का लक्ष्य है जिसमे नहरों मे जल सप्लाइ को बढ़ाने के लिए लगाए जाने वाले 600 नलकूप सम्मिलित है। राज्य मे नहरों द्वारा सिंचित कुल क्षेत्र वर्ष 1970–71 मे बढ़कर 14.37 लाख हैक्टेयर हो गया जबकि वर्ष 1967–68 मे यह क्षेत्र 13.72 लाख हैक्टेयर था। वर्ष 1970–71 मे नलकूपों द्वारा सिंचित क्षेत्र लगभग 56,000 हैक्टेयर था।

पिछले वर्ष शत प्रतिशत ग्रामों के विद्युतीकरण की महान उपलब्धि के पश्चात हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड ने अन्य क्षेत्रा मे बिजली सप्लाई करने के अपने प्रयत्नों को और तेज कियां गत वित्त वर्ष मे बिजली उपभोक्ताओं की संख्या 5,43,695 थी जो बढ़कर अक्तूबर, 1971 के अंत मे 5,82,706 हो गई है। बिजली की प्रति व्यक्ति खपत मई, 1967 के 46 यूनिटो से बढ़कर इस वर्ष 105 यूनिट हो गई। दैनिक बिजली खपत 50 लाख यूनिट से बढ़ गई जबकि वर्षिक बिजली खपत 1966–67 के 4400 लाख यूनिट

से बढ़कर इस वर्ष 9500 लाख यूनिट हो गई । बिजली द्वारा चलाए जाने वाले नलकूपों की संख्या मई, 1968 मे 29,000 थी जो बढ़कर अक्तूबर, 1971 के अन्त तक 93,744 हो गई। इसी प्रकार बिजली की तारो की लम्बाई मई 1968 मे 20,484 किलोमीटर थी जो इस वर्ष बढ़कर 64,000 किलोमीटर हो गई। कृषि प्रयोजनो के लिए बिजली की सप्लाई बढाने तथा इस संबंध मे सुधार लाने के लिए भी पग उठाए जा रहे है। यह भी निर्णय किया गया है कि चालू वर्ष के दौरान 1.5 लाख नए सामान्य कनैक्शन दिए जाएंगे औरऐसा करते हुए देहाती क्षेत्रों की आवश्यकताओं कौ विशेष ध्यान दिया जाएगा। देहाती क्षेत्रो मे घरों के अन्दर तारें लगाने की कठिनाई को दूर करने के लिए बोर्ड ने यह निर्णय किया है कि उक्त क्षेत्रों मे घरों के अन्दर तारें लगाने का अतिरिक्त कार्य वह स्वयं करेगा।

फरीदाबाद मे 60 मैगावाट वाला प्रथम यूनिट निर्माणाधीन है। इसके अतिरिक्त बोर्ड का एक दूसरा 60 मैगावाट वाला यूनिट निर्माण करने का विचार है। पानीपत मे 110 मैगावाट की उत्पादन क्षमता वाले दो यूनिट स्थापित करने का विचार है। बोर्ड, बदरपुर थर्मल स्टेशन, कोटा के राणा प्रताप सागर परमाणु संयंत्र तथा मध्य प्रदेश की सतपूरा बिजली परियोजना से भी बिजली स्कीम चालू करने का कार्यक्रम भी विचाराधीन है। बोर्ड ने विस्तार कार्यक्रम के लिए आवश्यक मशीनरी तथा उपस्कर का

निर्माण भी आरम्भ कर दिया है और ट्रंस्फार्मर फैक्टरी (धूलकोट) मे उत्पादन होना शुरू हो गया है।

80 लाख रूपए की अनुमानित लागत से जींद मे 50,0000 लिटर दूध की क्षमता वाला दुग्ध संयंत्र लगाया गया है और इसने 5 दिसम्बर, 1970 से काय्र करना आरम्भ कर दिया है। यह संयंत्र बहुत संतोषजनक प्रगति कर रहा है। यह संयत्र दूध से सप्रेटा दूध पूण्र दूध पाउडर मक्खन तथा धी बना रहा है और ये पदार्थ बाजार मे अत्यधिक लोकप्रिय हो गए हैं 45 लाख रूपण की अनुमानित लागत से भिवानी मे मधुरकृत संघनित दुग्ध संयंत्र स्थापित किया जा रहा है और सम्भावना हे कि यह अप्रैल 1972 के अंत तक कार्य आरम्भ कर देगा। अम्बाला शहर तथा अम्बाला छावनी को द्रव दूध की सप्लाई करने के लिए अम्बाला मे एक और दूध संयत्र निर्माणाधीन है। भारतीय डेरी निगम ने हरियाणा मे डेरी उद्योग तथा पशुधन कि विकास के लिए 3.82 करोड़ रूपए की राशि नियत की हैं इस राशि के उपयोग के लिए एक व्यापक योजना निगम को भेज दी गई है इस योजना के अधीन एक परियोजना सम्भवतः रोहतक मे दुग्ध संयंत्र स्थापित करने की होगी।

1970–71 के समान हरियाणा राज्य भारत भर से उद्यमकर्ताओं को बड़ी संख्या मे आकर्षित करता रहा और औद्योगिक विकास प्रभावशाली गति से हुआ है। औद्योगिक परियोजनाओं के लिए 1970–71 मे 101 आशय पत्र तथा अनुज्ञा

पत्र जारी किए गए थे। इसकी तुलना मे इस वर्ष दिसम्बर, 1971 की समाप्ति तक 100 आश्य पत्र तथा अनुज्ञा पत्र जारी किए जा चुके है। हरियाणा वित्त निगम ने 15 दिसम्बर 1971 तक 3.36 करोड़ रूपए के ऋण स्वीकृत किए गए थे। यह आशा की जाती है कि वित्त वष्र की समाप्ति तक 4 करोड़ रूपए से अधिक के ऋण स्वीकृत किए गए, जबकि इसकी तुलना मे वर्ष 1970–71 मे कुल 2.38 करोड़ रूपए के ऋण स्वीकृत किए जाएंगे । वष्र 1970–71 मे हरियाणा वित्त निगम द्वारा 60 यूनिटो को सहायता दी जा चुकी है। निगम ने एक नई योजना आरम्भ की जिसके अधीन अनेक परिवहन चालकों को सहायता दी गई। ग्रामीण क्षेत्रो के औद्योगिकरण पर विशेष बल दिया गया। दो सघन औद्योगिक विकास परियोजनाएं आरम्भ की जा रही हैं इसमे से एक समस्त हिसार जिले के लिए होगी तथा दूसरी अम्बाला और करनाल जिलों के छः खण्डों के लिए होगी। इन परियोजानाओं के अंतर्गत औद्योगिक विकास की सम्भावनाओं का मूल्यांकन करने के लिए क्षेत्र का व्यापक सर्वेक्षण किया जाएगा और औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन देने के लिए तकनीकी सलाह तथा उदार रियायते दी जाएगी। राज्य के सभी पिछड़े क्षेत्रो को दुर्लभ कच्चे माल के अधिक कोटे दे का भी प्रस्ताव हैं औद्योगिक विकास निगम संतोषजनक ढंग से कार्य करता रहा । एक ब्रूअरी निर्माणाधीन है तथा कांच की बोतले, शोधित चमड़े, सिगरेटो तथा स्टील बिलेट के निर्माण के लिए परियोजनाएं स्थापित करने के लिए पग उठाए जा रहे है।

राज्य सरकार द्वारा परिचालित विभिन्न औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से इंजीनियरी तथा गैर इंजीनियरी व्यवसायों का प्रशिक्षण जारी रहा । प्रशिक्षण कार्यक्रमों का पुनर्निधारण किया जा रहा है ताकि इनमे से कम उपयोगी व्यवसायो को त्याग कर रेडियो मकैनिक, ट्रैक्टर मकैनिक तथा आशुलिपि जैसे अधिक उपयोगी व्यवसायों को सम्मिलित किया जाए। इन संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्तियों को रोजगार दिलाने के लिए एक विशेष रोजगार कक्ष क्थापित किया गया है।

राज्य मे औद्योगिक संबंध मैत्रीपूर्ण रहे। पंजीकृत फैक्टरियों की संख्या 1,455 से बढ़कर 1,585 तथा पंजीकृत व्यवसाय यूनिटों की संख्या 425 से बढ़कर 450 हो गई। अखिल भारतीय खांड मजदूरी बोर्ड द्वारा उद्योग के संबंध मे की गई सिफारिशों को कार्यान्वित किया गयां कर्मचारी राज्य बीमा स्कीम के अधीन चिकित्सा सुविधाओं मे सुधार किया गया। प्रति कर्मचारी अधिकतम खच्र 50 रूपए से 54 वार्षिक तक बढ़ा दिया गया। हस्पताल मे दाखिल हुए कर्मचारियों के परिवारों के लिए प्रति कर्मचारी अधिकतम खर्च 50 रूपए से बढ़कर 64 रूपए वार्षिक कर दिया गया। इस स्कीम के अधीन जगाधरी, अम्बाला तथा हिसार मे तालिका पद्धति को समाप्त करके सेवा पद्धति आरम्भ की गई। सभी कर्मचारी राज्य बीमा औषधालयो मे आधुनिक साज सामान की व्यवस्था की गई।

रोजगार के अवसरों का अधिक अच्छा उपयोग करने के लिए 4 नए ग्रामीण मानव शक्ति यूनिट तथा 2 नए नगर रोजगार कार्यालय खोले गए। उपयुक्त भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों का इंटरव्यू करने तथा उनकी तालिका तैयार करने के लिए एक राज्य प्रवरण समिति बनाई गई। इस समिति के अनुदेशो के अधीन चुने गए उम्मीदवारों को सभी विभागों के आरक्षित पदों पर परीक्षाणार्थ नियुक्त किया जाएगा। यह राज्य सरकार द्वारा उठाया गया एक मार्गदर्शक पग है जिससे भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियो को रोजगार प्राप्त करने मे बहुत सहायता मिलेगी।

यात्री सड़क परिवहन के राष्ट्रीकरण की नीति के अनुसार राज्य मे कुल यात्रा मीलो के 90 प्रतिशत भाग का पहले ही राष्ट्रीयकरण किया जा चुका है। चालू वित्त वर्ष के अन्त तक शेष यात्रा का राष्ट्रीयकरण किए जाने की संभावना है। 31 मार्च, 1971 को बसों की संख्या 1,048 थी जो बढ़कर 1,171 हो गई है। वित्त वर्ष के समाप्त होने से पहले बसों की संख्या 1,300 हो जाने की संभावना है राज्य परिवहन की बसें प्रतिदिन लगभग 2.51 लाख किलोमीटर चलती है और 2.10 लाख व्यक्ति प्रतिदिन इनमे यात्रा करते है ंवर्ष 1970–71 के दौरान इनसे होने वाला निवल लाभ 2 करोड़ रूपए था जबकि वर्ष 1971–72 के पहले आठ महीनो के दौरान यह लाभ ढेढ़ करोड़ रूपए से भी अधिक हो गया है। परिवहन कामगारों को और अधिक प्रोत्साहन देने के लिए अनुग्रह अनुदान की राशि उनके कुल वेतन के 4 प्रतिशत से बढ़ाकर 12

प्रतिशत कर दी गई। करनाल बस अड्डे पर एक रेस्तरां खोला गयाा है और इसी प्रकार के रेस्तरां अन्य बस अड्डो पर भी खोलने का विचार है।

हिसार तथा करनाल के विमानन क्लब प्रशंसनीय प्रगति करते रहे। विद्यार्थी प्रशिक्षणार्थियों के लिए विशेष रियायती दरो पर उड़ान प्रशिक्षण की मंजूरी दी गई और 10 महिला प्रशिक्षणार्थियों के दल के लिए वजीफे सहित निःशुल्क उड़ान प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई। सिविल उड़ान कार्यो की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कालका मे एक नए हवाई अड्डे का निर्माण किया जाएगां हिसार तथा करनाल के हवाई अड्डो मे पक्की हवाई पट्टियां बनाई जाएगी। कृषि फसलों को कीड़े मकौड़ो से बचाने के लिए, हवाई जहाज से फसलों पर दवाई छिड़कने की स्कीम चालू की की गई है, जो कृषि विमानन बोर्ड द्वारा चलाई जाएगी। बोर्ड को दो हैलीकप्टर और दो हवाई जहाज दिए जा रहे है, जो आगामी वर्ष मे 3 लाख एकड़ भूमि पर दवाई छिड़केंगे।

राज्य सरकार सड़क निर्माण के कार्यक्रम पर निरंतर विशेष बल दे रही है। 26 जनवरी, 1973 तक सभी गांवों को पक्की सड़कों से मिलाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिये वर्ष 1969–70 तथा 1970–71 के कार्यक्रमों के लिए नियत लक्ष्यों से भी अधिक कार्य हुआ है। चालू वर्ष के दौरान 31 दिसम्बर, 1971 तक 1700 किलोमीटर लम्बी सड़कें बनाई गई है और संभावना है कि मार्च, 1972 के अंत तक यह संख्या 2500 किलोमीटर लम्बी सड़के

बनाई गई है और संभावना है कि मार्च, 1972 के अंत तक यह संख्या 2500 किलोमीटर हो जाएगी। दिसम्बर 1971 के अंत तक राज्य मे सड़कों की कुल लम्बाई 10700 किलोमीटर थी और 2900 से अधिक गांवों को पक्की सड़कों से मिला दिया गया था। नई सड़को के निर्माण के साथ साथ वर्तमान सड़कों को सुधार भी किया गया है, सुधार कार्य मे गुड़गांव तथा जयपुर के बीच के राष्ट्रीय राजमार्ग तथा अग्रोहा से डबवाली तक के दिल्ली हिसार सुलेमानकी राजमार्ग को चौड़ा करना भी शामिल है। अम्बाला से कैथल तक (बरास्ता पेहवा) तथा कैथल से हिसार तक के राज्य मार्ग भी चौड़े किए गएं चालू वित्त वर्ष के दौरान एक महत्वपूर्ण उपलब्धि पंचकूला तथा शाहबाद के बीच के राज्य मार्ग का निर्माण पूरा कर लेना है, जिस पर 2 करोड़ रूपये का खर्च आया। इस राज्य मार्ग से नारायणगढ़ तथा कालका तहसील के पिछड़े क्षेत्र तक हरियाणा के शेष भागों की पहुचं संभव हो गई है। परियोजना के अधीन 58.7 किलोमीटर लम्बी सड़क का निर्माण बहुत ही तेज गति से किया गया तथा 1970 की मानसून की समाप्ति पर आरम्भ किये गये 14 बड़े पुलों तथा 124 पुलियों के निर्माण संबंधी कार्य को आगामी वर्षाकाल से पहले ही पूरा कर दिया गया। इसमे सब सै बड़ा पुल (1,000 फुट) घग्गर नदी पर बनाया जाना था जिसे 7 मास की आश्चर्यजनक अल्पावधि मे ही पूरा कर लिया गया। इस परियोजना की आधार शिलाा, राज्यपाल, हरियाणा द्वारा 17 जनवरी 1971 को रखी गई थी और इसका औपचारिक रूप से उद्घाटन 7 अक्तूबर, 1971 को भारत के प्रधान

मंत्री द्वारा किया गया। एक अन्य विशिष्ट परियोजना हिसार नगर मे से गुजरने वाले राष्ट्रीय मार्ग पर उपरि रेलवे पुल के निर्माण की है। इस समय यहां यातायात मे बहुत ही गंभीर कठिनाई रहती है। 25 लाख रूपये की अनुमानित लागत के इस पुल की स्वीकृति दे दी गई है और इस परियोजना पर कार्य भी आरम्भ कर दिया गया है।

सड़क निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत विपणन समितियो का अंशदान 1970–71 के 87 लाख रूपए की तुलना मे चालू वित्त वर्ष के दौरान 300 लाख रूपययये तक बढ़ गया। वस्तुतः यह राशि 500 किलोमीटर लम्बी सड़कों के निर्माण के लिए पर्याप्त रहेगी।

सभी स्तरो पर शिक्षा सुविधाओं मे विस्तार करने की ओर भी उचित ध्यान दिया जाता रहा । 1971–72 के दौरान 300 नये प्राइमरी स्कूल खोले गए तथा 100 प्राइमरी तथा मिडल स्कूलों का दर्जा बढ़ा दिया गया। भिवानी तिा फरीदाबाद मे दो नये डिग्री कोलेज खोले गए। महेन्द्रगढ़ के एक प्राइवेट कोलेज को सरकार ने अपने अधिकार मे ले लिया। निर्धन परिवारों के मेधावी बालाके को अनेकानेक छात्रवृत्तियां प्रदान की गई। प्राइमरी स्कूलों के स्तर मे सुधार लाने के लिए प्रशिक्षित स्नातकों को प्राइमरी स्कूलों के मुख्याध्यापक नियुक्त किया जा रहा है और अब तक ऐसी 500 नियुक्तियां की जा चुकी हैं कम से कम 5 वर्ष के अध्यापन कार्य के अनुभव वाले प्रशिक्षित स्नातक मिडल स्कूल के मुख्याध्यापक नियुक्त किये जा रहे है। पुस्तकालयों के विकास की ओर भी ध्यान

दिया जा रहा है और आगामी वर्ष के अंत तक राज्य मे प्रत्येक जिले मे एक पुस्तकालय होगा। राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए 32 स्कूलों मे तेलूगू का अध्ययन तृतीय भाषा के रूप मे आरम्भ कर दिया गया है। आगामी वर्षो मे और अधिक स्कूलों मे भी उक्त व्यवस्था कर दी जायेगी।

चालू वित्त वर्ष के दौरान 9 एलोपैथिक तथा 10 आयुर्वैदिक औषधालय खोले गये है। कुल 32 जिला तथा तहसील स्तरी हस्पतालो मे से 23 हस्पतालो का आधुनिक डिजाइन के अनुसार पुनर्निर्माण आरम्भ किया गया है। इनमे से 4 भवन जिला स्तरीय हस्पतालो तथा 19 भवन तहसील स्तरीय हस्पतालों के है। पुरूष डाक्टरों की कोई कमी नही है और महिला डाक्टरों की कमी को शनैः शनैः दूर किया जा रहा है। प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मे एक्सरे तथा प्रयोगशालो सुविधाओं की व्यवसाि की गई। मैडिकल कालेज, रोहतक को देश की एक प्रमूख मैडिकल संस्था के रूप मे विकसित करने का कार्य प्रारम्भ किया गया । चालू वित्त वर्ष के दौरान इस कालेज की एम.बी.बी.एस. कक्षा मे छात्रो की संख्या 125 बढ़ाकर 150 कर दी गई है। चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के दौरान मैडिकल कालेज, रोहतक मे 225 बिस्तर बढाने का प्रस्ताव है और 192 विस्तरो का एक वार्ड निर्माणाधीन है, जिसे 1972–73 के अन्त तक पूरा कर लेने की सम्भावना है। मैडिकल कालेज हस्पताल मे एक मनोविकार विज्ञान कक्ष खोला गया है। और वहां पर 33 बिस्तरों का एक प्रेक्षण वार्ड निर्माणाधीन है।

चतुर्थ योजना के अन्त तक मैडिकल कालेज, रोहतक की कुल बिस्तर संख्या 1000 हो जायेगी। चालू वित्त वर्ष के दौरान एक करोंड़ रूपए की लागत के कार्यो की स्वीकृति दी गई है। जिनसे कोले की वर्तमान शैक्षिक, शोध तथा मैडिकल सेवाओं मे सुधार हेतु औषध विज्ञान मे –क और यूनिट बढ़ाने का प्रस्ताव है। के अन्त तक ऐसे ग्रामों की संख्या

परिवार नियोजन कार्यक्रम की क्रियान्विति अत्याधिक सन्तोषजनक रही। 1961–71 दशक के दौरान राज्य मे जन संख्या वृद्धि की दर 33.79 प्रति हजार से घट कर 31.36 प्रति हजार रह गई, परन्तु कमी की यह दर केवल पश्चिमी बंगाल से ही कम है। स्कूलों मे परिवार नियोजन शिक्षा आरम्भ की गई। गुड़गांव तथा जींद जिलों मे एक विशिष्ट अभियान चलाया गया और 10,000 आपरेशनों के लक्ष्य की तुलना मे नियत तिथि से पूर्व 9,000 नसबन्दी/नलबन्दी आपरेशन के लक्ष्य किए जा चुके थे। 1971 के अन्त तक नसबन्दी/नलबन्दी कार्यक्रम के संबंध मे लक्ष्य 90 प्रतिशत तक और रम्परागत गर्भनिरोध कार्यक्रम के संबंध मे लक्ष्य 125.5 प्रतिशत तक प्राप्त कर लिए गए। सितम्बर, 1971 मे इन कार्यक्रमों के संबंध मे हरियाणा राज्य देश भर मे दूसरे दर्जे पर रहा ।

पेय जल की व्यवस्था संबंधी कार्यम जोर शोर से जारी रहा । ग्राम पेय–जल सप्लाई स्कीम के अधीन 1970–71 के अन्त तक ऐसे ग्रामो की संख्या 404 तक पहूंच गई जिन्हे पेय जल की

सुविधा प्रदान की गई। दिसम्बर 1971 के अंत तक इस स्कीम के अंतर्गत 51 और गांव आ गए तथा वित्त वष्र के अंत तक इसमे 49 और गांव आ जांएगे। 5 अन्य नगरों म`जल सप्लाई की अंशतः व्यवस्था की जाएगी तथा 3 अतिरिक्त नगरो के लिए अशतः मल–निकास सुविधा प्रदान की जाएगी।

नगरपालिकाओं को सहायता देने के लिए शहरी विकास कार्य हेतु सहायता अनुदान के रूप मे 20 लाख रूपये की व्यवस्था की गई। लघु विकास स्कीमों के लिए विभिन्न नगरपालिकाओं को कुल 10 लाख रूपये का ऋण भी दिया गया है। चालू वित्त वर्ष के दौरान जल सप्लाई तथा मल निकास स्कीमो के लिए जीवन बीमा निगम ने 159.57 लाख रूपये के के ऋण की स्वीकृति दी। यह कुद खर्च का 66 प्रतिशत होगा जबकि शेष राशि राज्य सरकार (29 प्रतिशत) तथा नगरपालिकाओं (5 प्रतिशत) द्वारा दी जाएगी। जल सप्लाई स्कीमों के लिए वित्त की व्यवस्था करने की इस पद्धति के अनुसार आगामी 2 वर्षो के दौरान 65 नगरो के लिए जल सप्लाई व्यवस्था तगि आगामी 4 अथवा 5 वर्षो के दौरान मल निकास व्यवसगि कर ली जाएगी। राजस्व अर्जक स्कीमें चालू करने के लिए नगरपालिकाओं को 55,000 रूपये दिए गए। अग्नि प्रशमन सेवाओं के विस्तार एवं सुधार संबंधी कार्यवाही की गई और इस प्रयोजन के लिए 5,60,000 रूपये की स्वीकृति भी दी गई। 1971–72 के दौरान कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड को 30 लाख रूपये की सहायता अनुदान देने की व्यवस्था की गई। फरीदाबाद तथा

बल्लभगढ़ क्षेत्रों मे विकास कार्य की गति को तीव्र करने के लिए फरीदाबाद टाऊनशिप, पुराने फरीदाबाद तथा बल्लीागढ़ नगरपालिकाओं एवं 16 ग्राम पंचायतो ंको एक ही फरीदाबाद सम्मिश्र प्रशासन के अधीन लाया जाएगा। राज्य मे विकास स्कीमों के लिए विभिन्न सुधार न्यासों को 20 लाख रूपये का ऋण दिया गया।

एक आवास बोर्ड का गठन किया गया है तथा समाज के निर्बल वर्गो के लिए फरीदाबाद मे 500 घरों का निर्माण आरम्भ कर दिया गया है। भारतीय आवास तथा शहरी विकास निगम से 24 लाख रूपये का ऋण प्राप्त किया गया और इसी प्रकार राज्य सरकार से 35 लाख रूपये प्राप्त किए गए। बोर्ड द्वारा फरीदाबाद मे ऐसे 500 और घरोकं के निर्माण का प्रस्ताव है।

समाज के निर्बल वर्गो, निशेषतः बच्चों तथा महिलाओं के कल्याण की ओर विशष ध्यान दिया जाता रहां सामाजिक, आर्थिक तथा शारीरिक तौर पर अक्षम व्यक्तियों एवं वृद्ध तथा अशक्त व्यक्तियों को सहायता प्रदान करने के लिए विभिन्न स्कीमे क्रियान्वित की जा रही है। बच्चों मे पोषाहार की कमी को दूर करने के लिए 13 नगरों की गंदी बस्तियों मे पोषाहार कार्यक्रम आरम्भ किया गया। आगामी वर्ष के दौरान और 20,000 बच्चे इस कार्यक्रम के अन्तर्गत लाने का प्रस्ताव है। भिक्षा मांगने की कुप्रवृति को दूर करने के लिए एक भिक्षा रोधी अधिनियम बनाया गया तथा इसको लागू करने से संबंधित कार्यवाही की जा रही हैं

अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्गो के लिए विभिन्न कल्याण स्कीमों, तथा शिक्षा के लिए छा़वृत्तियों, कृषि भूमि की खरीद के लिए ऋणों, कृषि उपस्करों तथा भवनों और कुओ के निर्माण के लिए उपदानो पर आगामी वर्ष मे 135 लाख रूपये खर्च करने का प्रस्ताव है। श्रेणी 3 और श्रेणी 4 के पदो पर प्रवरता एवं योग्यता के आधार पर की जाने वाली पदोन्नतियों के संबंध मे भी उनके लिए पद आरक्षित रखे गए। समस्त प्राप्य निष्क्रान्त ीाूमि, अनुसूचित जातियों को ही नीलाम किए जाने के लिए आरक्षित कर दी गई हरिजन कल्याण निगम ने विभिन्न व्यापार तथा व्यवसाय आरम्भ करने के लिए अनुसूचित जातियों के सदस्यो को लगभग 34 लाख रूपये के ऋण दिए।

वर्ष 1971 के दौरान अत्यधिक वर्षा हुई, जिसके कारण करनाल रोहतक तथा गुड़गांव जिलों मे भारी बाढ़े आई। बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रो को सहायता प्रदान दिये गये तथा 27.27 लाख रूपये के मूल बजट अनुदान के अतिरिक्त 21 लाख रूपये की राशि तकावी ऋणों हेतु स्वीकृत की गई। कच्चे घरौं की मुरम्मत के लिए अनुदान की राशि 150 रूपये से बढ़ाकर 300 रूपये कर दी गई तथा तकावी ऋणों की वसूली स्थगित कर दी गई। बाढ़ नियंत्रण जल निकास तथा सेम रोधी स्कीमों के लिए 80 करोड़ रूपये की लागत के ास्टर प्लान के भाग के रूप मे भविष्य मे बाढ़ो की रोकथाम के लिए आवश्यक पग उठाए गए। जल निकास स्कीमें तथा नदी सुरक्षा कार्य आरम्भ किए गए तथा अधिकांश बांधों,

पुश्तों तथा पर्वत स्कन्धों संबंधी कार्य आरंभ यिका गया। जिला गुड़गांव मे लंडोहा नाले की बाढ़ो से नूह तथा फिरोजपुर डिरका तहसीलो मे पर्याप्त हानि हुआ करती थी। इन बाढ़ो के हानिकर प्रभाव को दूर करने के लिए 71 लाख रूपये की लागत से राओली तथा कनमेडा बांध बनाये गए है। इन बांधों के निर्माण से लंडोहा नाले का लगभग 40,000 एकड़ फुट पानी इकट्ठा किया जा सकता है और सिंचाई के लिए धीरे धीरे छोडक्ष जा सकता हैं जिला गुड़गांव मे कोटला गांव के निकट 5,000 एकड़ भूमि बहुत वर्षो से पानी मे डूबी हुई थी। कोटला झील मे 60,0000 एकड़ फुट पानी इकट्ठा करने के लिए सरकार द्वारा 1.65 करोड़ रूपये की लागकत से एक सिंचाई एवं बाढ़ योजना अनुमोदित की गई। इस स्कीम का पहला चरण पूरा हो चुका है और पम्प घर 22 अक्तूबर 1971 को स्वास्थ्य मंत्री द्वारा चालू किया गया है। इस पम्प घर का प्रयोग वर्तमान कोटला झील से, जो 9 वर्ग मील से अधिक क्षेत्र घेरे हुए है। पानी निकालने के लिए किया जाएगा। पानी इकट्ठा करने के लिए कोटला झील के चारो तरफ एक बांध बनाया जाएगा और अच्छी वर्षा के पानी से तथा लंडोहा नाले के पानी से भरा जाएगा। कम वर्षा वाले सालो के दौरान इसे यमुना नदी के उस पानी को इकट्ठा करने के लिए प्रयोग मे लाया जाएगा जोकि ओखला के स्थान पर व्यर्थ चला जाता है। बाद मे रबी फसल की सिंचाई के लिए इस पानी को पम्पों द्वारा गुड़गांव नहर मे डाला जाएगा। इस सकीम से करोड़ो रूपये की बाढ़ क्षति को रोकने मे सहायता मिलेगी और इससे कोटला झील का लगभग

5,000 एकड़ क्षेत्र भी एकल फसल सिंचाई के अधीन आ सकेगा। जब परियोजना का दूसरा चरण पूरा हो जाएगा तब इकट्ठे किए गए पानी से लगभग 50,000 एकड़ क्षेत्र सिंचाई हो सकेगी जिससे प्रति वर्ष 2 करोड़ रूपये की अतिरिक्त उपज होगी।

सरकारी कर्मचारियों के अधिक कल्याण और उनका सहयोग प्राप्त करने के लिए राज्य मे एक संयुक्त सलाहकार समिति बनाने का नर्णय किया गया है। इस स्कीम मे राज्य स्तर पर राज्य परिषद् तथा विभागीय स्तरो पर विभागीय परिषदो की व्यवस्था है। प्रथम तथा द्वितीय श्रेणी की सेवाओं के कर्मचारियो और पुलिस, सिविल सुरक्षा, होम गार्ड तथा जेल विभागों के कर्मचारियों के अतिरिक्त राज्य के सभी नियमित सिविल कर्मचारी इन परिषदो के अन्तर्गत आ जाएगें। किरायों मे वृद्ध को देखते हुए विभिन्न नगरो मे सरकार कर्मचारियो के मकान किराया भत्ते मे ढाई प्रतिशत से 5 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है।

गत वर्ष पर्यटन को दिया गया महत्व इस तथ्य से स्पष्ट हो जाता है कि चौथी योजना के पहले वर्ष का 2.62 लाख रूपये का बजट उपबंध चालू वित वर्ष के दौरान बढ़कर 39 लाख रूपये हो गया। वास्तव मे विभिन्न कार्यो की प्रगति इतनी तेज है कि खर्च के बजट उपबंध से बढ़ जाने की सम्भावना है। यद्यपि विदेशी पर्यटकों के लिये सुविधाएं जुटाने से विदेशी मुद्रा कमाने के महत्व को कम नही किया जा सकता, फिर भी सकरार ने घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी विशष पए उठाये है।

प्रत्येक जिला मुख्यालय के निकट एक ऐसे स्थान की व्यवस्था करने की योजना है, जो कि स्थानीय निवासियों के लिये आमोद प्रमोद स्थल का काम दे सके। इस संबंध मे पिंजौर बाग का उल्लेख किया जा सकता है। जिसमे न केवल चंडीगढ़ से अपितु पंचकूला और कालका से भी पर्यटक आते है। यह बाग बहुत पुराना है, परन्तु अतिरिक्त सुविधाएं जुटाने तथा बाग को अधिक सुन्दर बनाने के लिये हाल ही मे बहुत सी स्कीमें तैयार की गई हैं बाग के परिसर मे बच्चों के लिये एक बड़े पार्क का विकास किया जा रहा है। और इसमे कुछ पशुओं तथा पक्षियों को इकट्ठा करके एक छोटा चिड़ियाघर स्थापित करने के लिये विशेष रूप से बच्चों के लिये अतिरिक्त आकर्षध सिद्ध होगा। अधिक फव्वारे लगाये जा रहे है और जलमार्गों मे टाइलो लगाई जा रही है गाद हटाने का कार्य भी आरम्भ किया गया है ताकि इन जलमार्गो मे स्वच्छ पानी बहता रहे। मुख्य द्वार पर एक खुला स्वयंसेवा जल पान गृह तथा जल महल पर एक खुला जल पान गृह चालू किया गया है और ये बहुत लोकप्रिय सिद्ध हुए है। करनाल नगर और नीलोखेड़ी की जनता को मनोरंजन सुविधाएं जुटाने के लिये उचाना मे एक झील का विकास किया जा रहा हैं। वहां 9 सैटो के एक पर्यटक बंगले का निर्माण पूरा होने वाला है और एक रेस्तरां पहले ही खेला जा चुका है। दिल्ली से शिमला या अमृतसर की यात्रा करने वारले पर्यटकों के लिये यह स्थान एक परम्परागत विश्राम स्थल का काम देगा । इसी प्रकार जिला गुड़गांव मे बड़खल, सोहना तथा सूरज कुंड का विकास किया जा रहा है।

इसका उद्देश्य गुड़गांव तथा फरीदाबाद के निवासियों को ही मनोरंजन सुविधाए प्रदान करना भी है। एक पर्यटक बंगला और विश्राम गृह निर्माणाधीन है और ये निर्माण कार्य चालू वित वर्ष के दौरान पूरे हो जाएगें। नौका विहार तथा मछली पकडने जैसी अन्य सुविधाएं पहले से ही उपलब्ध है। पिपली मे भी एक रेस्तरों तथा एक जलपान गृह के अतिरिक्त एक मोटल का निर्माण पूरा होने वाला है। राष्ट्रीय राजमार्गो के विभिन्न स्थानों पर शिविर स्थलों को स्थापित किया जाएगा। गुड़गांव से कुछ मील दूर सुल्तानपुर झील पर पक्षा शरण स्थल की एक महत्वपूर्ण परियोजना पूरी होने वाली है। विभिन्न प्रसिद्ध अन्तर्राष्ट्रीय पक्षी शस्त्रियों का मत हे कि इस स्थान पर प्रवासी प्रक्षी अधिक संख्या मे मिलते है ओर यह स्थान विश्व मे वियाना के पश्चात् राष्ट्र की राजधानी के निकट द्वितीय प्रमुख पक्षी शरण स्थल है। एक विश्राम गृह पहले से ही निर्माणाधीन है और पक्षी रक्षकों के लिए अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है।

खेलकूद को प्रोत्साहन देने की ओर भी उचित ध्यान दिया गया। तीस खेलकूद प्रशिक्षण कैम्पों का आयोजन किया गया जिनमे 650 लड़कों और लड़कियों ने भाग लिया। 90 विषिष्ट पुरूष खिलाड़ियों तथा महिला खिलाड़ियों को खंलकूद छात्रवृतियां प्रदान की गई। जिला रोहतक मे राई के स्थान पर एक खेल कूद कालेज स्थापित करने का प्रस्ताव है, जहां विद्यार्थियो मे से चुने

गए विशिष्ट पुरूष खिलाड़ियों को अगले शिक्षा एवं निःशुल्क शिक्षा दी जाएगी।

राज्य की विकास गतिविधियों से जनता को परिचित रखने के लिए लोक सम्पर्क विभाग द्वारास विभिन्न श्रव्य दृश्य साधनों का अधिकाधिक उपयोग किया जाता रहा । विभाग द्वारा वर्ष के दौरान 8 वृत चित्र तथा समाचार दर्शन चित्र तैयार किए गए जिनका व्यापक रूप से प्रदर्शन कियागया। वर्तमान 10 सूचना केन्द्रो के अतिरिक्त 10 और सूचना केन्द्र स्थापित किए गए। इन केन्द्रो से जन हित संबंधी सूचनाओं का और भी अधिक अच्छा प्रचार किया जा सकेगा।

इससे स्पष्ट हो जाता है कि वर्ष के दौरान राज्य द्वारा किया गया समस्त कार्य ऐसा रहा कि प्रशासन उचित रूप से इस पर गर्व कर सकता है। यही उपलब्धि जनता के पूरे समर्थन तथा सहयोग से ही सम्भव हो सकी जिसके लिएराज्य सरकार अत्याधिक कृतज्ञ है। सरकार भविष्य मे इस कार्य स्तर को बनाए रखने के लिए और, यदि सम्भव हो सका, तो बेहतर बनाने के लिए भी दृढ़ संकल्प है।

अब आप ऐसे कार्य मे व्यस्त होंगे जिसमे आगामी वर्ष के बजट प्रस्ताव भी शामिल है। मुझे पूर्ण आशा है कि आप द्वारा किया जाने वाला विचार विमर्श राज्य के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगा।

जय हिन्द''

Mr. Speaker: Now the Secretary will make an announcement.

ANNOUNCEMENT BY THE SECRETARY

Secretary: Sir, I beg to lay on the Table of the House a Statement showing the Bills which were passed by the Haryana Legislative Assembly during its sitting held on the 22nd November, 1971 ion the last Session and which have since been assented to by the Governor.

STATEMENT

1. The Punjab Entertainments Duty (Haryana Second Amendment) Bill, 1971.
2. The Punjab General Sales Tax Duty (Haryana Second Amendment) Bill, 1971.
3. The Indian Stamp Duty (Haryana Amendment) Bill, 1971.
4. The Punjab Courts (Haryana Amendment) Bill, 1971.
5. The Punjab Wild Life Preservation (Haryana Amendment) Bill, 1971.

First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: I have to report the time-table fixed by the Business Advisory committee in regard to various business.

The Committee met in the Chamber of the Speaker, on Monday, the 10th January, 1972, at 2.45 P.M.

The Committee, after some discussion, recommended that the business from the 11th January 1972 and onwards be transacted as follows:-

1. On the 11th January, 1972 the House shall meet at 9.30 A.M. and the business shall be transacted as follows-

2. Obituary References.

3. Motion under Rule 30.

4. Papers to be laid on the Table.

5. Presentation of Supplementary Estimates (Second Installment) 1971-72 and the Report of the Committee on estimates thereon.

6. Discussion and voting on Governor's Address.

1. It was also decided that there shall be no Question Hour on the 11th January, 1972.

2. On the 12th January, 1972 the House shall meet at 9.30 A.M. and the business shall be as follows-

    Speech of Finance Minister and presentation of Budget Estimates 1972-73

3. On the 13th January, 1972 there shall be two sittings and the business shall be transacted as follows

    1st Sitting (9.30 A.M.)-General Discussion on Budget.

2nd Sitting (2.00 P.M.)-General Discussion on Budget.

4. On the 14th January, 1972 the Assembly shall meet at 9.30 A.M. to hold discussion on Demands for Grants on Budget Estimates 1972-73 and voting thereon.

(15th January, 1972: OFF DAY)

(16th January, 1972: HOLIDAY)

5. On the 17th January, 1972 the Assembly shall meet at 2.00 P.M. to transact the following business: -

1. Appropriation Bill on the Budget Estimates 1972-73

2. Legislative Business.

6. On the 18th January, 1972 The Assembly shall hold two sittings and the business shall be transacted as follows:-

1st Sitting (9.30 A.M.) -Discussion and Voting on Supplementary Estimates 1971-72.

2nd Sitting (2.00 P.M.) 1. Appropriation Bill on Supplementary Estimates 1971-72.

2. Legislative Business.

3. Official Resolution.

Finance Minister: (Shrimati Om Prabha Jain): I beg to move-

That this house agrees with the recommendations contained tin the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: Motion moved-

That this house agrees with the recommendations contained tin the First Report of the Business Advisory Committee.

श्री फतेह चन्द विजः स्पीकर साहब, सारे सैशन मे एक ही दिन तो नान आफिशियल डे था और उसे भी अब ये कैंसल करने जा रहे है।

श्री अध्यक्षः यह तो बिजनैस एडवाइजरी कमेटी का फैसला है।

चौधरी प्रताप सिंह दौलतपुरः फैसला तो है लेकिन हमने तो इसको अपोज किया था।

Mr. Speaker: Motion has been moved. Nothing can be done now.

श्री फतेह चन्द विजः स्पीकर साहब, सारे सैशन मे एक ही तो नान आफिशियल दिन था, या तो यह सैशन महीने डेढ महीने का होता, फिर ठीक था इसलिये हमारी यह रिक्वैस्ट है कि इसे आफिशियल डे न बनाया जाये। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः क्वैश्चन पुट होने के बाद नही बोल सकते, माशन मूव होने के बाद बोल सकते है।

श्री फतेह चन्द विजः यह एक दिन कैंसल नही होना चाहिए। इसे दोबारा कंसिडस कर लेना चाहिए।

Mr. Speaker: (Pointing to the Chief Minister) Would you like to say something?

श्री बंसी लालः यह तो जरूर ही अफिशियल होगा, वोटिंग करा लो।

Mr. Speaker: The only thing that can be done now is to move an amendment that the report be referred back to the Committee, nothing else.

श्री बंसी लालः अगर अमैंडमैंट हो तो ले आये, अमैंडमेंट पर भी वोटिंग करा लेते।

श्री सत्य नारायण सिंगोलः अगर हमारी रिक्वैस्ट से ही यह मोशन विदड्रा हो जाये तो अमैंडमैंट की जरूरत ही नही रहती।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, बात यह है कि यह नान आफिशियल डे तो आफिशियल डे मे कंवर्ट होंगा हीं अपोजीशन वाले अमैंडमैंट दे तो वोटिंग करा लेंगे, नही तो हमारी मोशन पर वोटिंग करा लो।

Mr. Speaker: Question is—

That this Hose agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

The motion was carried

MOTION UNDER RULE 30

Chief Minister (Sh. Bansi Lal): I beg to move-

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, the 13the January, 1972.

Mr. Speaker: Motion moved-

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, the 13the January, 1972.

श्री सत्य नारायण सिंगोलः स्पीकर साहब, मेरी अर्ज यह है कि मैंने एक नान आफिशियल रैजोल्यूशन दिया हुआ है जोकि एजुकेशन के बारे मे है। शहरों के अन्दर भी इन्होंने कई ऐसे शहर छोड़े हुए है जहां पर कि इनकी नीयत साफ नही है। इसके बावजूद देहातो के अन्दर एजुकेशन का जो सिलसिला है वह बहुत कम है।

Mr. Speaker: A request was made earlier also.

श्री बंसी लालः आन ए प्वांयट आफ आर्डर, सर। क्या आनरेबल मैंबर इस मौके पर स्पीच दे सकता है?

Mr. Speaker: No. I told him, he could only make a request.

श्री सत्य नारायण सिंगोलः मै तो स्पीच नही दे रहा हूं, मै तो सिर्फ बता रहा हूं कि मैंने एक रैजौल्यूशन रखा हुआ है कि देहातों के अन्दर गवर्नमैंट की तरफ से एजुकेशन का कोई प्रबंध नही है। यदि कोई प्राइवेट आदमी वहां स्कूल चलाये जो जो सहायता उसे मिलनी चाहिए, वह सरकार नही दे रही है। इसी लिये मैंने एक रेजोल्यूशन रखा हुआ है। मेरी प्रार्थना है कि नान आफिशिनल डे वैसे ही रहना चाहिए।

Mr. Speaker: The Motion has already decided. Therefore, really, you should not question it now.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरा सबमिशन इस मोशन के बारे मे हैं। जैसा आपने कहा कि वह बाकायदा एक मोशन थी और उस समय अपरच्युनिटी थी अपनी आत कहने की। लेकिन यह तो दूसरी मोशन है। अब आप दूसरी मोशन पर भी यह बात कहे कि डिसीजन ले लिया गया। स्पीकर साहब, इस संबंध मे मेरा यह निवेदन है कि आप इस पर पुनर्विचार करे। मुख्य मंत्री जी के साथ इस समय लोग ज्यादा है लेकन मेरा तो यही कहना है कि आप अहंकार मे न आओ। कभी हमारे साथ भी ज्यादा लोग हो सकते है.....

श्री बनारसी दास गुप्तः स्पीकर साहब, मेरा निवेदन यह है कि डैमोक्रेसी मे कुछ ऐसी बाते होती है कुछ हैल्दी कन्वेन्शंज होती है। बजट सैशन हो रहा है। ऐसी क्या आफत आई कि सब काम जल्दी मे हो। यदि चुनाव लड़वाना है तो उनको आराम से होने दो। चुनाव के बाद भी बैठा जा सकता है। रूल्ज मे प्रोवीजन है कि नान आफिशियल वाले दिन प्राईवेट मैंबर अपनी बात रख सकते है।

श्री बंसी लालः आन ए प्वांयट आफ आर्डर, सर। डाक्टर साहब बिजनैस एडवाईजरी कमेटी की मीटिंग मे थे और इस तरह के भाषण, मै समझता हूं जब एक बजे तक हाउस चलता है और इतना बिजनैस ट्रांजेक्ट होना है, ये क्या फायदा है He is wasting the time of the House. There should be voting strainghtaway. If they want to move an amendment, they may bring it; otherwise he is beating about the bush. There is no use of that.

Mr. Speaker: The Hon. Member may please take his seat fot a second, I think, on his request the Leader of the Hosue has agreed to consider and give some time if there is a good resolution.

श्री बंसी लालः मैने यह कहा था कि जो सही रैजोल्यूशन लगेगा उसे एकमोडेट कर लेंगें। पहले भी मैंने एकमोडेट किया है लेकिन जब बुनियाद ही गल्त हाो तो क्या करूं।

Shri Mangal Sein: He is nobody to say like that. यह कहने वाले कौन है कि बुनियाद ही गल्त है। स्पीकर साहब हम इनकी दया पर नही बैठे हुए।

Mr. Speaker: He is not questioning you.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, हम इनकी दया पर नही बैठे हुए। हम तो जनता की वोट से चुनकर आए है। We are governed by you, Sir, and therules of the Hosue and not by anybody eise. हमको यहां जनता ने भेजा है (व्यवधान) स्पीकर साहब भाई पोसवाल ने रूल्ज पढ़े नही है। (व्यवधान) मैं इनकी बात का जवाब दे दूं?

Mr. Speaker: I think, we have had a good deal of talk on this matter. Let us now leave it.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, आप तो न्याय करें।

Mr. Speaker: Let us not lose time and proceed further.

Shri Mangal Sein: I am not losing time. I am speaking on a very important matter, Sir. स्पीकर साहब यह दूसरा इशू है.....

Excise and Taxation Minister (Shri. Sarup Singh): On a point of Order, Sir. May I know whether that very Member, who is a Member of the Business Advisory Committee, can take objection to the recommendations of the

Committee, after a resolution to that effect has been adopted by the House?

Mr. Speaker: I shall give a ruling.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरा निवेदन यह हे कि यह मैटर बिजनैस एडवाईजरी कमेटी मे डिस्कस नही हो रहा है। मेरा निवेदन है यह है कि भगवान इनको सदबुद्धि दे, ये हमारी बात माल लें और जो प्रस्ताव आने वाला है उस पर विचार करे। नान आफिशियल डे की ऐसी हत्या नही होनी चाहिएं मेरा तो यही निवेदन है कि बाकी जैसी आपकी मर्जी हो।

Mr. Speaker: Question is—

The Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislative Assembly be suspended and Government Business be transacted on Thursday, the 13the January, 1972.

The motion was carried.

Papers elaid/laid on the table

Health Minister (Sh. Khurshed Ahmed): Sir, I beg to really on the Table the Punjab Slum Areas (Improvement and Clearance) Rules 1962, as required under Section 40(3) of the Punjab Slum Areas (Improvement and Clearance) Act, 1961.

Transport Minister (Sh. Mahabir Singh): Sir, I beg to lay on the Table a copy of the notification No. GSR. 143/C.A.4/39S. 133-A/71, dated the 3rd December, 1971,

regarding the amendments in the Punjab Motor Vehicles Rules, 1940, as required under Section 133(3) of the Motor Vehicles Act, 1939.

Irrigation and Power Minister (Sh. Ram Dhari Gaur): Sir, I beg to lay on the Table the notification No. GSR. 19/P.A.25/63/S.21/69, dated the 31st January, 1969, regarding the Haryana Thur and Sem Lans (Reclamation)Rules, 1969, as required under Section 31(3) of the Punjab Thur and Sem Lans (Reclamation) Act, 1963.

Health Minister (Sh. Khurshed Ahmed): Sir, I beg to really on the Table the Election Commission of India notification No.282/1/HR/71, dated the 26th August, 1971, regarding the amendments in part B in Schedule V to the Delimitation of Parliamentary and Assembly Constituencies Order, 1966 as required under Section 9(2) of the Representation of the People Act, 1950.

Irrigation and Power Minister (Sh. Ram Dhari Gaur): Sir, I beg to lay on the Table a statement showing the loans raised by the Haryana State electricity Board upto 31st December, 1971, for which the State Government have stood guarantees for repayment thereof under Section 66 of the Electricity (Supply) Act. 1948.

Development Minister (Sh. Prabhu Singh): Sir, I beg to lay on the Table a copy each of the following notifications, under section 115(4) of the Punjab Panchayat Samitis and Zila Parishads Act, 1961:-

(i) Notification No. GSR. 86/P.A. 3/61S. 115/Amd. (1)69, dated 12-6-1969.

(ii) Notification No. GSR. 191/P.A. 3/61/S.3/61/Amd.69, dated 24-12-1969.

(iii) Notification No. GSR. 74/P.A. 3/61/S. 115/Amd. 70, dated 29-5-1970.

(iv) Notification No. GSR. 60/P.A. 3/61/S. 115/Amd. 70, dated 24-4-1970.

(v) Notification No. GSR. 112/P.A. 3/61/S. 115,33 and 100/Amd. 70, dated 20-10-1970.

(vi) Notification No. GSR. 87/P.A. 3/61/S. 115/70, dated 3-7-1970.

(vii) Notification No. GSR. 7/P.A. 3/61/S. 115/71, dated 29-1-1971.

(viii) Notification No. GSR. 125/P.A. 3/61Ss. 115, 34 and 53/Amd./70, dated 27-11-1970.

(ix) Notification No. GSR. 94/P.A. 3/61/S. 115/Amd./70, dated 14-8-1970.

(x) Notification No. GSR. 18/P.A. 3/61/Ss. 33 and 100/Amd/71, dated 26-3-1971.

(xi) Notification No. GSR. 97/P.A. 3/61/S. 115/Amd/70, dated 14-8-1970.

Chief Minister (Shri Bansi Lal): Sir, I beg to lay on the Table a copy of the Annual Report of the working of Haryana Public Service Commission for the period from 1st April, 1970 to 31st March, 1971, as required under Article 323(2) of the Constitution.

PRESENTATION OF SUPPLEMENTARY ESTIMATES AND THE REPORT OF ESTIMATES COMMITTEE THEREON

Finance Minister (Smt. Om Prabha Jain): Sir, I beg to preset the Supplementary Estimates (Second Installment) for the year 1971-72.

Chairman, Estimates Committee (Sh. Amir Chand Kakar): Sir, I beg to present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates (Second Installment) for the year 1971-72.

(इस समय सभापतियों की सूची मे से एक सदस्य चौधरी रणबीर सिंह पदासीन हुए)

लाला बनवन्तराय तायलः सभापति महोदय मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि पिछले सैशन मे स्पीकर साहब ने अपोजीशन लीडर को रिक्ग्नाइज किया था मै यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ने, लीडर आफ दी अपोजीशन के लिये जो सहूनियतें मुर्कर की थी, वह सारी दे दी हैक या कि नही?

श्री सभापतिः तायल साहब मेरे विचार मे यह कोई प्वायंट आर्डर नही है। अगर आप इस बारे मे सूचना चाते है तो स्पीकर साहब के चेम्बर मे जाकर उनसे यह सूचना ले सकत है।

DISCUSSION ON GOVERNOR'S ADDRESS

श्री बनारसी दास गुप्ता (भिवानी): सभापति महोदय, राज्यपाल महोदय ने कल इस वर्ष के प्रथम अधिवेशन को सम्बोधित रिते हुए जो अभिभाषण दिया मैं उसके प्रति धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करता हुआ (श्री सत्यानारायण सिंगोला द्वारा विघ्न)

श्री सत्य नारायण सिंगोलः सभापति महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। एक एक्ट बना हुआ है कि लीडर आफ दी अपोजीशन को क्या क्या सहूलियते मिलेगी। स्पीकर साहब ने लीडर आफ दी अपोजीशन को रिकग्नाइज किया था.....

श्री सभापतिः प्वांयट आफ आर्डर आप उस प्रश्न के ऊपर उठा सकते है जिस पर कि सदन मे गौर हो रहा हो। इसीलिए मै आपको सलाह दूंगा कि आप कल जीरो आवर मे पूछ लीजियेगा। रूल 112 को आप देख लीजिएं आप तो वकील है। एक और निवेदन भी कर देता हूं कि समय बहुत थोड़ा है और इस सरह आपका समय जाया जाएगा। इस समय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बहस हो रही है।

Sh. S.P.Jaiwal: Mr. Chairman, Sir, there is a provision in the Rules under which a Point of Order can also be brought in besides the matter under discussion.

श्री सभापतिः कौन सा रूल।

Sh. S.P.Jaiwal: This is proviso to sub-rule (2) of the same Rule, viz., Rule 112, which reads—

"provided that the Speaker may permit a Member to raise a point of order during the interval between the termination of one item of business and the commencement of another .....

If it to other matters. So, if the Point of Order is not relating to a matter under discussion, then under this proviso, it can be raised.

श्री सभापतिः मैं सदस्यों की बात मानता हूं पर यहां पर तो दूसरी कार्यवाही शुरू हो गई है। श्री बनारसी दास जी गुप्ता बोल रहे थे। उन्होने धन्यवाद के प्रस्ताव को शुरू भी कर दिया था। जब वह अपना भाषण समाप्त कर दे तो आप शुरू कर दे।

श्री बनारसी दास गुप्ताः सभापति महोदय, मैं अपना धन्यवाद का प्रस्ताव इन शब्दों मे पेश सदन के सामने प्रस्तुत कर रहा हूं कि राज्यपाल महोदय को निम्नलिखित शब्दों मे एड्रेस किया जायेः—

''किस इस सैशन मे इकट्ठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाषण के लिये राज्यपाल महोदय के अत्यनत कृतज्ञ है जो उन्होंने 10 जनवरी 1972 को सदन मे देने की कृपा की है।''

इस धन्यवाद प्रस्ताव के संबंध मे मैं कुछ निवेदन करना चाहता हूं ओर वह यह है कि राज्यपाल महोदय ने अपना अभिभाषण गत वर्ष की एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक घटना की

चर्चा करते हुए आरम्भ किया और वह ऐतिहासिक घटना थी कि हमारे पड़ोसी देश ने अचानक हमारे देश पर हला किया और उस हमले का बड़ी बहादुरी के साथ मुकाबिला करते हुए हमारे जवानौं ने जान की बाजी लगाकर अपनी जान की परवाह न करते हुए एक करारा जवाब दिया।

सभापति महोदय, हिन्दोस्तान और इसकी सरकार की नीति आरम्भ से ही शान्ति की नीति रही है 'जीओ और जीने दो' की नीति पर हम ने शुरू से ही अमल किया है। परन्तु हम यह भी जानते है कि यह शान्ति की नीति हमारी कोई कायरता की नीति नही है। यह एक वीरों की नीति है। जब कभी कोर्द दुश्मन हमारी इज्जत को ललकारता है, हमारी सीमाओं को कोई खतरा पैदा करना है, हमारी स्वाधीनता को जब चोट पहुंचने की आशंका होती है तो हमारे बहादुर जो हमारी सीमाओं की रक्षा के लिये तैनात है वह अपने सीने तान कर सीमाओं की रक्षा करते है और अब आपने यह देखा होगा कि इस संघर्ष मे हमारे बहादुरों ने किस प्रकार बलिदान दिया और किस प्रकार दूश्मन के छक्के छुड़ाए। एक तरफ तो पाकिस्तान के सैनिक थे जो पाकिस्तान की तानाशाही के तहत, डर से कांपते कांपते हमला करने के लिये आते थे तो दूसरी तरु हमारे सैनिक थे जिनकी रग रग मे देश भक्ति का खून चलता था. .....(शोर) (श्री जयसिंह राठी द्वारा विघ्न).....

(इस समय सभापतियों की सूची मे से एक सदस्य श्री राजसिंह दलाल पदासीन हुए)

चौधरी जयसिंह राठीः चेयरमैन साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। एक बजे तक तो हाउस है और डेढ़ घण्टा बकाया है तो आप यह बता दे कि अपोजीशन को कितना टाइम देंगे और ट्रेजरी बैन्चिज को कितना टाइम देंगे।

श्री सभापतिः कम से कम आधा घण्टा तो यह बालेंगे ही ।

श्री बनारसी दास गुप्ताः सभापति महोदय, अभी मैं निवेदन कर रहा कि हमारे बहादुरो ने, हमारे जवानो ने एक बलिदान की भावना से प्रेरित होकर देश की रक्षा की और यह ऐसी ऐतिहासिक विजय थी कि जिस से हिन्दोस्तान की इज्जत को चार चांद लग गये और मै। अगर यह कहूं कि हमे हजारो वर्षो के पश्चात यह सौभाग्य प्राप्त हुआ है कि किस प्रकार हमारे जवानों ने दुश्मन को एक करारी चोट दी हे तो यह कहना कोई अतिश्योक्ति न होगा। सभापति महोदय, हमारी सरकार ने और भारत सरकार ने आपे देश की रक्षा करते हुए जवानो के लिये जो वीरगति को प्राप्त हुए है, को सहायता के लिये विभिन्न प्रकार के अनुदान देने की येाजना बनाई है। अपने देखा होगा सभापति महोदय, कल राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण मे जिक्रकिया कि वीरगति प्राप्त करने वाले वीरों के परिवारों को पेन्शन्ज दी जाएगी, जमीन दी जाऐगी। अनुग्रह अनुदान दिया जाएगा। उनके बच्चों को निशुल्क शिक्षा दी जाएगी। यह एक सही कदम है। हम सब का भी यह कर्त्तव्य है कि जो बहादुर जवान देश की रक्षा करते हुए

शहीद हुए है उनके परिवारो के जो सदस्य है, उनकी हम हर प्रकार से सहायता करे। मुझे खुशी है इस बात की कि हमारी प्रधान मंत्री, हमारी सरकार ओर दूसरे लोग इस बात के लिए पूरी तरह से जागृत है और उन्हें चिनता है इस बात की। युद्ध बन्द होने के फौरन ही बाद प्रधान मंत्री साहिबा ने जब रेडियों पर ग्रोडकास्ट किया था तो उन्होंने एक बड़ा तलख शब्द कहा था जो आज तक मुझे याद है। उन्होने कहा था काफी दिनो के बाद आज हिन्दोस्तान का हर शहर और हर गांव रोशनी से जगमगा उठेगा लेकिन कुछ हृदय ऐसे है कि उनमे कभी रोशनी नही आएगी और वह हृदय वे है जैसे एक जवान पत्नी का पति शहीद हो गया है या एक माता का बेटा वीरगति को प्राप्त हुआ है या एक बहन अपने भाई को खो बैठी है, उनके दिलो मे कभी रोशनी नही आएगी। इससे मालूम होता है कि हमारी प्रधान मंत्री के दिल मे उनके प्रति कितना दर्द है। सभापति महोदय हमारी हिरयाणा सरकार ने भी बड़े उदारतापूर्वक कदम उठाए है और मैं समझता हूं कि हिन्दोस्तान की और स्टेटों की निस्बत इस बजट मे अधिक से अधिक सहायता देने का प्रोवीजन किया गया है जिसकी चर्चा राज्यपाल साहब ने की है। सभापति महोदय, मैं अर्ज करना चाहता हूं कि हम जो शांति की नीति पर चलने वाले है हमारे ऊपर यह संघर्ष किस प्रकार थोपा गया। आपको मालूम होगा कि जब लड़ाई जोरो पर चल रही थी तो हमारी प्रधान मत्री ने राजधारी मे पांच लाख लोगों की भीड़ के सामने भाषण देते हुए कहा था कि कभी कभी शांति की रक्षा के लिए भी लड़ाई लड़ी जाता है। तो वास्तव

मे सभापति जी हमने शांति की रक्षा के लिए और हमारे पड़ोसी, जो बंगला देश के भाई पाकिस्तानी दरिन्दो के जुल्म का शिकर हो रहे थे उनकी रक्षा सहायता के लिए और अपने उपमहाद्वीप मे शांति बनाए रखने के लिए यह युद्ध लड़ना पड़ा। आप को पता है कि पाकिस्तानी दरिन्दों ने बंगला देश के भाइयों के साथ जो अत्याचार किया है उसकी कोई हिस्ट्री मे मिसाल नही मिल सकती। याहिया खां के जुल्म ने इतिहास मे आज तक नितने दर्दनाक कांड हुए है उन सबको भुला दिया हैं स्त्रियों की असमते लूटी गई, नौजवानो को और इन्टेलैकच्यूल्ज को गोली का निशाना बनाया गया, 10 लाख लोगों को, बेगुनाह लोगों को मौत के घाट उतारा गया, मजलूमों पर ऐसे ऐसे जुल्म किए गए जिसके बारे मे सुन कर रौंगटे खड़े हो जाते है। हम इस तरह के अत्याचारो को पड़ोस मे रहते हुए कब तक देख सकते थे? फिर इसके इलावा एक और समस्या जो हमारे सामने पेश आई यह थी कि पाकिस्तान के जुल्म से पीड़ित होकर बंगला देश के एक करोड़ के लगभग शरणार्थी भारत मे आए और उन्होंने यहां पर शरण लीफ उन के रोटी, कपड़े और दवा दारू का प्रबंध करने के लिए भारत को तीन चार करोड़ रूपए रोज का खर्च करना पड़ा । हमारे बहुत से भाई कहा करते थे कि क्या जरूरत थी हमको यह आफत मोल लेने की, लेकिन सभापति महोदय आप जानते है कि हमारे सामने उसके सिवाए और कोई चारा ही क्या था। हिन्दोस्तान की परम्परा है कि जो हमारी शरण मे आए हम उसको सहारा देते है, अपनी रोटी मे से रोटी काट कर उनको देते है। इसलिए उनको शरण देने के

सिवाए हमारे पास कोई चारा नही था। लेकिन आप ने यह देखा होगा कि हमारी प्रधान मंत्री साहिबा ने बार बार यह शब्द कहे कि एक दिन आएगा जब यह शरणार्थी विजय का झण्डा बुलन्द करते हुए अपने देश और अपने घरों को वापिस जाएंगे। हमारे कई भाई नुक्ताचीनी किया करते थे कि यह सब हवाई बाते है, जो शरणार्थी यहां पर बंगला देश से उजड़ कर आ गए है और जिन्होने अपनी यहां पर जगह बना ली है वे कभी वापिस नही जाएंगे। लेकिन हमारी प्रधान मंत्री साहिबा का जो विश्वास था वह पूरा हुआ है। आपने कल का रेडियो सुना होगा, बंगला देश के बंगबन्धू जब पाकिस्तान की कैद से रिहा होकरदेहली मे पधारे तो हमारी प्रधान मंत्री ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि हमने तीन वायदे किए था पहला वायदा यह थाकि हम बंगला देश को आजाद करवा कर रहेंगे ,दूसरा यह था कि हम शरणार्थी लोगो को पापिस उनके घरों मे आबाद करेंगे और तीसरा यह था कि हम बंगला देश के माननीय नेता शेख मुजीब साहिब को रिहा करवाएंगे। तो उन्होने बड़ी शान के साथ अपना सिर ऊंचा करके दुनिया के सामने कहा कि हिन्दोस्तान ने अपने तीनो वायदे पूरे किये है और हिन्दोस्तान के लिए विजय श्री प्राप्त की है। आप हिन्दोस्तान का ही नही, दूनिया का इतिहास उठा कर देखिए, कभी आज तक किसी मुल्क की एक लाख फौज ने सरंडर नही किया। यह एक अभूतपूर्व विजय है तो हमारे ौजी जरनैलो ने और जवानो ने प्राप्त की है। इसलिए उनकी जितनी सराहना की जाए उतनी ही थोड़ी है। सभापति महोदय, मेरे पास वह शब्द नही है जिनसे उनकी सराहना की

जाए। अभी मेरे बोलने से पहले एक प्रस्ताव आया जिसमे उनको श्रद्धांजलि भेंट की जिसमे मै भी शामिल हुआ। उनकी वजह से आज हिन्दोस्तान की ताकत बढ़ी है औरसारी दुनिया मे इज्जत बढ़ी है और आज हिन्दोस्तान को गिनी चुनी शक्तियो मे शामिल कियागया है। इस प्रकार यह एक चैप्टर समाप्त हुआ है और बंगला देश आजाद हुआ है। पाकिस्तान जो हामरे साथ 1000 साल युद्ध करने की बात करता था एक दिन भी हिन्दोस्तान की मार का सामना नही कर सका, लड़ाई के दूसरे ही दिन दुनिया के तमाम मुल्कों की चापलूसी करने लग गया कि किसी तरह से सीज फायर करवाओ। वह हमारे बहादुर जवानो की चोट को बरदाशत नही कर सका। हमारे एक एक जवान ने जो जो बहादुरी के कारनामे किए है उनका अगर वर्णन किया जाए तो एक बहुत भारी किताब बन सकती है। हम जापान के देश भक्तों के किस्से सुना करते थे कि किस प्रकार वहां के युवक हंसते हंसते अपने देश के लिए जीवन बलिदान कर देते थे। लेकिन पाकिस्तान के साथ जंग लड़ते वक्त हमारे जवानो ने जो बहादुरी दिखाई है उनकी गाथाओं के सामने वह जापान के किस्से फीके पड़ गए है। इस लिए किन शब्दों से उनको श्रद्धांजलि पेश की जाए वह शब्द मुझे मिल नही रहे है। इसके पश्चात् मै कहूंगा कि हमारी सरकार ने और राज्यपाल ने जो उदारता दिखाई है, जिस प्रकार की सहायता का प्रोवीजन किया है, मै उसकी सराहना करता हूं और आशा करता हूं कि इससे भी अधिक जो जो सुझाव श्रद्धांजलि भेंट करते हुए हमारे दोस्तों ने सदन मे दिये है उन सब पर हमारी सरकार विचार

करेगी। हमारी सरकार ने न केवल युद्ध भूमि के मोर्चे पर शहीद होने वालो को सहायता प्रदान की है बल्कि हमारे नागरिक जहां की भी वे थे और पाकिस्तानी बमबारी से जिनका नुक्सान हुआ उनकी क्षतिपूर्ति करने के लिये कुछ अनुदान देने का निश्यच किया है। यह भी एक बड़ा सराहनीय और प्रशंसनीय कदम है। इसके अलावा सभापति महोदय, राज्यपाल महोदय ने जो अपना भाषण किदया वह अपने आप मे परिपूर्ण था और उसमे उन्होंने कोई बात अछूती नही छोड़ी जिसका जिक्र उन्होने अपने भाषण मे न किया हो। राज्यपाल महोदय की सरकार अर्थात हरियाणा सरकार ने अपने प्रदेश के अन्दर जो विकास के काम कियये है वह किसी से छिपे हुए नही है। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि न केवल अपने प्रदेश मे ही बल्कि हिन्दुस्तान मे जितने हमारे पड़ौसी प्रदेश है उनमे जिस किसी प्रदेश मे हम जाते है तो वहां एक ही बात की चर्चा होती है कि हरियाणा सरकार और हरियाणा के मुख्य मंत्री कितनी तेजी के साथ और कितने चमत्कारिक ढंग के साथ अपने प्रदेश को खुशहाली की और ले जा रहे है। अभी एक सप्ताह पहले मुण्े अपने पड़ौसी प्रदेश उत्तर प्रदेश के एक गांव मे जाने का मौका मिला और हम वहां कुछ गांव देखने के लिये गये थे। वह गांव भी बड़ा आदर्श गांव है। उस गांव की गलियां पक्की है और वहां आधुनिक ढंग की लैटरीनज तैयार की हुई है। हमारी सरकार की तरफ से भी इस बारे मे एक कमेटी की स्थापना हुई है जो अपने हां भी गांव मे देखेगो कि किस तरह हम उनको साथ सुथरा रख सकते है। आप जानते है कि तमाम हरियाणा गांव मे

निवास करता है। केवल हरियाणा ही नही बल्कि तमाम हिन्दुस्तान गांव मे निवास करता है। अगर मै यह कह दूं कि हिन्दुस्तान की 90 प्रतिशत जनता गांव मे निवास करती है तो अतिश्योक्ति नही होगी। मुझे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को इस समय एक बात याद आती है। एक बार एक अमेरिकन पत्रकार हिन्दुस्तान मे भ्रमण करने के लिये आया और वह सेवाग्राम मे गांधी जी के दर्शन करने के लिये गया। गांधी जी ने उससे एक ही प्रश्न पूछा कि आप हिन्दुस्तान मे किस उद्देश्य को लेकर आये है। उसने कहा कि वह हिन्दुस्तान देखने के लिये आया है । इस पर गांधी जी ने कहा कि यदि आप मेरी राये माने ओर अगर आप वास्तविकता मे हिन्दुस्तान देखना चाहते है तो हिन्दुस्तान के 17 लाख गांवों मे चले जाओ क्योकि हिन्दुस्तान कलकत्ता, बंबई, देहली और मद्रास मे निवास नही करता इसलिये आपको हिन्दुस्तान की ाआत्मा के दर्शन किसान की झोंपड़ी मे और मजदूर की कोठरी मे होंगे। मेरे कहने का मतलब यह है कि हिन्दुस्तान गांव मे निवास करता है । यह ठीक है कि हरियाणा सरकार ने गांव मे जीवन स्तर ऊंचा करने के लिये बड़ी बड़ी योजनांए सोची और न पर अमल किया है। आज हरियाणा के एक एक गांव मे बिजली पहुंची है और वे बिजली की रोशनी मे जगमगा रहे है। आप जानते है कि आज के युग मे बिजली का बड़ा भारी महत्व है और बड़ी भारी शक्ति है। आज के युग मे बिजली का बड़ा भारी माध्यम है कृषि, उद्योग धंधों और हर प्रकार के खुशहाली और विकास के काम करने का। इसके अलावा हरियाणा सरकार 26

जनवरी 1973 तक अर्थात आज से एक साल से कुछ अधिक समय तक हरियाणा के एक एक गांव को पक्की सड़क से जोड़ना चाहती है चाहे कोई दस घरों का ही गांव क्यो न हो। इसके आलावा सरकार जहां पीने के पानी की कठिनाई है उसे दूर करने के लिए पूरी तरह से प्रयत्नशील है। लेकिन इसके बावजूद हमारे गांवों मे गंदगी है और सफाई की तरफ ध्यान नही दिया जाता । हमारी माताओं बहनों के लिये वहां शौच आदि जाने के लिए कोइ उपयुक्त स्थान नही होता। इन सब चीजो पर विचार करने के लिये कमेटी बनी है। और हम इस बात का अध्ययन कर रह`हे कि किस प्रकार अपने गांवो को साफ सुथरा रख सकते है। इसी संबंध मे जब हम यू.पी. के उस गांव मे ये जो जिला सहारनपुर मे स्थित है तो वहां पर सौ दो सौ लो इकट्ठे हुये। वे लोग पढ़े लिखे थे। और उन्होने बात चीत करते करते हरियाणा के विकास कार्यो की प्रशंसा की और साथ ही मुझसे यह सवाल पूछा कि आपका जो विशाल हरियाणा का नारा है उस पर कभी अमल भी होगा या यह नारा थोथा ही रहेगा। मैंने पूछा कि आपकी विशाल हरियाणा बनाने मे क्या दिलचस्पी है। उन्होने कह कि वे तो उस दिन का इन्तजार करते है कि विशाल हरियाणा बने ताकि उन्हे मौका मिले कि वे हरियाणा मे शामिल होकर हरियाणा सरकार जो विकास और जन–कल्याण के काम करती है उनसे लाभ उठा सकें। इस प्रकार की इच्छा आज पड़ौसी प्रदेश के लोग जो हमारी सीमाओं के साथ लगते है चाहे उत्तर प्रदेश के हो या राजस्थान के हो, व्यक्त करते है। मैं तो यह कहूंगा कि पंजाब के जो लोग है जो

हमारी सीमाओं पर रहते है उनकी भी यही इच्छा है कि हरियाणा मे जो जन–कल्याण के काम होते है उनका लाभ उनको भी पहुंचे। मैने अपनी आंखो से देखा है कि राजस्थान की सीमा पर हमारा जो अन्तिम गांव है वहां तक पाईप लाइन डालकर लोगो को पीने का पानी दिया गया है और राजस्थान के गांव जो सीमा के साथ है वहां से सैंकड़ों की तादाद मे लोग हमारे नलों से पानी भरने के लिए आते है और हमारी सरकार ने भी यह व्यवस्था कर दी है कि जितने ज्यादा से ज्यादा लोग पानी लेने के लिये आये उनको पानी आराम से लेने दिया जाये। हमारी जो जूई कैनाल है इसकी एक शाखा का अन्मिम भाग राजस्थान की सीमा तक जाता है। पिछले दिनो मुख्य मंत्री जी जब उसकी निरीक्षण करने गये तो मैं भी उनके साथ था। वहां हजारो की तादाद मे राजस्थान के लाग भी हाजिर थे। उन्होंने हाथ जोड़ कर प्रार्थना की कि मुख्य मंत्री जी हमारे राजस्थान मे तो कुछ होता नही इसलिये आप ही हम पर कृपा करें और अइपने इस माइनर या नहर को थोड़ा इतना एक्सटैंड करें ताकि हम भी उससे फायदा उठा सके। वे बिजली हम से लेना चाहते है और पानी लेना चाहते है और जब वे हरियाणाके हालात को देखते है तो चमत्कृत हो जाते है। राजस्थान के लोग जब देहली की तरफ जाते है तो कहते है कि जब बिजली की रोशनी जगमगाती नजर आती है तो वे अंदाजा लगा लेते है कि अब हरियाणा का इलाका शुरू हो गया है और कारो मे बैठकर सफर करने वाले सड़कों से ही अंदाजा लगा लेते है कि अब हरियाणा की सीमा शुरू हो गई है। इस

प्रकार के विकास काम हमारे प्रदेश मे इस सरकार ने किये है कि अगर उन सारे कामो का जिक्र किया जाये तो बहुत समय की आवश्यकता है। अधिक समय न लेता हुआ जो कुछ आंकड़े है तथ्य हैवे इस सदन के सामने रखना चाहता हूं। जहा तक आर्थिक स्थिति का संबंध है उस बारे मे मैं निवेदन करता हू कि हमारे हरियाणा मे आर्थिक वृद्धि या आय 16.91 प्रतिशत बढ़ी है जबकि सारे हिन्दुस्तान मे यह सिर्फ पांच प्रतिशत बढ़ी है। मेरे कहने का मतलब यह है कि अगर सारे हिन्दुस्तान के साथ मुकाबना किया जाये तो राष्ट्रीय आय पांच फीसदी बढ़ी है लेकिन हमारे हरियाणा मे इसके मुकाबले मे आय मे 16.90 फीसदी की वृद्धि हुई है। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि जहां हिन्दुस्तान के अन्दर प्रति व्यक्ति आमदनी 339 रूपये है। वहां हरियाणा मे यह आमदनी 440 रूपये है। इसके अलावा जहां तक योजाओं पर जो खर्च होता है यानी पंचवर्षीय योजनाओ पर जो खर्च होता है उस बार मे मैंयह कहना चाहता हूं कि प्लान खर्च मे पर कैपिटा खच्र के मामला मे हरियाणा तमाम हिन्दुस्तान मे सर्वप्रथम है। हरियाणा मे इस बारे मे प्रति व्यक्ति इतना खर्च किया जाता है जितना कि हिन्दुस्तान के किसी हिस्से मे खर्च नही किया जाता। सभापति महोदय, प्रदेश मे हरित–क्रांति लाने मे बड़ी प्रगति हुई है। खेती की प्रगति मे हरियाणा ने हिन्दुस्तान मे एक रिकार्ड कायम कर दिया है। 1970–71 मे प्रदेश मे 47.33 लाख टन आनाज पैदा हुआ जो कि आज तक सबसे बड़ा रिकार्ड है। इसी प्रकार जहां लोगो को बिजली की सुविधा मिली या दूसरी सुविधाएं मिलीं वहां खेती का

काम बढ़ाने के लिए, खेती की उन्नति के लिए एक कमी आज भी महसूस की जाती है वह है नहर के पानी की कमी। मै महसूस करता हूं कि जमींदार को पक्की नहर दे दी जाए, बिजली की सुविधा दे दी जाए, पीने के पानी के नल भी लगा दिए जाएं, लेकिन जब तक खेती की सिंचाई के लिए उन्हे पूरा पानी नही मिलता तब तक किसान के दिल मे खुशहाली नही आती। किसान सबसे ज्यादा महत्व नहर के पानी को देता है। सभापति महोदय, हमारी सरकार ने इस तरफ भी पूरा ध्यान दिया है। आपने अपनी आंखों से देख होगा कि हरियाणा मे ऐसे ऐसे इलाके है जो बहुत ही सुखाग्रस्त है। बड़े बड़े मरूस्थल है जिनमे रेत के बड़े बड़े टिब्बे है, जहां पीने का पानी नही मिलता था, कोई मुसाफिर नही जाता था। मुझे याद है क्योंकि मैं उस इलाके का रहने वाला हूं, बड़े बड़े रेगिस्तानों के पड़ौस मे रहता हूं। सभापति महोदय, कहा जाता थाकि उन रेगिस्तानी टिब्बो मे अगर कोई मुसाफिर सफर करता था तेा उसको रास्ते मे पीने के लिए पानी नही मिलता था और वह तड़प तड़प कर अपने प्राण त्याग देता था। लेकिन अब दुनिया यह देख कर हैरान होती है कि वहां पर न केवल पीने का पानी मुहैया कर दिया गया है बल्कि सौ मील लम्बी जुई कैनाल बनाकर और सात जगहों पर पम्पिंग स्टेशन बनाकर लोगो की सदियो की प्यास बुझाई गई है। पम्पिंग स्टेशन बनाकर 110 फुट की गहराई से पानी उठाकर उन रेगिस्तानी टिब्बो को पानी दिया गया है। आप इसको चमत्कार नही कहेंगे तो और क्या कहेंगे? ऐशिया के अन्दर यह सबसे पहली स्कीम है जिसके तहत इतना

ऊंचा पानी उठाकर रेगिस्तानी इलाके को पानी रिया गया है। इसके अतिरिक्त लोहारू परियोजना के तहत 208 फुट ऊंचा उठा कर महेन्द्रगढ़, दादरी और लोहारू के इलाको को पानी दिया जाएगा। जुई कैनाल, लोहारू कैनाल प्रोजैक्ट, इंदिरा गांधी कैनाल और हमारे गवर्नर के नाम पर वीरेन्द्र नारायण चक्रवर्ती नहर तथा अन्य योजनाएं बनाई जा रही है। वे भाई जो दूसरे तीसरे साल कहत का शिकार होते थे, हजारो की तादाद मे जिनका पशुधन नष्ट हो जाता था और घर छोड़ छोड़ कर दूसरे प्रदेशो मे रोजी के लिए जाते थे, उन लोगो के खेतो मे नहर का पनी चला गया है या कुछ ही दिनो मे चल पड़ेगा। उन्हे जिस कहत की हमेश आशंका बनी रहती थी वह समाप्त हो गया है सरकार भी करोड़ा रूपया हर साल उन के रिलीफ के लिए, सहायता के लिख खर्च किया करती थे, लेकिन अब यह तकलीफ दूर हो गई है।

सभापति महोदय, हमारी विरोधी दल के मित्र किसी सही बात की प्रशंसा नही कर सकते बल्कि इसके विपरीत हर प्रकार के छिद्र देखने की कोशिश करते है और कई प्रकार की निराधार बाते भी कहते है। ये भाई करनाल, रोहतक और जींद के इलाके मे प्रचार करते है कि तुम्हारे इलाके का तमाम पानी यह चीफ मिनिस्टर बागड़ मे ले गए है। सभापति महोदय, ऐसी बाते बहुत निराधार है और तथ्य से बिल्कुल खिलाफ हैं यह वा पनी है जिसको बाढ़ का पानी कहते हैं जब यमुना मे बाढ़ आती थी तो अम्बाला, करनाल और रोहतक के जिलो की तबाही करती थी।

सरकार ने बाढ़ के इस पानी को जुई कैनाल, सिवानी नहर और लोहारू नहर मे डालकर लोगो की बाढ़ से रक्षा की है। और इसके दूसरी तरफ जो लोग पानी की एक एक बूंद को तरसते थे उनको इस बाढ के पानी को सप्लाई किया है। आप देखे इन नहरो से देश को कितना फायदा है। जो हमारी रैगुलर वैस्टर्न जमुना नहर है उससे एक बूंद पानी भी जुई, सिवानी और लोहारू की नहरो को नही दिया गया। यह विरोधी पक्ष के भाईयो का गलत प्रोपेगंडा है कि रैगुलर नहर का पानी इन नहरों मे डाला जा रहा है। यह लगत प्रोपेगंडा है जो कि ज्यादा दिन तक नही चल सकता। इसके अतिरिक्त हमारी सरकार ने 29 मील लम्बी दिल्ली समानान्तर नहर बनाई है जिसका उद्घाटने 30 दिसम्बर को हुआ था। इस दिल्ली पैरेलल नहर से 200 क्यूसिक पानी मिलेगा और वैस्टर्न यमुना कैनाल मे शामिल होगा जिससे लोगो को ज्यादा सुविधा मिलेगी। इसके इलावा एक बरवाला लिंक कैनाल तैयार की गई है जिससे काफी पानी उपलब्ध होगा। पानी की सप्लाई बढ़ाने के लिए और भी कई स्कीमें बनाई जा रही है। वैस्टर्न जमुना नहर के पानी को बढ़ाने के लिए और इस की आगमैंटेशन के लिए 40 मील लम्बी नहर का निर्माण किया जा रहा है जिससे हमें पूरा विश्वास है कि जमुना नहर का पानी ड्योढ़ा हो जाएगा। पानी की कमी से जिस किसान की बारी 32/40 दिन के बाद आती थी उसकी बारी आगमैंटेशन नहर बनने के बार 16 दिन के बाद आ जाएगी।

इस हरित क्रांति के पश्चात् सरकार प्रदेश मे श्वेत–क्रांति लाना चाहती हैं आज दुग्ध की बहुत आवश्यकता है। आप जानते है हरियाणा दूध दही का प्रदेश है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए जींद मिल्क प्लांट लग चुका है। भिवानी मे मिल्क प्लांट बन रहा है, अम्बाला मे बन रहा है, रोहतक और करनाल मे लगाने की योजना है जिससे हरित क्रांति के साथ साथ श्वेत क्रांति आएगी।

औद्योगिक क्षेत्र मे भी बड़ी भारी क्रांति है। मै समझता हूं कि औद्योगिक क्षेत्र मे अधिक उन्नति करने के लिए औद्योगिक नीति मे कुछ परिवर्तन करने की आवश्यकता है। नीति मे जो जो परिवर्तन लोने की आवश्यकता है उसकी डिटेल पूरे विवरण के साथ सरकार को भेजूंगा। औद्योगिक नीति मे कई त्र ुटियां है और इसका संबंध सीधा केन्द्रीय सरकार से होता है। सभापति महोदय, समय अभाव के कारण मैं अपने अधिक विचार प्रकट नही कर सकता, लेकिन जहां तक हरियाणा की तरक्की का संबंध है, इस प्रदेश ने काफी करक्की की है। ट्रांस्पोर्ट के क्षेत्र में, शिक्षा के क्षेत्र मे प्रशंसनीय काम हुआ है, नए हस्पताल बनाए गए है। दलित वर्गो का जीवनोद्धार हुआ है, हरिजनों की भलाइ के लिए काफर ज्यादा धन देने का प्रोवीजन किया गया है। सभापति महोदय, इन शब्दों के साथ मैं राज्यपाल महोदय का धन्यवाद करता हूं क्योंकि राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण मे पूरा विवरण दिया है जो कि तथ्य पर, सच्चाई पर आधारित है इसके लिए हमें राज्यपाल

महोदय का कृतज्ञ होना चाहिए। मैं सदस्यों से प्रार्थना करूंगा कि सर्वसम्मति से इस धन्यवाद के प्रस्ताव को स्वीकार करें।

श्री दया कृष्ण (जींद): माननीय चेयरमैन साहब, कल गवर्नर साहब ने इस सदन को ऐड्रैस किया और उनका धन्यवाद करने के लिए श्री बनारसी दास गुप्ता ने धन्यवाद का प्रस्ताव सदन मे पेश किया है। मैं इस प्रस्ताव की ताईद करता हूं। गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रैस मे सबसे पहले पाकिस्तान और हिन्दुस्तान के बीच हुई जंग का जिक्र किया है। हिन्दुस्तान को जंग मे जो फतह इस दफा हासिल हुई है। वह हिन्दुस्तान की हिस्ट्री मे एक मिसाल है, इससे पहले ऐसी कोइ मिसाल हिस्ट्री मे नही है। हिन्दुस्तान एक बहादुर पुरूषों का देश है। आपने राजपूत, सिक्खों, मरहट्टो, जाटो और गोरखो की बहादुरी के किस्से सुने है और पढ़े है लेकिन आज इस लड़ाई को देख कर हमने उन सब बातों को खुद आंखों से देख लिया है जो हम सुनते और पढ़ते थे। (इस समय उपाध्यक्षा पदासीन हुई) । डिप्टी स्पीकर साहिबा, हमारे देश का बहादुर सिपाही जब सच्चाई के रास्ते पर आगे चलना है तो मौत उसके आगे आगे चलती है। मौत खुद मरती है लेकिन बहादुर हमेशा के लिए जिन्दा रहता है। यह हिन्दुस्तान की परम्परा चली आई है और इस दफा भारत ने दुनिया को यह बात सिद्ध करके दिखाई है। पाकिस्तान गलत नशे मे था। उसके राष्ट्रपति, जनरल याहिया ने यहां तक कह दिया था "I will not be cowed down by a woman." उनके ये अलफाज बड़े अभिमानी थे। उनको नही पता

कि भारत की स्त्रियां क्या कुछ कर सकती है। आप जानती है कि स्त्रियां जो है वे इन्सानो को चलाती है और सबक सिखलाती है। शेरनी जो है वह शेर को चलना सिखाती है और दसव सिखाती हैं तो उनका यह कहना बिल्कुल गलत था। अमेरिका और चीन ने जो पाकिस्तान का साथ दिया यह बहुत गलल साथ था। अमेरिका धनाढ्य देश है। वहां साईंस ने बड़ी तरक्की की है। चाईना आबादी मे सबसे बड़ा देश है। तो ऐसे दो मुल्क जब पाकिस्तान के साथ हो गए तो उसे गलत नशा हो गया।

चौधरी जय सिंह राठीः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, मैडम। डिप्टी स्पीकर साहिबा, हाउस मे कोरम नही है। इसलिए या तो हाउस की कार्यवाही को बंद कर दिया जाए या कोरम को पूरा किया जाए।

(All this stage the Members present in the House were counted)

Deputy Sepaer: Quorum is there. There are 13 Members a present in the House.

श्री दया कृष्णः डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं कह रहा था कि पाकिस्तान केा अपनी ताकत का नशा और उसके ताकत के नशे मे अमेरिका और चाईना भी शामिल थे लेकिन जब भारत के साथ जंग हुई तो सिर्फ पाकिस्तान को ही मुंह की खानी पड़ी बल्कि अमेरिका और चाईना भी दुम दबा कर भागे। तो मैं समझता हूं कि अब जब बात बिल्कुल साफ हो गई है, तो अमेरिका और

चाईना को अपनी गलती को रियलाइज करना चाहिए और बंगला देश को मान्यता देनी चाहिए। अमेरिका और चाईना तथी बड़े कहे जा सकते है जब वे बड़े काम करे। हिन्दुस्तान के साथ यदि पाकिस्तान का झगड़ा था, लड़ाई थी तो अमेरिका को, जो डैमोक्रेसी को प्रोत्साहन देने वाला है, इसमे पाकिस्तान की इमदाद नही करनी चाहिए थी। अमेरिका और चाईना ने हिन्दुस्तान के साथ यह जो अच्छा व्यवहार नही किया इसके लिए उनको सोचना चाहिए और इस तरह के लगत रवैये को छोड़नाचाहिए। उपाध्यक्ष महोदया, इससे भारत का नाम सारी दुनिया मे ऊंचा हुआ है। भारत अब दुनिया की जो कुछ बड़ी ताकते है उनकी बराबरी मे पहुच गया है। भारत अब दुनिया मे जैसा पहले समझा जाता था अब वैसा नही समझा जाता। यह बड़ी ताकत है और यह दुनिया मे बड़ा काम करेगी। अब इसका दुसरा दौर गरीबी हटाओ की तरफ होगा।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, जहां तक हरियाणा का ताल्लुक है, इसके मुताल्लिक गवर्नर साहब ने एग्रीकल्चर की तरफ तवज्जुह दिलाई है। हरियाण बेसिकली एक एग्रीकल्चरल प्रदेश है और यहां के जो रहने वाले है उनका सारा दारोमदार, ज्यादातर एग्रीकल्चर पर है। आप जानती है कि जमीन खींच कर बढ़ाई नही जा सकती लेकिन इसमे पैदावार ज्यादा की जा सकती है। आज मौजूदा पैदावार हमारी सरकार ने पहले से काफी अधिक कर दी है। आप फिर कर यदि लोगो की हालात देखे तो पहले की निस्बत आज

उसमे दिन और रात का फर्क है। पैदावार के लिए पानी, बीज और खाद की जरूरत है। पानी के लिए सरकार बहुत ज्यादा कोशिश कर रही है। आपने गवर्नर साहब के ऐड्रैस मे देखा हे कि कितनी कोशिश इस बारे मे हो रही है। ब्यास सतलुज लिंक जल्दी ही कंप्लीट होने वाला है। इससे हमारे हरियाणा मे काफी पानी बढ़ेगा और हमारी कामयाबी ज्यादा होगी। यह लिंक मैं समझता हूं काफी अर्से पहले बन जाना चाहिए था लेकिन नही बना। अब मैं आशा करता हूं कि इसमे कोई डिले नही होगी और यह लिंक जल्दी मुक्कमल होगा। मैं यह भी उम्मीद करता हूं कि जमुना के ऊपर डैम बनाने की तरफ भी हमारी सरकार ज्यादा ध्यान देगी। तो इस तरह से डिप्टी स्पीकर साहिबा, पानी मुहैया करने के लिए हमारी सरकार ज्यादा कदम उठा रही है। हम इसके धन्यवादी है लेकिन प्रार्थना करते है कि इससे भी ज्यादा कदम उठाए जाएं ताकि जमींदार यह न कह सकें कि मैं खेती तो करता हूं लेकिन पानी की कमी है। तो पानी को तरफ सरकार को खासकर ध्यान देना चाहिए। ऐसा करने से जमीन से काफी पैदावार होगी लेकिन बसके पास न तो जमीन है और न ही सबके पास यह हो सकती है इसलिए डिवैल्पमैंट का दूसर जो शोअवा है वह इंडस्ट्री की तरफ सरकार ने काफी ध्यान दिया है। हरियाणा इंडस्ट्री मे काफी आगे बढ़ा है। इसके लिए और भी हमारी सरकार को कोशिश करनी चाहिए। हरियाणा दिल्ली के तीन तरफ फैला हुआ है जो कि भारत की और विदेशो की एक बड़ी मार्किट है, इसलिए यह इंडस्ट्रीज के क्षेत्र मे बेहद तरक्की कर सकता है। जापान, अमेरिका, जर्मनी और

जो बड़ी बड़ी इंडस्ट्रियल कंट्रीज है उनसे यहां ऐक्सपर्टस बुलाने चाहिएं और छोटी तथा बड़ी इंडस्ट्रीज यहां लगानी चाहिएं ताकि हरियाणा के हर व्यक्ति को काम मिल सके और वह खुशहाल हो सकें यहां हमे ऐसी चीजे पैदा करनी चाहिएं जो विदेशो से आती है और विदेशो को जाती हो। एक स्टेट का दूसरी स्टेट के साथ आपस मे कंपीटी शन नही होना चाहिए। मैं यह भी प्रार्थना करना चाहता हूं कि जो कोआप्रेटिव सोसाईटीज की इंडस्ट्रीज है उनके साथ भी सरकार को मुकाबला नही करना चाहिएं सरकार को नई इंडस्ट्रीज खोलनी चाहिएं जिनका मुकाबला पब्लिक के साथ न होकर दूसरे मुल्कों के साथ होना चाहिए।

इसके बाद गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रैस के अंदर पीने के पानी का जिक्र किया है। इस क्षेत्र मे भी वेसे तो काफी तरक्की हरियाणा मे हुई है लेकिन मै समझता हूं कि जितनी तरक्की होनी चाहिए थी इतनी नही हुई। इस बारे में हरियाणा सरकार की डिफिकल्टी मैं महसूस कर सकता हूं लेकिन लोग जैसे कहते है कि जो बैल चलता है इसी को और काम करने के लिए कहा जाता है दूसरे को नही। मो मैं समझता हूं कि सरकार पीने के पानी की तरफ भी काफी ध्यान देगी।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, सरकार मे ज्यादा बात फाईनैन्सिज की होती है, एडमिनिस्ट्रेशन की हो है और लीडरशिप की होती है। बहुत बातों के संबंध मे हम यहां कानून बनाते है लेकिन उसको इंप्लीमैंट करने मे जो डिले होती है या काम मे जो

कोताही करते है यह सबसे बुरी बात है। तो मैं समझता हूं कि सरकार इसकी तरफ भी ध्यान देगी। जो डिले होती है उससे सिवाय नुक्सान के कोई फायदा नही होता। (घंटी) तो इन शब्दों के साथ डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आपका धन्यवाद करता हूं क्योंकि आपने मुझे बोलने का टाईम दिया।

Deputy Speaker: Motion moved—

That the Address be presented to the Governor in the following terms:-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply greatful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 10th January, 1972."

चौधरी प्रताप सिंह दौलतपुरः मैडम डिप्टी स्पीकर, हाउस की कार्यवाही एक बजे तक चलनी है इसलिए आप अपोजीशन को कितना टाइम देना चाहती है। (विघ्न)

EXTENSION OF TIME OF THE SITTING

उपाध्यक्षाः यदि हाउस एग्री करे तो 45 मिनट का टाईम और बढ़ा दिया जाए। (विघ्न)

कुछ आवाजें: जी हां बढ़ा दें।

चौधरी प्रताप सिंह दौलतपुरः डिप्टी स्पीकर साहिबा,45 मिनट के अन्दर मैंने भी बोलना है और उधर से डाक्टर मंगल सैन

जी ने भी बोलना है। इतने थोड़े समय मे कौन कौन बोलेगा? (विघ्न)

उपाध्यक्षाः आप तीनों के लिए पन्द्रह मिनट्स दिये है। उसमे आप बोल सकते है। (विघ्न)

चौधरी प्रताप सिंह दौलतपुरः मै और चौधरी दलसिंह इस बात का प्रोटैस्ट करते है। (विघ्न)

उपाध्यक्षाः मैं केवल इतना कर सकती हूं कि जो आपको टाईम दिया गया है। उसमे से कोई कम ले ले दूसरा ज्यादा देर तक बोल ले। यह फैसला बिजनैस एडवाइजरी कमेटी मे हुआ है। (विघ्न)

(इस समय मैम्बर्ज बोलने लगे)

Deputy Sepeaker: One member at a time please.

चौधरी जय सिंह राठीः डिप्टी स्पीकर साहिबा, गवर्नर साहब तो यहां पर एड्रैस को पढ़ कर चले गये परन्तु यहां पर जो अपोजीशन बैठी है वह भी तो किसी मकसद के लिए बैठी होगी। उसको भी तो बोलने का हक है। आप कहती है कि पौना घंटा चीफ मिनिस्टर साहब बोंलेगे फिर अपोजीशन वालो को क्या टाईम मिला?

उपाध्यक्षाः अभी बिजनैस एडवाजरी कमेटी की मीटिंग मे जो भी फैसला हुआ है उसको मैंने आपको सुना दिया है। कल भी

मीटिंग हुई थी और उसमे भी फैसला हुआ था कि एक दिन दिया जायेगा गवर्नर ऐड्रैस पर बोलने के लिए यानी एक बजे तक हाउस की मीटिंग खत्म हो जाएगी। आप ने ही यहां पर सुबह को बिजनैस एडवायजरी कमेटी की रिपोर्ट को पास किया है। (विघ्न)

चौधरी जय सिंह राठीः डिप्टी स्पीकर साहिबा, बिजनैस अडवायजरी कमेटी का भी वही तरीका है। हाउस के रूल्ज की कोई बात का ख्याल नही रखती है। (विघ्न)

चौधरी प्रताप सिंह दौलतपुरः डिप्टी स्पीकर साहिबा बहुत सा टाईम तो ट्रैजरी बैंचिज वालो ने ही ले लिया। हम केवल 15 मिनट ही बोल सकते है।

चौधरी दलसिंह : डिप्टी स्पीकर साहिबा, मेरी गुजारिश है कि अगर आप खुला टाईम देती है तो ठीक है। अगर आप दस–पन्द्रह मिनटस ही देना चाहते है तो उसका कोई फायदा नही । जितना टाईम इस मोशन के मूवर ने लिया है कम से कम उतना टाईम अपोजीशन के लीडर को भी तो मिलना चाहिए। (विघ्न)

उपाध्यक्षाः हाउस के पास तो इतना ही टाईम हैं आप इस प्रकार से विघ्न न डाले। अगर आप यह चाहते है कि ज्यादा टाईम मिले तो आप फैसला कर लीजिए मैं मोशन मूव कर दूंगी। जो भी फैसला हाउस करेगा उसको मान लिया जायेगा। (विघ्न)

चौधरी जय सिंह राठीः यहा सुझाव कोई बहुत अच्छा सुझाव नही है। (विघ्न)

Deputy Speaker: What else can I do?

चौधरी दलसिंहः अगर आप वोटस से यह करवा सकती है तो ठीक है। यदि आपने हमे केवल 45 मिनटस ही देने है तो We are not ready to speak on this motion.

उपाध्यक्षाः मैं भी बिजनैस एडवायजरी कमेटी की मैंबर हूं। वहां पर जो भी फैसला हुआ है उसके मुताबिक ही कार्यवाही चल रही है। (विघ्न) इस लिये मेरी आपसे एडवाईस भी और प्रार्थना भी है कि अपोजीशन के मैंबरान को जरूर हिस्सा लेना चाहिए। आपको 45 मिनट दिये गये है उसमे आप बोल सकते है।

चौधरी जय सिंह राठीः यह किस प्रकार की मीटिंग हुई। ट्रेजरी बैंचिज के मैंबर यहां पर बीस बीस मिनट तक अपने भाषण की भूमिका बांधते रहें और हमें केवल 15–15 मिनट दिये जाये?

Chaudhri Dal Singh: As a protest we are going out.

(At this stage all the members of the Opposition present in the House staged a walk out)

RESUMPTION OF DISCUSSION ON GOVERNOR'S ADDRESS

श्रीमती प्रसन्नी देवी (इंदरी): डिप्टी स्पीकर साहिबा, हमारे राज्यपाल महोदय ने जो सदन मे अभिभाषण दिया है उसका धन्यवाद करने के लिए मैं खड़ी हुई हूं। जैसा कि आपको पजा है कि कुछ दिन पहले हमारे मुल्क को एक बहुत बड़ी लड़ाई लड़नी

पड़ी। उस लड़ाई मे हमें कामयाबी मिली। इस लड़ाई के दौरान जो भी हमारे नौजवान शहीद हुए है या अपंग हुए उनकी हमारी सरकार ने काफी सहूलियते देने का फैसला किया। यह सहूलियतें भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली सहूलियतों से अलग होंगी। इसके लिए मैं अपनी सरकार की सराहना करती हूं हमारे नौजवानों ने, अफसरों ने, बड़ी बहादुरी के साथ मोर्चो की फतह किया। हमारे नौजवानों की बहादुरी को देखकर आज दुनिया हैरान है। इस मुल्क को दुलिया एक कमजोर मुल्क समझती थी कि हिन्दुस्तान के लोग इतने तैयार नही है। परन्तु हमारे नौजवानों ने चाहे वे जल सेना के थे, या वायु सेना के थे या थल`सेना के थे सभी ने अपनी अपनी जगह बहुत बहादुरी के साथ दुश्मन का मुकाबला किया। इन्ही नौजवानो की बहादुरी और हौसले के कारण हिन्दुस्तान को विजय हासिल हुई है। इस लिए हमारी हरियाणा सरकार ने जो कुछ अफसरों और नौजवानौ के लिए किया है। उसके लिए सरकार को मुबारिकबाद देती हूं।

इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहिबा मैं हाउस के अपने साथियों से प्रार्थना करती हूं कि हमारा भी फर्ज है कि जो नौजवान मुल्क के लिए शहीद हो गए है उनके परिवारों की उनके बच्चो की और मां–बाप की हम मदद करे। जिन शहीदों ने मुल्क के लिए अपने प्राणो को गंवाया है और अपनी जान को हथेली पर रख कर देश की रक्षा की है। उनको इतिहास हिन्दुस्तान मे सोने के अक्षरो मे लिखा जायेगा। हमारे देश मे आने वाली पीढ़ियां इस

बात का फक्र महसूस करेंगी कि हारे देश के नौजवान कितने बहादुर थे? डिप्टी स्पीकर साहिबा, हमारी सरकार ने कुछ स्कीमें केन्द्रीय सरकार के अलावा, खास तौर से उन शहीद जवाने की विधवाओं के लिए चालू की है। मैं अपनी हरियाणा सरकार से एक और प्रार्थना भी करना चाहता हूं कि ऐसी बहिने जो अनपढ़ है, जिनको अक्षर ज्ञान बिल्कुल नही है उनके लिए कोई न कोई ऐसा काम चालू किया जाये या उनको सिखाया जाये जिससे वे अपनी रोटी कमा सके। यदि सरकार ऐसी कोई स्कीम चालू कर दे तो बहुत ही अचछा होगा और मुझे तो आशा है कि सरकार ऐसी अनपढ़ औरतों के लिए कोई न कोई स्कीम चालू करेगी। ऐसा करने से देहात मे रहने वाली अनपढ़ औरतों को काफी लाभ होगा। सर्विस के लिए जैसा कि हमारी सरकार ने फैसला कर लिया है वह तो ठीक है परन्तु फिर भी मैं सरकार से प्रार्थना करूंगी कि उन परिवारो के बच्चों को या जिन बहिनों के पति देश के लिए शहीद हुए है उनको हर डिपार्टमैंट मे प्राथमिकता दी जाये। सब से पहले उनको सर्विस दी जाये।

गवर्नर साहब के ऐड्रैस में हरियाणा मे हुई तरक्की का जिक्र किया गया है। यह सभी को मालूम है कि हरियाणा मे कितने अच्छे अच्छे काम हुए है। हरियाणा मे जो अच्छे काम हुए हे उनके लिए तो यह सरकार बधाई की पात्र है परन्तु साथ ही इसने यह भी करके दिखाया है कि हरियाणा स्टेट को एक पमूने की स्टेट बना दिया है। हमारे हरियाणा मे किसी एक ही क्षेत्र मे तरक्की

नही हुई है बल्कि हर क्षेत्र मे तरक्की हुई है। दूसरे राज्य तो यह सोचते है कि जो बाते हरियाणा मे हो रही है यह वास्तव मे सच्ची है या कहानी है। हमारी स्टेट मे जो कुछ हो रहा है वह सब सच्चा है और कहानी नही है।

हरियाणा की मौजूदा सरकार ने जिस तरीके से हरियाणा के देहातों को, हरियाणा के गरीब लोगो को ऊंचा उठाया है और उनको आग्र लाने की कोशिश की है इसका इतिहास हरियाणा मे सदा याद किया जायेगा।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, ऐस इलाके भी हमारे यहां थे जहां पर जाने मे एक आदमी को कई कई घंटे लग जाते थे। 10 मील दूर गांव मे जाने के लिये कई कई घंटे लगाने पड़ते थे और तब जाकर वहां तक पहुंच पाते थे। लेकिन आज हमे खुशी है कि सरकार ने कई बड़े अच्छे फैसले लिये। जैसे कि बिजली का फैसला था कि हरियाणा के हर एक गांव मे पिछले साल 19 नवम्बर तक बिजली पहुंच जायेगी और उस फैसले को पूरा भी किया गया । इसके आखिरी गांव का उद्घाटन उचाना गांव मे हमारी प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने किया। हमे खुशी है कि इससे न केवल हामरे सारे घरो मे ही बिजल आयी है और कारखानेदारों को फायदा हुआ है बल्कि सबसे बड़ा फायदा देहात के लोगों को हुआ है। जहां पर जमीन को पानी नही लगता था, जहां पर नहर की सिंचाई के कोई साथन नही थे, वहां पर आज टयूबवैल लग गये है। दो दो तीन तीन किले जमीन वाले किसान

ने भी अपने खेत मे टयूबवैल लगा लिये है। खास तौर से करनाल जिले मे अनाज की पैदावार, हिन्दुस्तान मे अपना स्थान रखती है। करनाल जिले के लोगो ने बहुत बड़ी तादाद मे जुट कर अनाज पैदा किया है। इसके साथ ही मैं आपके जरिये सरकार से प्रार्थना करना चाहती हूं कि इसमे कोई शक नही है कि बिजली बोर्ड ने काम करने मे कोई कसर नही रखी लेकिन किसी कारणवश या सामान ने मिलने से कुछ जगह अभी कमी है। जैसे मेरा इलाका है। पिछले 10–11 महीने से गांवों मे टयूबवैल कनैक्शन की काफी टैक्ट–रिपोर्ट पड़ी हुई है। क्योंकि उस इलाके मे नहरों का पानी कम है और वहां टयूबवैल्ज के जरिये सिंचाई होती है इसलिये मैं आपके जरिये सरकार से प्रार्थना करती हूं कि वह किसान, जिससे हम यह उम्मीद करते है कि वह ज्यादा से ज्यादा अनाज पैदा करे ताकि हमे बाहर से अनाज न मंगाना पड़े औरदूसरे मुल्कों के मुंह की तरफ न देखना पड़े, ज्यादा अनाज पैदा कर सके। इसके लिये आप काफी हद तक सहायक सिद्ध हो सकते है। यदि आप उनकी फसल को टाईम पर पानी दे दे, क्योकि आज ऐसा टाईम है कि उनको अगर पानी मिल जाये तो वह अनाज पैदा करने मे काफी बड़े हिस्सेदार बन सकते है। इसलिये मैं प्रार्थना कंरूगी कि कोई स्पैशल प्रबन्ध किया जाये ताकि उन लोगो को पानी दिया जा सके और उनकी फसलों मे बढ़ौतरी हो सके। मैं एक बार फिर कहूंगी कि उनके लिये पानी का जरूर प्रबंध किया जाये।

इसके अलावा सरकार ने 26 जनवरी, 1973 तक हरेक गांव तक जो सड़के पहूंचाने का फैसला किया है, यह बहुत ही सराहनीय कदम है। किसी को कभी यह उम्मीद नही हो सकती थी कि हरियाणा मे गांव इतनी जल्दी सड़को तक पहुंच भी सकते है क्योंकि मेरा जो चुनाव क्षेत्र है मुझको उसका पता है। अगर किसी को 10 मील दूर तक जाना पड़े तो वह यह सोच कर सुबह सुबह निकलता था ताकि रात होने से पहले पहले वा वापिस आ सके। आज हमारे हरियाणा गवर्नमैंट के इस फैसले से कि 26 जनवरी, 1973 तक सब गांवो को सड़कें चली जायेंगी और जिस पर कि तेजी से काम चालू है, लोगो की बहुत बड़ी तकलीफ दूर हो रही है और जिस टाईम यह सारा काम पूरा हो जायेगा तो हरियाणा की तरक्की के लिये एक बहुत अच्छी बात होगी। खास तौर से उन लोगो के लिये जो देहात मे रहते है और मजबूर या किसान है और जिन्हे मंडी मे अनाज ले जाना पड़ता है यह दिक्कत दूर हो जायेगी और वह देश की उन्नति के लिये जुट कर अनाज पैदा करने मे और ज्यादा उत्साहित हो कर काम करेंगे। डिप्टी स्पीकर साहिबा, सड़कों द्वारा एक गांव को दूसरे गांव से मिलाने की स्कीम है ही.....(घंटी).....

डिप्टी स्पीकर साहिबा, दो–तीन मिनट और दे दे। आपकी बड़ी कृपा होगी। लेकिन जो बड़ी बड़ी सड़के एक जिले को दूसरे जिले से मिलाती है ओर जिन्हे डबल बनाया गया है उससे भी बहुत लाभ हुआ है। इसी प्रकार से हैल्थ डिपार्टमैंट ने

इस दौरान मे काफी तरक्की की है। दूसरे डिपार्टमैंट की बजाये हैल्थ डिपार्टमैंट मे पिछले सालो मे बहुत कम काम होता रहा है। लेकिन इस साल इस डिपार्टमैंट ने एक बहुत अच्छा कदम उठाया है कि प्रत्येक प्राइमरी हैल्थ सैंटर मे एक्सरे की मशीने और प्रयोगशाला उपलब्ध कर दी जायेंगी इसके साथ ही मै सरकार को और हैल्थ मिनिस्टर साहब को यह बता देना चाहती हूं और प्रार्थना करती हूं कि यह स्कीम अभी तक इंदरी के प्राइमरी हैल्थ सैंटर मे लागू नही की गई इसलिये कृपा करके इसे जल्दी से वहां भी लागू करवाने का कष्ट करे। जहां प्राइमरी हैल्थ सैंटर को बड़े ढंग से और बड़ा बनाने की आपकी स्कीम है और जैसे कि आप ने बिजली और सड़कों के लिये एक निश्चित स्कीम बनायी है, इसी ढंग से हैल्थ के लिये भी आप कोई ऐसी स्कीम बनाये ताकि कम से कम 5 गावों के बीच मे एक डिस्पेंसरी हो जाये जिससे कि लोगो को दूर दूर न जाना पड़े और वह आपने स्वास्थय की दृष्टि से लाभ उठा सके। पीने के पानी को उपलब्ध कराने मे भी हमने काफरी काम किया है लेकिन मै समझती हूंकि इतने कुछ से भी हमारा काम नही चलेगा। हमारे हरियाणा मे बहुत से ऐसे इलाके है जहां पर कि पानी कई–कई सौ फुट की गहराई पर निकलता है जैसे कैथल तहसील हैं इसके बावजूद भी कई जगह पानी खारा निकलता है। ऐसे इलाको के लिये, जैसे भी हमे बजट मे इन्तजाम करने पड़े, सबसे पहले पीने के पानी का इन्तजाम करना चाहिए। इसी प्रकार से शिखा की दृष्टि मे भी हमारी हरियाणा सरकार ने एक बहुत ही सराहनी कदम उठाया है। बहुत बड़ी तादाद मे

प्राइमरी, मिडल हाई स्कूल और कालेज खोले है। खास तौर पर लड़कियों की एजुकेशन के बारे मे काफी सराहनीय कदम उठाया गया है। पिछले टाईम मे लड़कियां की शिक्षा के बारे मे यदि वे और भी तेजी से कदम उठाए तो एक अच्छी चीज होगी। (घंटी की अवाज)। डिप्टी स्पीकर साहिबा, एक मिनट ओर दे दीजिये। इसी प्रकार से हमने बिजली का, सड़कों का, स्वास्थ्य का, ऐजुकेशन और दूसरा सारा काम किया है और वह भी एक दृढ़ निश्चय बना कर किया है कि इतने टाईम मे पूरा करना है, पशुओ के अस्पताल की मेरे इलाके मे बहुत कमी है मेरे इलाके इंदरी मे अढ़ाई–सौ के करीब गांव है, इंदरी और कुंजपुरा को छोड़ कर बाकी किसी भी गांव मे पशु अस्पताल तो दूर रहे डिस्पैंसरी तक नही है। जो इलाके पिछड़े हुए रहे है, मैं मानती हूं कि उनको आगे लाने के लिये इस सरकार ने काफी काम किया है, लेकिन मै प्रार्थना करूंगी कि जहां पर पशुओं के अस्पताल की इतनी कमी है। वहां पर ध्यान देकर वह इस कमी को पूरा करें। इन शब्दों के साथ मैं राज्यपाल महोदय का उनके अभिभाषण के लिये धन्यवाद करती हूं और श्री बनारसी दास गुप्ता जी ने जो प्रस्ताव रखा है, उसका समर्थन करती हूं। जय हिन्द।

WALK OUT

श्री मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहिबा, मुझे इतना ही बोलना है कि हमारी एक मीटिंग हुई थी। वहां पर यह बात कही गयी कि आप अपोजीशन के सारे मैंबर्ज केवल आधा घंटा या 45

मिनट ही बोलिये। डिप्टी स्पीकर साहिबा, हमारी कल भी एक मीटिंग हुई थी। कल उन्होने कहा थ कि गवर्नर के एड्रैस पर और बजट पर तीन दिन दिये जोयेंगे। गवर्नर के एड्रैस पर हाउस वैसे तो एक बजे तक होत है लेकिन आपको डेढ़ घंटे का टाईम मिल जायेगा। उन्होंने डेढ़ घंटे का वायदा पूरा नही किया है। हम आधे घंटे मे आपनी बात नही कह सकते क्योकि गवर्नर का एड्रैस गवर्नमैंट की पालिसी के बारे मे बहुत इम्पोर्टेंट है। डिप्टी स्पीकर साहिबा, आप तो बड़ी सीजंड पार्लियामैंटेरियन है। आपने तो सारे हाउस देखे है। पंजाब का भी देखा है और हरियाणा का भी देख रही है। आज तक ऐसा कभी नही हुआ कि हमे बोलने का भी अवसर न दयिा यगा हो। मैं आपसे यह प्रार्थना करता हूं कि सारी अपोजीशन ने यह फैसला किया है कि एज ए प्रोटैस्ट हम आज हाउस` बोलेंगे ही नही।

उपाध्यक्षाः क्या आप चेयर की तरफ से चाहते है कि मैं इसका जवाब दूं।

श्री मंगल सैनः आप जवाब देते रहिये, हम तो चले।

(All this sgate all the members of the Opposition present in the House staged a walk out)

RESUMPITON OF DISCUSSION ON GOVERNOR'S ADDRESS

चौधरी हरकिशन लाल कम्बोज (रोड़ी): डिप्टी स्पीकर साहिबा, गवर्नर ऐड्रैस पर जो धन्यवादका प्रस्ताव पेश हुआ है में

उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। बहुत खुशी की बात है कि हरियाणा मे पिछले तीन चार साल से लगातार हर क्षेत्र मे बहुत तरक्की हो रही है। गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रैस मे जो इन सारी तरक्कियों के बारे मे जिक्र किया है वह बिल्कुल दुरूस्त है और हमारी सरकार ने जो स्कीमें हर क्षेत्र मे बनाकर हरियाणा को आगे ले जाने का वायदा किया था वह पूरा किया गया है और हमारे लिए यह एक बहुत ही फक्र की बात है। हमारी सरकार ने पिछले तीन सालो मे जो वायदे वक्त वक्त पर किए वे केवल वायदे ही नही रहे, वे सब बाते पूरी की गई है। इन सब बातो को देखकर मैं कहता हूं कि हर क्षेत्र मे चाहे वह इरीगेशन का महकमा है, तालीम का महकमा है, स्वास्थ्य का महकमा है, गर्ज यह कि हमारे प्रान्त ने हर बात मे बहुत शानदार तरक्की की है। इसके लिए हमारी सरकार धन्यवाद की पात्र है।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आपकी मारफत दो–तीन बाते सरकार से कहना चाहता हूं। उनकी तरफ आने वाले वक्त मे खासतौर पर ध्यान दतेने की जरूरत है। पहल बात जिसका मैं जिक्र करना चाहत हूं वह यह है कि हमारे प्रदेश मे शराब नोशी की आदत बहुत हद तक बढ़ गई है। एक तरफ हरियाणा को आगे ले जाने के लिए हमारी सरकार कोशिश कर दही है और दूसरी तरु यहां लोगो के अन्दर शराब नोशी की आदत दिन प्रति–दिन बढ़ रही है और इससे ला एंड आर्डर की समस्या पैदा होती जा रही है, फजूलखर्ची बए रही है और जनता की सेहत पर बहुत बुरा

असर पड़ रहा है। दिन प्रतिदिन लोगो की सेहत पिछे जा रही है। पहले यह वायदा किया गया था कि एक साल या डेढ़ साल मे शराब बन्दी कर देंगे लेकिन वह वायदा पूरा नही किया गया। ठेकेदार अपनी कमाई के लिए बड़ी रद्दी किस्म की शराब बनाकर देहातो मे बेचते हे। उनको अपनी थैली भरने का फिकर है जनता की सेहत का कोई ख्याल नही। जनता भाड़ मे जाए ठेकेदारो को तो पैसा चाहिए। ये लोग स्प्रिट को शराब की शक्ल मे लोगो को पिलाते है। मैं समझता हूं कि वह एक जहर ही होता है और वे इस जहर को जनता को पिला रहे है। मैं समझता हूं कि वह एक जहर की होता है और वे इस जहर को जनता को पिला रहे है। सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए और मै चाहता हूं कि तजतनी जल्दी हो सके शराब को हमारे प्रान्त मे बंद कर देना चाहिए।

गवर्नर साहर के ऐड्रैस मे दूसरी बात वैकवर्ड क्लासिज, हरिजन तथा दूसरे जो दबे हुए तब्के है उनको आगे ले जाने की बात कही गई है। मैं यह मानता हूं कि उनको आगे ले जाने की तरु बहुत ध्यान दिया जा रहा है लेकिन मैं एक बात की ओर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं कि बैकवर्ड क्लासिज के बच्चों को वजीफे देने तथा स्कूल मे कापी किताब देने के लिए एक शर्त रखी गई है कि बैकवर्ड क्लास के बच्चे के मां–बाप की सालाान आमदनी 1800 रूपए होगी उसको यह रियायत नही मिलेगी। यह तो एक तरह का मजाक हैं आजक मंहगाई के जमाने मे अठारह

सौ रूपए सालाना किसकी आमदनी नही होगी। इस मंहगाई को देखते हुए तो अठारह सौ रूपये मे एक मियां–बीवी का भी गुजारा नही होता। ऐसी हालत मे वे लोग झूठा ब्यान देंगे कि हमारी आमदनी अठारह सौ रूपये नही है। इतनी थेड़ी आमदनी मे वे अपने बच्चो को कैसे पढ़ा सकते है, कैसे अच्छी जिन्दगी बसर कर सकते है। इस संबंध मे मेरा कहना यह है कि इस अठारह सौ रूपये की लिमिट को बढ़ाना चाहिए। जैसा कि गवर्ननर साहब ने एड्रैस मे तरक्की के बारे मे बताया है और जिस प्रकार हरियाणा मे बाई लीप्स एंड बाउंडज तरक्की हो रही है उसके देखते हुए हरियाणा हिन्दुस्तान मे अव्वल नम्बर की स्टेट है और आईन्दा ऐशिया मे अव्वल नम्बर की स्टेट बनने जा रही है। इन लफ्जों के साथ मैं खत्म करता हूं और गुप्ता जी ने जो धन्यवाद का प्रस्ताव रखा है उसका समर्थन करता हूं।

चौधरी रणधीर सिंह (घरौडा): आदरणीय उपाध्यक्ष महोदया, आज सदन के सामने राज्यपाल महोदय के ऐड्रैस का समर्थन करने के लिए जो प्रस्ताव आया है, मैं उसका समर्थन करने के लिए खडऋा हुआ हूं। हिन्दुस्तान के नक्शे के अन्दर बहुत से राज्य है लेकिन उन राज्यो मे हरियाणा प्रदेश ने जो उन्नति और तरक्की की है उसको राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के अन्दर अच्छी प्रकार व्यक्त किया गया है। यह बात ठीक है कि 1966 से पहले जब हरियाणा प्रदेश और पंजाब एक सूबा था हमारे बहुत से हिस्से पिछड़े हुए थे और उन हिस्सों मे न खेती की

उन्नति हो सकती थी, न ही अच्छी सड़के थीं और न ही बिजली के साधन थे ओर किसान अच्छी तरह से अपनी खेती का उत्पादन नही कर सकते थे। शिक्षा की दशा भी अच्छी नही थी। छोटे छोटे गांवो मे स्कूल नही थे। हरियाणा प्रदेश बनने के बाद जैसा आपको मालूम है हमारे प्रदेश मे स्टेबल सरकार आई और उस स्अेबल सरकार ने अनेक प्रकार के कारनामे किए। इससे साफ जाहिर है कि किसी पिछड़े हुए इलाके मे तरक्की करने के लिए किन किन चीजो की जरूरत होती है। राज्यपाल महोदय ने अभिभाषण मे यह साफ तौर से जाहिर किया गया है कि सरकार ने कौन कौन से काम इस दौरान मे किए हैं जैसा गुप्ता जी ने बताया था कि हमने अनेक प्रकार की नहरे खुदवाई औरऐसी जगह पानी पहूंचाया जहां पीने के पानी के लिए तरसते थे पहले कुछ इस सरकार ने वाटर सप्लाई स्कीम बनाई और लोगो के पीने के पानी का इंतजाम किया। **(इस समय सभापतियों की सूची मे से एक सदस्य श्री राज सिंह दलाल पदासीन हुए)** सभापति महोदय, हमने देखा है कि हरियाणा प्रदेश के अनदर किस प्रकारसे खतो को पानी दिया गया और पीने के पानी की सुविधा दी गई। हमारी सरकार ने एक खार का कारखाना कायम किया है जिसका उद्घाटन पिछले दिनो किया गया है। इस कारखाने की उत्पादन क्षमता तीस हजार टन की होगी ओर यह कोआपरेटिव बेसिज पर होगा। इसी प्रकार इस सरकार ने तरक्की के साधन जुटाए है। सभापति महोदय, हमारी सरकार ने तरक्की क और भी कई लक्ष्य तैयार किये है। हरेक गांव को सड़क से मिलाया जाएगा और

सड़को से मिलने के के बाद गांव का आदमी गांव से शहर तक आसानी से आ जा सकेगा और इस तरह से लोग अब पढ़ाई–लिखाई के, और उन्नति करने के साधनों को पूरी तरह से जुटाने मे समर्थ होंगे। सभापति महोदय, अभी कृषि विश्व विद्यालय, हिसार के बार मे जिक्र आया था। इसकी उन्नति के लिये हमारी सरकार ने बहुत खूबी के साथ काम किया है। जिला करनाल मे कौल गांव मे चलाया जा रहा कृषि महाविद्यालय भी उस विश्व विद्यालय ने संभाल लिया है। यह भी निर्णय किया गया है कि जिला करनाल के कौल गांव मे चल रहे कृषि विश्वविद्यालय को हिसार के कौल कैम्पस के रूप मे परिवर्तित कर दिया जायें वहां वहां के लड़के जोकि अब पहले हिसर विश्व विद्यालय मे पढ़ने के लिये जाया करते थे अब वे लड़के अपने गांव मे ही रहकर अच्छी तरह से अपनी पढ़ाई वगैरह कर सकंगे और उनके वहीं पर रहने से वहां के लोग भी कृषि मे तरक्की कर सकंगे। यह सब बातें राज्यपाल महोदय के अभिभाषण मे दी हुई है। लेकिन इसके साथ ही साथ हम सरकार से कुछ और बात`चाहते है जिससे हि हरयाणा प्रान्त की और ज्यादा तरक्की हो सकेगी। सभापति महोदय, मेरा हल्का घरौंडा है और उस मे कुछ टूटी–फूटी सड़के ऐसी पड़ी है जो पहले से भी बदतर हालत मे होंगी आगे सरकार का ध्यान नई सड़के बनाने का हे और बहुत तेजी से बन रही है। हम चाहते है कि सरकार का पुरानी सड़कों की मुरम्मत की ओर भी ध्यान हो। पुरानी चीजो को दूसरी नजरो से न देखा जाए।

तीसरी चीज जो अभी–अभी मेरे बोलने से पहले एक भाई ने कही और श्री गुप्ता जी ने भी अपने ाािषण मे जिका जिक्र किया कि हमारी स्टेट के गांवो के अन्दर पशुओ की बहुगिनति है, इसलिये गांवो मे पशुओ के अस्पतालों की बहुत जरूरत है। लेकिन अभी तक हरियाणा के अन्दर इस तरफ कोई खास ध्यान नही दिया गया है। असंध के अन्दर जहां कि हस्पताल है, वहां भी इस बारे मे काई अच्छे साधन नही है। लोग जब अपने पशुओ को इलाज के लिये ले जाते है, अपने पशुओ को इंजैक्शन लगवाने के लिये आते हे तो उनको अपने पास से इंजैक्शन खरीद कर लगवाने पड़ते है, हस्पतालों से उन्हे इंजैक्शन नही दिये जाते। चूंकि हरियाणा की जनता बहुत गरीब है, यह भार बर्दाश्त नही कर सकती, इसलिये हम चाहते है कि इंजैक्शन वगैरह सरकारी हस्पताल से ही लगाए जाएं और इसके लिये सरकार पूरा–पूरा प्रबंध करे।

सभापति महोदय यह हरियाणा प्रदेश तरक्की की तरफ जा रहा है, फिर भी इतनी तरक्की नही की गई है जैसे कि दूसरे मुल्कों मे हो रही है, आप पर हर छोटे गांव मे हाई स्कूल है, वहां पर छोटी–छोटी यूनीवर्सिटीज है ओर बहुत से छोटे–छोटे इंडस्ट्रीज लगाए जिससे लोग ज्यादा से ज्यादा उत्पादन कर सके। यही बात नही हमारे गांव को आज उन्नति करने के लिये और चीजो की भी जरूरत कर सकें। यही बात नही हमारे गांव को आज उन्नति करने के लिये औरचीजों की भी जरूरत है। वह यह

है कि हमारे गांव मे पंचायतो को अच्छी तरह से काम करने के लिये रिसोर्सिज की बहुत आवश्यकता है। इसलिए हमारी सरकार को चाहिये कि पंचायतों के अन्दर प्रशिक्षण केंद्र खोले जिससे स्माल स्केल इंडस्ट्रीज को भी बढ़ावा मिल सके और इसके साथ ही साथ लोग इन केन्द्रो से पूरा–पूरा फायदा उठा सके। सभापति महोदय राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण मे बताया है कि हमारी स्टेट कितनी तरक्की करती जा रही है। आज हरियाणा प्रदेश को टाप का प्रदेश कहा जाता है, उसको अब हम पिछड़ा हुआ प्रदेश नही का सकते जैसे कि आज से 10 साल पहले कहा जाता थां यह सब हमारी सरकार के कारनामे है। कुछ भाई जो विरोधी सदस्य है, वह इस बात की नुक्ताचीनी करते रहते है जैसे बिजली के काम के बारे मे, बिजली के खम्भों के बारे मे आदि–आदि । बजाये इस बात के कि वे प्रशंसा करें कि हमारी सरकार ने कितना अच्छा काम किया, कितने थोड़े अर्से मे हमारे प्रदेश ने तरक्की की है, वे नुक्का चीनी करते है यह जरा सोचने की बात है। सभापति महोदय हम चहाते है कि हमारी सरकार इसी प्रकार से काम करती रहे और हरियाणा प्रदेश इसी तरह तरक्की करता रहे। मैं इन शब्दों के साथ राज्यपाल जी के भाषण का और गुप्ता जी ने जो प्रस्ताव पेश किया है, उसका समर्थन करता हूं।

चौधरी लाल सिंह (नारायणगढ़): चेयरमैन साहब, राज्यपाल महोदय नेजो कल अपना भाषध दिया, मै उसका दिल से स्वागत करता हूं क्योंकि उसके अन्दर ऐसी–ऐसी बाते है जो

हमारी स्टेट की बहुत भलाई मे जाती है। इसमे कोई दो राय नही हो सकती। अभी जो हिन्दोस्तान और पाकिस्तान का युद्ध हुआ उस मे जो हमारे वीरो ने वीरता दिखाई उनके लिये जो सरकारने रियायते दी है वह बड़ी सरहानीय है, इसके साथ साथ मैं यह भी कहे बगैर नही रह सकता कि जब युद्ध हुआ था, हमारी स्टेट के अफसरों और कर्मचारियों ने ब्लैक आउट के दिनो मे जो इंतजाम किया वह बड़ा काबिले तारीफ था। जब पाकिस्तान के हवाबाजों को यह कहा जाता ाि कि जाओ हिन्दोस्तान पर बम्ब फैंक आओ तो ब्लैक आउट का यहां पर इतना अच्छा प्रबंध था कि उनके हवाबाजों को यहां पर अंधेरा ही अंधेरा दिखाई देता ाि तो वे कहीं गैर आबादी मे बिना निशाने के बम्ब फैंक जाते थे जिसके कारण कोई नुकसान नही हुआ । तो इस बात का सारा श्रेय, यहां की सरकार को चाहिए कि अफसरों और कर्मचारियों को दे। इससे पहले जब दो बार दुश्मन ने हमला किया था उस समय भी इतना अच्छा प्रबंध नही था जितना कि इस बार हमारे अफसरों और कर्मचारियों ने किया है। बेशक वे तन्खाह लेते है, और किसी भी पोस्ट परकाम करते है, मगर इस बार जितना अच्छा ब्लैक आउट का उन्होंने इंतजाम किया, उसके लिये सरकार को चाहिये कि उनहे रिवार्ड दे या सराहना करे।

अब मैं हरियाणा सरकार की तारीफ किये बगैर भी नही रहा सकता चाहे आप कहेंगे ही कि यूं ही टाईम जाया कर रहा है। जिस तरह का काम हमारी मौजूदा सरकार कर रही है, मैंनेतो

आज तक किसी भी सूबे की सरकार का ऐसा काम नही देखा है। जहां 6 महीने के अंदर एक पुल की सर्वे भी नही हुआ करती थी और यहां 6 महीने के अंदर इस सरकार ने घग्गरका पुल चालू कर दिया है। जहां तक सड़कों का ताल्लुक है वह हमारी सरकार ने बना दी है। असली बात तो यह है कि काम करने वाले की तो भगवान भी मदद करता है। इसलिये जो भी सरकार काम करने वाली आएगी, जनता उसी की मदद करेगी। जो काम नही करता उसका साथ तो घर की फैमिली भी नही देती। इसलिये इस सरकार के कामों की कदर प्रान्त के हर आदमी के दिल मे है कि सरकार ने बहुत अच्छा काम किया है। आजकल यह बात चल रही है कि इन दिनो हवा भी अच्छी है, इसलिये इलैक्शन करवा लो। मैं कहता हूं कि यह हवा हमेशा ही अच्छी रहेगी क्योंकि जनता का, जो सरकार काम करेगी, उसी को जनता का प्यार, सत्कार मिलेगा, उसी को जनता वोट देगी। लोग तो हर वक्त इस बात के लिये तैयार है कि जब भी यह सरकार इलैक्शन करायेगी हम इनके वोटो के बक्स भर के भेजेंगे। इसलिए इस सरकार ने जो हमारे ऊपर अहसान किया है हम उस के लिए मशकूर है। आज से पहले हर एम.एले.. को पब्लिक यह कहती हरी है कि तुम वोट तो लेने आ गए हो काम तो आप ने हमारा कोइ करवाया नही। लोग उनको वोट देने के लिए तैयार नही होते थे जिस की वजह से उनको हल्के बदलने पड़ते थे। अब की दफा लोग हमे इस तरह नही कह सकते। मैं कहता हूं कि इस सरकार का हम किसी भी हालत मे अहसान नही भूला सकते। जनता सरकार की इतनी

शुक्रगुजार है जितना कि एक आई.ए.एस. बच्चा अपने बाप का शुक्रगुजार होता है क्योकि बाप ने उसे पढ़ा लिखा कर लायक बनाया होता है। इसी तरह से सरकार ने लोगों को बहुत ही सहूलियते मुहैया की है और हमें योग्य बनाया है। आज तक तो हम भाड़ ही झोंकते रहे। मुझे एक दो आदमी बूढ़े मिले उन्होंने कहा कि सड़के और बिजली हम पहले शहरो मे देखा करते थे। अब तो हमारे देहात मे भी आ गई है इस लिये अब शहरों और गांवो का फर्क नही रहा है। हम अपनी सरकार की हमेशा ही याद रखेंगे। इस मे दो राए रही है कि हमारी स्टेट के अफसर सरकार की पालिसी को समझ कर जनता की सेवा कर रहे है। हमारे जो विरोधी भाई है अगर वे सरकार की नुक्ताचीनी करते है तो मैं समझता हूं कि वे जनता की भलाई के कामो मे रोड़ा अटकाते हैं उसकी सारी जिम्मेवारी उन्ही को ही भुगतनी पड़ेगी। अगर किसी इमानदारी के साथ काम करने वाले के ऊपर कीचड़ उछाला जाए ाते वह मुनासिब बात नही होगी। मेरी राय यह है कि अगर इलैक्शन सन् 1973 मे करवाए जांए तो हमे लोगों से वोट मांगने की जरूरत नही पड़ेगी वे अपने आप ही हमे वोट देंगे।

श्री सभापतिः आप का समय हो गया है।

चौधरी लाल सिंहः चेयरमैन साहब, मैं सरकार की तरु से किए जा रहे कामों के बारे मे अर्ज कर रहा हूं । मै अपनी सरकार को और राज्यपाल साहब को दिल से मुबारिकबाद पेश करता हूं जिन्होंने हरियाणा का नाम अपने देश कही नही बल्कि

सारी दुनिया मे ऊंचा किया है। हमारे मिनिस्टर रात दिन मारे मारे फिरते है और अफसरों को आर्डर दे कर आते हे कि फलां फलां काम जल्दी करो। राम राज्य इस बात को कहते थे कि जनता के मुंह से जो बात निकले वह पूरा हो, अब राम राज्य आ गया है। वैसे तो अमेरिका भी बहुत सी बाते करता है लेकिन वे सुसरे व्यापारी है। हमारी सरकार ने यह बहुत अच्छा काम किया है कि हर जिले मे सारे दफतर एक जगह पर ही होंगे। इससे लोगों को बड़ा आराम होगा, वे किराए भाड़े देने से बचेंगे। उसी तरीके से हमारी सरकार को राजधानी मे भी सरे दफतर एक ही जगह पर इकट्ठे कर देने चाहिए क्योंकि लोगों को प्राईवेट कोठियों मे दफतर ढूंढने मे बड़ी मश्किल पेश आती है । चेयरमैंन साहब क्योंकि हमारी सरकार मंह मांगी चीज देती हे इसलिए मैं एक दो बात और कहना चाहता हूं। मैं यह कहना चाहता हूं कि जो जमींदारो से इस वक्त 48 पैसे फी यूनिट बिलजी के टयूबवैलों के लिए वसूल किए जाते उनको कम करके 26 या 26 पैसे कर दिया जाए। दूसरी बात सड़कों के मुताल्लिक है। इस वक्त बजरी मे 15 परसैंट देता ठेकेदार मिला कर दे रहा है, वह सरकार को खुद मिलाना चाहिएं अब आप का हुक्म हो गया है और हमारी पार्टी के लीडर का भी हुक्म हो गया है इसलिए मैं गवर्नर साहब को और हरियाणा के कर्मचारियों को तहदिल से बधाई देता हूं और उम्मीद करता हूं कि सरकार रात दिन तरक्की करेगी।

चौधरी बनवारी राम (जुंडला एस.सी.): चेयरमैंन साहब, आज हमारे सामने गवर्नर साहब के भाषण पर चर्चा हो रही है और मैं गवर्नर साहब के भाषण का स्वागत करता हूं। चेयरमैन साहब आज वह बात आई है जिस के बारे मे मैं तीन चार सालो से कहता चला आ रहा हूं। जितने भी सैशन पहले गुजरे है मैं उन सब मे बोलते वक्त फौजियों और एक्स सर्विसमैंन को सहूलते देने के लिए बेनती करता रहा हूं, उनकी बेहतरी की तरु सरकार का ध्यान दिलाता रहा हूं। चेयरमैन साहब आप जानते है कि देश हमेशा फौजियों की ताकत पर खड़ा होता हैं इस वक्त मैं ज्यादा दलील मे नही जाना चाहता, सिर्फ इतना ही कहता हूं कि हमारी सरकार ने वह काम किए है जो कि दूसरे सूबों की निसबत बहुत ज्यादा है । मिसाल के तौर पर अगर दूसरे सूबो ने तीन हजार रूपया देने की बात की है तो हमारी सरकार ने सात हजार की बात की है। अपोजीशन के लीडरो से लड़ते रहते है ा और मैं समझता हूं उनका हक भी है। लेकिन मैं अपोजीशन के लीडरों से एक बात पूछना चाहता हूं जो 31 साल तक हकूमते चलती रही उस मे उन्होने हरिजनों के लिए क्या किया था। उस वक्त हरिजनो को सिर्फ तीन परसैंट नौकरियों पर लगे हुए थे और आज इस हकूमत मे मेरे आंकड़ो के अनुसार शायद 12 परसैंट के करीब पहुंच गए है। हमारी सरकार ने 9 परसैंट और हरिजनो को नौकरियो पर लगाया है। 21 सालो मे पहले सिर्फ तीन परसैंट ही लग पाए थे। मैं अपनी सरकार से अर्ज करूंगा कि जो बाकी का थोड़ा बहुत घाटा है वह भी जल्दी से जल्दी पूरा कर दिया जाए।

आज जिस तरफ भी हम देखे वहां तरक्की ही हो रही हैं इस सरकार ने जितना रूपया चार सालो हरिजनो को दिया है उतना शायद 31 सालों मे भी किसी ने नही दिया था। चेयरमैंन साहब, मैं बहुत दिनों से स्यासत मे हूं और जहां तक मेरा विचार है यह ही एक चीफ मिनिस्टर है सारे हिन्दुस्तान मे जो बेदाग है इनके अंदर किसी के बारे मे कोई फर्क नही है और न ही और कोई बात है लेकिन इनकी भी नुक्ताचीनी की जा रही है। चेयरमैंन साहब, अगर हमारे मुख्य मंत्री जी काबिल और गरीबों के हितो के लिये काम करने वाले वर्कर न होते तो शायद हम जो अपोजीशन के नुमाइंदे था वे इस हकूमत मे आकर इस सरकार का साथ ने देतें यह सब से बड़ी निशानी है चेयरमैंन साहब, इनके नेकनियती से काम करने की कि हम जो अपोजीशन के थे इनके साथ मिलकर लोगो की भलाई के काम कर रहे है। यह बात सब जानते हे कि जिला करनाल अकेला 40 फीसदी अनाज पैदा करके देता है और बाकी 60 फीसदी 6 जिले पैदा करते है । करनाल जिले मे भी जो सब से जयादा अनाज पैदा करता है वह नरतक का इलाका है। लेकिन जितनी सहूलियें दूसरे इलाके के अन्दर दी गई है उतनी हमारे नरतक के इलाका मे नही दी गई है। हमारे नरतक के जितने किसान है वे कमाना जानते है और दूसरी कानून वगैरह की बाते और शोर शराबा करने की बाते नही जानते है। इसी वजह से दूसरे इलाके तो आगे जा रहे हे लेकिन हमारा नरतक का इलाका पीछे है। सड़कों के बारे मे सरकार बहुत अच्छा काम कर रही है लेकिन मैं सरकार से एक प्रार्थना करना चाहता हूं कि हमारे

नरतक के इलाका को इस मे पीछे रखा जा रहा है। वहां पर जो 200/300 घरों के गांव है उनका नाम सड़कों के रिकार्ड मे नही है और वहां पर सड़के प्लान नही की गई है। कल मैं उन अफसरों से मिला और वह कहने लगे कि कोई गांव खाली नही रहेगा लेकिन मेरे इलाका मे कई गांव ऐस हे जो काफी बड़े है लेकिन उनके नाम सड़को के रिकार्ड मे नही है। मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि जो पचास कुड्ढी के भी गांव है उन मे भी सड़क बनाने का काम किया जाये और छोटे–छोटे गांव भी जो मेरे इलाका मे है उनको सड़कों की स्कीम मे ले लिया जाये ताकि वह भी कह सकें कि यह सरकार हरेक की तरफ पूरा ध्यान दे रही है और उनके गांवो मे भी सड़क आ गई है। चेयरमैन साहब, हमारी सरकार ने एक बहुत अच्छा काम किया है जोकि शहरो मे खोखे थे उनको हटा कर दुकाने बना कर उन छोटे दुकानदारों को दी है लेकिन इसमे एक दिक्कत यह है कि वे लोग कहते हे कि उन से उन दुकानो का किरयाा लिया जा रहा है जिसे वे अदा नही कर सकते है। वे कहते है इससे तो खोखे ही ठीक थे जहां वे थोड़ा बहुत कमा कर अपने बाल बच्चों का पेट पाल लेते थे लेकिन अब तो वे किराया देने जितना भी नही कमा पाते है रोटी कहां से खाये। इस लिये मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि जहां यह सरकार इतने तरक्की के काम कर रही है और इतना खर्च कर रही है वहां यह जो छोटे छोट लोग खोखो मे काम करते थे उनसे जो अब मारकिट कमेटियों की तरफ से इतना किराया लिया जा रहा है जिसे वे दे नही सकते उनके बारे मे मारकिट कमेटियों

को यह कहा जाये कि वे उन छोटे दुकानदारो से थोड़ा और जायज किराया ले। जितना पेसा सरकार का उन पर लगा है वह सारा दो तीन साल मे किराया की शक्ल मे पूरा हो जायेगा लेकिन दुकानो की मालिक फिर सरकार ही रह जायेगी। यह बात ठीक नही है। या तो ऐसा किया जाये कि उन दुकानो की किश्ते मुकरर्र कर दी जाये और जब पैसा पूरा हो जाये वे दूकाने उनको ही दे दी जाये। इस वक्त तो जितने भी किरायादार उनमे बैठे है सब दुखी है। मुझे उम्मीद है कि सरकार इस तरु ध्यान देगी। चेयरमैंन साहब, मैं अपोजीशन वालो से कहना चाहता हूं कि इस सरकार की सारे हिन्दुस्तान मे कोई किसी किस्म की नुक्ताचीनी नही कर सकता। मैं चीफ मिनिस्टर सहाब से कहना चाहता हूं कि मेरे हलका मे कुछ गांव ऐसे है जो सौ और दो सौ कुड्ढी के है लेकिन उनको सडको के प्लान मे नही लिया गया है। उनको इस मे लिया जाये और जो पचास कुड्ढी के गांव भी है उनको भी सड़को की स्कीम के अन्दर ले लिया जाये। हरिजनो की जितनी तरक्की हमारे इन चीफ मिनिस्टर साहब के समय मे हुई उन का किराया बहुत ज्यादा है उसे कम किया जाये या वे दुकाने उनको किश्तों मे दे दी जाये। इसके अलावा चीफ मिनिस्टर साहब से मैं प्रार्थना करता हूं कि हरिजनों की जो कुछ समस्यायें रह गई है। उनकी तरफ ध्यान दिया जाये और उनको दूर किया जाये।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): चेयरमैन साहब, आज सबेरे से सदन मे राज्यपाल महोदय के ऐड्रैस पर बहस हो रही ह। कल

जिस समय बिजनैंस ऐडवायजरी कमेटी की मीटिंग हुई थी उस सकयत यह ते हुआ ाि और अपोजीशन ने भी इस बात को माना था कि दो दिन जनरल डिस्कशन आन दि बजट के लिये रखे जाये और एक दिन जनरल डिस्कशन ने चूनैनीमसली इस बात को माना और आज भी एक घंटा पहले स्पीकर सहाब ने चैंबर मे अपोजीशन के साथी यह तै करके आये थे कि हम 15/15 मिनट बोलेंगे लेकिन मुझे अफसोस हे कि उन्होने डिबेट मे कोई हिस्सा नही लिया। इसके मायने मैं यह लगाता हूं कि अपोजीशन के साथ कुछ कहने को है नही जो वे कहते या बोलते । अगर उनके पास कुछ कहने के लिये होता तो वे हाउस मे बैठते और अच्छे–अच्छे सुझाव देते (इस समय भी अध्यक्ष पदासीन हुए) स्पीकर साहब, आपने देखा है कि जब किसी वक्त आपोजीशन अच्छे सुझाव देती हे तो गवर्नमैंट उनको मानने से हिचकिचाती नही है। अपोजीशन का यह जो रवैया है मैं इस पर अफसोस ही जाहिर करूंगा, और यह कोई अच्छी बात नही ।

स्पीकर साहब, आपको पता है कि अभी पिछले महीने की तीन तारीक्ष को पाकिस्तान ने हमारे देश पर हमला किया और हमारी सेनाओं ने उनके हमले का मुंह तोड़ जवाब दिया और सिर्फ 13/14 दिन मे ही हमारी सेनाओं ने बंगला देश पर फतेह हासिल की या पूर्वी बंगाल पर फतेह हासिल की और वहां की हकूमत बंगला देश के लोगों को सौंप दी। मेरा ख्याल हे कि रामायण के बाद यह एक पहली मिसाल हे जो हमारी प्रधान मंत्री महोदया ने

कायम की है। या तो भगवान राम चन्द्र जी ने लंगा को फतेह करके उसका राज विभीषण को सौंप दिया था या फिर आज हमारी प्रधान मंत्री महोदया है जिन्होंने पूर्वी बंगाल फतेह करके वहां का राज वहां के लोगो को सौंप दिया। (प्रशंसा) वहां की सरकार को रिकोगनाईज कर दिया और बंगला देश उसी तरह का स्वतंत्र देश है जिस तरह हिन्दुस्तान, रूस पाकिस्तान चीन या संसार का कोई और देश। इस लड़ाई के दौरान हमारी तीनो सेनाएं, तीनो विग्ज ने बहुत अच्छा काम किया और बड़ी बहादुरी से लड़ें इसी अर्से मे सारे देष की जनता ने सरकार को पूरा पूरा सहयोग दिया। हरियाणा प्रान्त की सब राजनीतिक पार्टियो ने, सभ नागरिकों ने सरकार का डट का साथ दिया। इस सहयोग के लिए मैं हरियाणा की राजनीतिक पार्टियो और जनता को बधाई देता हूं।

स्पीकर साहब, जहां तक डिवैल्पमैंट का ताल्लुक है, 1971–72 मे हमारा जो डिवैल्पमैंट का प्लान था वह शुरू मे 61 करोड़ 38 लाख रूपये का ाि, लेकिन बाद मे बढ़ाकर 75 लाख करोड़ 11 लाख रूपया कर दिया गया। यह हमारे लिए एक फक्र की बात है कि हरियाणा एक छोटा सा प्रान्त होने के बावजूद भी हम अपने डिवैल्पमैं ट के प्लान को 61 करोड़ 38 लाख से बढ़ाकर 75 करोड़ 11 लाख तक ले गए और अगले साल मुझे उम्मीद है कि हमारा सालाना डिवैल्पमैंट का बजट 90 करोड़ के करीब चला जाएगा (प्रंशसा)। स्पीकर साहब, 1969–70 मे हमारे प्रान्त की पर

कैपिटा इंकम 440 रूपये थी जबकि सारे देश की एवरेज पर कैपिट इंकम मे और वृद्धि हुई हैं स्पीकर साहब, 1970–71 मे स्माल सेविंग स्कीम के तहत 25 करोड़ 82 लाख रूपया इकट्ठा हुआ है। स्माल सेविंग के क्षेत्र मे हरियाणा स्टेट सारे देष मे दूसरे स्थान पर रही । इस सेविंग के आधार पर भारत सरकार से 17 करोड़ 51 लाख रूपये का ऋण पहल ही मिल चुका है क्योंकि स्माल सेविंग की कुलैक्शन पर कैपिटा सारे हिन्दुस्तान मे हाइएस्ट है। 1970–71 मे पर कैपिटा इन्वैस्टमैंट 25.90 रूपये है। इसके अलावा स्पीकर सहाब जब हम ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी का विास जो आज से करीब पौने दो साल या दो साल पहले शुरू हुआ था, मुझे आपके जरिए सदन को यह बताते हुए खुशी होती है कि आज हमारी एग्रीकल्चर यूनवर्सिटी हिन्दुस्तान की किसी द ूसरी ऐग्रीकल्चर यूयनिवर्सिटी से कम नहीं (प्रशंसा)। अगले साल एक साल के अंदर अंदर यह यूनिवर्सिटी ऐशिया की सबसे अच्छी यूनिवर्सिटी होगी। स्पीकर साहब, जहां तक कोआप्रेटिव सोसायटियो से कवर हो चुके है। पहले वर्किंग कैपिटल 66 करोड़ रूपये ाि लेकिन अब 30 जून, 1971 को वर्किंग कैपिटल 140 करोडत्र रूपये हो गया। हरियाणा स्टेट कोआप्रेटिव सप्लाई एंड मार्किटिंग फैड्रेशन तरावड़ी मे एक खाद का कारखाना लगा रही है। यह कारखाना 56 लाख रूपये की लागत से बनेगा और 30 हजार टन खाद हर साल बनाई जा सकेगीं स्पीकर साहब, कोआप्रेटिव सैक्टर मे हत तीन शुगर मिल्ज की कपैसिटी डबल करने जा रहे हैं इसके अलावा मिल्क प्लांट जींद मे चालू हो चुका

है, भिवानी मे मिल्क प्लांट का काम अंडर प्रोग्रेस है और मार्च अप्रैल तक चाजू हो जाएगां अम्बाला मे भ मिल्क प्लांट बनाया जा रहा है। रोहतक जिले मै और सोहना मे बनाने जा रहे हैं जिस तरह से ग्रीन रेवोल्युशन प्रान्त मे आया है उसी तरह से वाइट रैवोल्यूशन लानाचाहते है ताकि सारे प्रान्त मे गरीब आदमी दूध बेचकर गुजारा कर सके। स्पीकर साहब, हमने यह भी फैसला किया है कि प्रान्त के हर डिस्ट्रिक्ट हैड क्वार्टर पर, हर स्टेट डिवीजनल हैड क्वार्टर पर एडमिनिस्ट्रेटिव सैंटर और जड्यूशियल कम्पलैक्स बना दे। इससे यह फायदा होगा कि एक आदमी को अपना काम करवाने के लिए तीन चार जगहों पर घूमना नही पड़ेगा जबकि इससे पहले बहुत घूमना पड़ता है। जब यह सैक्रेरिएट डिस्ट्रिक्ट हैड क्वार्टर पर बना देंगे तो किसी आदमी को एक फर्लांग के फासले से ज्यादा इधर उधर नही जाना पड़ेगा, वही बैंक होगा, वही सेल्ज टैक्स का आफिस होगा और वहीं सेमी गवर्नमैंट और गवर्नमैंट आफिसिज होंगे। ये सब आफिसिज एक ही बिल्डिंग मे आ जाएंगे। हिसार और गुड़गांव मे यह काम शुरू हो चुका है और दूसरे जिलो मे जल्दी ही काम शुरू करना चाहते है। स्पीकर साहब, जहां तक इंडस्ट्रीज का ताल्लुक है, इस करंट इयर मे जो लैटर आफ इंटैंटस गवर्नमैंट आफ इंडिया से इशू हुए है वे करीब 50 करोड़ की लागत की इंडस्ट्रीज के लिए इशू हुए है। जहां तक पैसैंजर ट्रांसपोर्ट का सवाल है, हमारी रोड़वेज की बसे, हमारी रोड़वेज की सर्विस हिन्दुस्तान मे सबसे अच्दी मानी जाती है। मार्च 1971 तक हमारा फ्लीट 1171 बसों का था लेकिन मार्च

1972 के एंड तक यह फ्लीट 1300 बसों का हो जाएगा। 90 फीसदी रूटस नैशलेलाईज हो गए है और बाकी 31 मार्च से पहले पहले नैशनेलाईज कर दिए जाएगे। सड़को का जहां तक ताल्लुक है, जिस तरह से हमने हर गांव मे बिजली बहुंचा दी है, फोर्थ फाईव इयर प्लान मे दो हतार गांवा तक बिजली पहुंचा दी है। जिस तरह से बिजल के क्षेत्र मे विकास हुआ है। उसी पतरह से सड़कों के लिए हमने फैसला किया है, ये पालिसी गवर्नमैंअ अनाउंस भी कर चुकी है कि 26 जरनवरी, 1973 तक हरियाणा प्रान्त का काई गांव बगैर पक्की सड़को से नही रहेगा। (प्रशंसा) जब हरियाणा प्रान्त बना था तो साढ़े ती सौ किलो मीटर सड़के एक साल मे बनती थी लेकिन इस सरकार के आने के बाद 1969–70 मे 981 किलोमीटर बनीं 1970–71 मे दो हजार किलो मीटर बनी और 1971–72 मे अढ़ाइ हजार किलो पहुंचा देने का टारगैट हैं स्पीकर साहब, हमाने खाली नई सड़के बनाते है वहां पुरानी सड़कों को भ स्ट्रैंथन करते है। जो सड़के वाटर लौगिंग वगैरह से खराब है उनको सुधार रहे हैं नेशनल हाई वे हमारे प्रान्त मे सब वाईडन हो चुके है। आखिरी सड़त दिल्ली से जयपुर, दिल्ली से फाजिल्का तक कम्पलीट हो चुकी है। स्टेट मे वाईडनिंग का काम कम्पलीट हो चुका है। इसी तरह से प्रान्त मे जो इम्पार्टैंट सड़के है उन को 12 से 18 फुट तक चौड़ा करना चाहते है। इसी तरह से प्रान्त से दूसरा रोड़ हमार बहुत इम्पोर्टेंट है, अम्बाला–पेहवा–कैथल–नरवाना–हिसार इसमे तीन चार मील के टुकड़े को छोड़ कर बाकी पूरी सड़क 18 फुट चौड़ी बनाई जा

चुकी है । इसी तरह हमारी पालिसी है कि एक सब डिविजन से दूसरे सब डिवजिन को जाने वाल सड़क कोक 18 फुट चौड़ी कर दे। जैसे रिवाड़ी से झज्जर, झज्जर से रोहतक। इसी तरह रनवाना से महेन्द्रगढ़ महेन्द्रगढ़ से दादरी और दादरी से रोहतक, सोनीपत से रोहतक, जींद से रोहतक और जींद से नरवाना। ये सभी सड़के हम 18 फुट चौड़ी करने जा रहे है। एक सब डिविजन का दूसरे सब डिविजन से 18 फुट चौड़ी सड़क से ही संबंध होगा। स्पीकर साहब, जहां तक सड़कों की प्रोग्रेस का सवाल है यह मैंने पहले जो आपकी खिदमत मे अर्ज की है यह उसके इलावा है। एक स्टेट हाई–वे हमारी पी.डब्ल्यू. डि. ने बनाया। पी.डब्ल्यू. डि. ने उस स्टेट हाई–वे और घग्गर ब्रिज के बनाने मे जिस तेजी से काम करके दिखाया उसके लिए मैं उसे धन्यवाद देता हूं। यह जो पंचकूला से शाहबाद स्टेट हाई–वे हमारा बना 124 कलवर्टस बने है और 14 बड़े पुल बने है जो थोड़े से थोड़े अर्से मे तैयार कर दिए गए। यह हमारे पी.डब्ल्यू. डि. के लिए बड़े गर्व की बात है। अभी पांच–चार रोज पहले हिसार मे जो हमारा नैशनल हाई–वे नम्बर 10 है उसके ऊपर ओवर–हैड ब्रिज का काम भी शुरू हो गया है और मुझे उम्मीद है कि वह जल्दी ही तैयार भी हो जाएगा। वेसे स्पीकर साहब, उस काम को पूरा करने के लिए हमने नौ महीने की मियाद मुकर्रर की है। It must be delivered in nine months. फिर, स्पीकर साहब, एक हाउसिंग बोर्ड हमाने बनाया है जिसमे गरीबों के लिए मकान बाने के लिए 24 लाख रूपया हमने गवर्नमैंट आफ इंडिया से लिया है ओर 35 लाख रूपया गवर्नमैंट ने दिया है

और अगले साल उसके लिए ओर प्रोविजन कर रहे है। मुझे उम्मीद है कि हाउसिंग बोर्ड बड़ी कामयाबी के साथ अपना काम सिरे लगाएगा।

जहां तक, स्पीकर साहब, शैडयुल्ड कास्टस और बैकवर्ड क्लासिज की वैलफेयर का सवाल है इस साल भी हमने काफी रूपया खर्च किया और अगले साल हम इस मद मे करीब 135 लाख रूपये लगाने जा रहे है। तो हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज के कल्याण के लिए जितना काम मौजूदा गवर्नमैंट ने किया है पहले कई सालों मे इतना काम नही हो पाया । (प्रशंसा)

स्पीकर साहब, हमने सरकारी मुलाजिमों को भी कुछ रियायते दी है। अगर किसी गवर्नमैंट मुलाजिम का सर्विस मे रहते हुए निधन हो जाए तो उसके परिवार वालो को पांच हजार रूपया मिनिमम, पन्दह हजार रूपया ज्यादा से ज्यादा या दस महीने की तनखाह अगर अमांउट पांच और पन्द्रह हजार के बीच मे वेरी करता हो और उसके बच्चों को एक साल उसी मकान मे रहने दिया जाएगा जिस मकान मे उसकी मौत के वक्त वे रह रहे थे। साथ ही साथ सरकार ने यह भी डिसिजन किया है कि अगर मरने वाले के घर मे एक या दो बच्चे ऐसे हो जिनकी ऐजुकेशनल क्वालिफिकेशन या दूसरी क्वालिफिकेशन रिलैक्स करने से गवर्नमैंट सर्विस मे रखा जाए तो बगैर पब्लिक सर्विस कमीशन को रैफर किए या उनके रूल्ज को, कंडीशंज करके उनको नौकरी दे दी जाएगी।

टूरिज्म की तरफ हमारी सरकार का पूरा ध्यान हैं जलगह जगह हम टूरिस्टस के लिए जगहे डिवैल्प कर रहे है। अलबत्ता हमारे अपोजीशन के भाई यहां है नही वरना इस एक आइटम परउनको सरकार को क्रिटिसाइज करने का एक मौका मिल सकता थां यह क्रिटिसाइज करने की बात नही है, बात काम की है लेकिन उनको अपने प्वांयट आफ व्यू से कुछ थोड़ा मौका मिल सकता था।

स्पीकर साहब, इरीगेशन और पावर मे सरकार की बड़ी भारी अचीवमैंट है। आपने देखा कि पिछले साल हमने जुई कैनाल बनाई, इस साल वह कंप्लीट हो गई और पिछले साल ही हमने शुरू की इंदिरा गांधी कैनाल, अगले साल तक वह भी खत्म हो जाएगी। जुई कैनाल से भिवानी और लोहारू तहसील को पानी मिलेगा। इंदिरा गांधी कैनाल से महेन्द्रगढ़ तहसील के कुछ गांव पूरी दादरी तहसील और पूरी लोहारू तहसील को पानी मिलेगा। इसी तरह, स्पीकर साहब, श्री बीरेन्द्र नारायण चक्रवर्ती कैनाल से सिवानी के इलाके को पानी मिलेगा। ये सब इलाके ऐसे है जहां पीने को भी पानी नही होता था। स्पीकर साहब, अभी पिछले दिनों हमारे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री उमा शंकर दीक्षित ने दिल्ली पैरेलल कैनाल का उद्घाटन किया। यह 29 मील लम्बी नहीर हमने पक्की बनाई हैं इसका काम तो कभी दस साल पहले शुरू हुआ था लेकिन पिछले दस सालों मे उसके ऊपर करीब एक

करोड़ रूपया खर्च हुआ जबकि इन तीन सालों मे तीन करोड़ रूपया खर्च किया गया।

दिल्ली की जो पुरानी नहर है उसकम 2650 क्यूसिक पानली चलता था लेकिन हमने दिल्ली पैरेलल कैनाल जो बनाई है उसमे 4150 क्यूसिक पानी चलेगा और इसमे सबसे बड़े ुायदे की बात यह होगी कि दो सौ क्यूसिक पानी जो सीपेज मे खराब होता है यह खत्म हो जाता था वह बच जाएगा। जिससे हम 36 या 38 हजार एकड़ जमीन को ज्यादा पानी दे सकेंगे। इससे दो अढ़ाई करोड़ रूपये साल की फसल ज्यादा मिलगी। यह काम भी इरीगेशन डिपार्टमैंट ने रिकार्ड टाईम मे करके दिखाया है। इसके लिए यह डिपार्टमैंट भी बधाई का पात्र है।

स्पीकर साहब, हम एक और स्कीम बना रहे है जो कि बावल कैनाल के नाम से होगा। बावल कैनाल रिवाड़ी के आसपास रिवाड़ी, जाटूसाना, बावल और इसके इर्द–गिर्द पटौदी के आसपास के जितने गांव है उन सब को पानी देगी। यह स्कीम अब तैयार होने लग रही है। जेसे ही यह स्कीम तैयार हो जाएगी हम काम शुरू करेंगे क्योंकि सरकार का यह इदारा है कि अगले पांच साल के अन्दर अन्दर या चार साल के अन्दर अन्दर प्रान्त की इस ईंव धरती जो बालू रेत की भी है वह भी बगैर पानी से न रहे। जहां पानी नही लगता वहां एक फसल का कम से कम पानी दे, दो फसल का दे सकते हों तो दो का दे और जहां प्रांत मे नहर लगती है वहां पानी की और बढ़ाएं।

स्पीकर साहब, बीबीपुर लेक मे काम चालू है। 80 हजार एकड़ फीट पानी बाढ़ का उसमे इकट्ठा करेंगे और आगे नहर मे डालेंगे। यह बहुत सस्ती और अच्छी स्कीम है। इसका काम अन्छर प्रोग्रेस है और हम जल्दी ही कंप्लीट करने का इरादा रखते है। इसी तरह हम एक और स्कीम बना रहे है जिका ना है ''आटू लेक''। उसे कुछ गहरा करेंगे और कुछ लम्बा चौड़ा करेंगे ताकि वहां पानी इकट्ठा करने की कैपेसिटी बढ़ सके। इसी तरह मारकंडा, टांगरी और घग्गर, इन तीनो नदियों का भी हम इलाज करना चाहते है। इनके लिए भी इंवैस्टिगेशन जारी है। इरीगेशन डिपार्टमैंट की प्रोजैक्टस की जो ब्रांच है वह इनके ऊपर प्रोजैक्ट तैयार कर रही है।

इसके अलावा, स्पीकर साहब, पिछले ही दिनों हमने औगमैंटेशन कैनाल पर काम शुरू किया । यह कैनाल अम्बाला जिले मे से बहती हुई बैस्टर्न जमुना कैनाल का जो इरीगेटिड ऐरिया है उसमे एडीशनल पानी देगी अगले साल दिसम्बर या जनवरी तक हम एक हजार क्यूसिक पानी और ज्यादा लोगों को दे देना चाहते है ताकि जो कम से कम पानी के पीरियड का टाईम होता हे उसमे ड्योढा पानी लोगो को मुहैया कर सके। यह नहर 13/14 करोड़ की लागत से बनेगी अगले साल पांच–छः सौ क्यूसिक पानी इसमे चलेगा। 6 महीने बाद यह नहर पूरी हो जाएगी। इससे रोहतक जिला, जींद का जिला, गुड़गांव का जिला और महेन्द्रगढ़ जिला और हिसार को फायदा होगा। औगमैंन्टेशन

कैनाल जो बन रही है, इसकी कैपेसिटी साढ़े चार हजार क्यूसिक पानी की होगी लेकिन फिलहाल हम यह समझते है कि अगले साल दिसम्बर तक पांच सौ से एक हजार क्यूसिक के बीच मे पानी ऐक्सट्रा इस औगमैंटेशन कैनाल से ही लोगो को दे सकेंगे।

श्री अध्यक्षः इसी साल दिसम्बर होगा।

श्री बंसी लालः हा, इस साल दिसम्बर । I am Sorry/

स्पीकर साहब, इसी प्रकार से हमने दूसरी नहर भी पक्की बनायी है। बरवाला लिंग चेनल 18 मील लम्बी होगी और यह डेढ़ महीने तक चालू हो जायेगीं ऐसा करने से 60/70 क्यसिक पानी बचेगा जिससे और ज्यादा जमीन को सैराब किया जा सकेगा।

स्पीकर साहब, जहां तक बाढ़ो का सवाल है हम साहबी नदी को गुड़गांव डिस्ट्रिक्ट मे कन्ट्रोल करने की बात कर रहे है। उसके लिए हम दिल्ली और राजस्थान सरकार मे बात कर रहे है। इसी तरह बाढ़ को कन्ट्राल करने के लिए कन्मैडा और रावली बांध हमने कम्पलीट कर दिये है और अब तीसरा बांध बनाना हे उसके लिए भ हम तैयारी कर रहे है। स्पीकर साहब, हमने कई ड्रेन का काम कम्पलीट कर दिया है, पुन्डरी अमीन ड्रेन पर काम चालू है। इसी प्रकार से उचाना लेक, कोटला लेकर, गौरधन ड्रेन और गोंची ड्रेन पर भी काम बदस्तूर जारी है। हमारा इरादा है कि अगले दो

साल मे हम बाढ़ पर ज्यादा नही तो 80/85 फीसदी काबू जरूर पा लेंगे।

माइनर इरीगेशरनकारपोरेश ने औगमैंटेशन कैलान पर तो कूयैं लगाये ही है, इसके अलावा इंडीविजुअल कूयें भी लगा रहे है। अम्बाला, हिसार और महेन्द्रगढ़ के जिलों मे आबपासी के लिऐ कूयें लगाये जा रहे है।

जहां तक हैल्थ डिपार्टमैंट का ताल्लुक है उसने इस फाईनैन्शिल ईयर मे नौ एलीपैथिक और दस आयुवैदिक डिसपैंसरीज खोली है। हमारे हरियाणा मे डिस्ट्रक्ट और सब डिवीजन लेवल पर 32 हास्पिटलज है। हम उनकी नये तरीके से री मोडलिंग कर रहे हैं हम किसी को री कन्सट्रक्ट कर रहे है, किसी मे कुछ चेंज कर रहे है। इस तरह से हम चाहते है कि चौथे प्लान के एकड़ तक के एंड तक 32 के 32 हस्पतालों को रेनोवेट करके नयी मशीनरी और नये इक्विपमैंट भेज कर के पूरी तरह से तैयार करेंगे । 23 हस्पिटलज के अंदर इस किस्म का काम चालू है।

मैडिकल कालेज रोहतक आज हिन्दुस्तान के अन्दर अच्छे से अच्छे कालिजो मे समझाा जाता है। मैं यह जिम्मेदारी के साथ कह सकता हूं कि एक साल के बाद रोहतक मैडीकल कालेज हिन्दुस्तान मे सब से टाप का कोलज होगा। दवाइयों पर हमारे प्रांत मे जो खर्च होता है वह 1967–68 मे 18 पैसे पर कैपिटा थां हमने सन् 1971–72 मे उसको बढ़ा कर 65 पैसे कर दिया।

1972–73 मे हम 75 पैसे पर कैपिटा करने वाले है। हिन्दु स्तान मे यह हाईएस्ट होगा। इससे ज्यादा किसी भी स्टेट मे नही होगा।

स्पीकर साहब, बिजली के लिए मैने पहले भी प्रार्थना की है कि दो हजार गांवो को जो चौथे प्लान के एंड तक इलैक्ट्रीफायी होने थे वह हमने पहले ही कम्पलीट कर दिये है। इस वक्त 92 हजार से ज्यादा टयूबवैल्ज हमारे स्टेट के अंदर चल रहे है। 60/60 मैगावाट के दो थरम्ल प्लांट हम फरीदाबाद मे लगाने जा रहे है। वहां एक पर काम चालू है और दूसरे पर चालू होने वाला है।

इसके अलावा 110/110 मैगावाट के दो यूनिट पानीपत मे लगाना चाहते है। उसके लिए स्कीमें तैयार हो गयी है। सारी स्टेट एकदम से इलैक्ट्रीफायी होने की वजह से से स्टेट मे बिजली की कनजम्पशन बहुत ज्यादा हो गयी है इसलिए हम बदरपुर राणा प्रताप सागर और सतपुरा से बिजली लेने की कोशिश कर रहे है। हमे उम्मीद है कि यह जल्दी ही हमल जायेगी।

स्पीकर साहब, मई, 1968 मे जब यहां कांग्रेस की सरकार आयी तो 20483 किलो मीटर बिजली की लाईने थी। आज ये लाइने 20484 किलोमीटर से बढ़ कर 64 हजार किलोमीटर हो गयी है..... (प्रंशसा)

जहां तक पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट का ताल्लुक है, इस डिपार्टमैंट ने भी बहुत बड़े पैमाने पर गांवो मे पीने का पानी दिया

है और ज्यादा से ज्यादा पीने का पानी देने के लिए हमारी बदस्तूर कोशिश जारी भी है। जितने भी हमारे बड़े बड़े शहर है वहां पर चौथे पांच साला प्लान के आखिर तक हर शहर के अन्दर पीने के पानी की तकलीफ दूर हो जायेगा और सीवरेज स्कीम भी कम्पलीट कर दी जायेगी।

स्पीकर साहब, एजुकशन डिपार्टमैंट मे हमने सन् 1971–72 के दौरान 300 नये प्राइमरी स्कूल्ज खोले तथा सौ प्राईमरी स्कूल्ज को मिडल और हाई स्कूल मे अपग्रेड किया गया। दो नये कालिज भी खोले गए । एक फरीदाबाद मे और दूसरी भिवानी मे। एक प्राइवेट कालेज महेन्द्रगढ़ को टेक ओवर किया गया । इसके अलावा पोस्ट ग्रेजुएट रिजनल सैंटर पर भी काफी खर्च कर रे है। हमने कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी का एटमौसफियर काफी सुधारता जा रहा है। मौजूदा वाइस चांसलर के आने के बाद इस यूनिवर्सिटी मे बहुत सुधार हुआ है। पांच हजार से ज्यादा विद्यार्थी इस समय वहां पढ़ रहे है।

हमारी अनाज की प्रोडक्शन का टारगेट चौथे पांच साला प्लान के एंड मे 44 लाख टन का था। सन् 1970–71 मे 44 लाख के इस टारगेट को अक्सीड करके 47 लाख 33 हजार टन अनाज पैदा करने लग गये है। इसके अलावा स्पीकर साहब, डिवल्पमैंट के काम हमने बहुत किये है। अगर उनके विषय मे यहां हाउस मे कहने लगूं तो कम से कम दो तीन दिन चाहिए। अब यहां पर क्या कहूं क्योंकि अपोजीशन के भाइ तो है नही जिनको

सुनाना था। वे तो चले गये है। हमारे कांग्रेस के साथियों ककको सारा पता ही है। डिवल्पमैंट के कामों को तो हमारे अपोजीशन पार्टी के भाई भी मानते है । अगर मै यह कहूं तो गलत नही होगा कि अपोजीशन के साभी इसलिए ही हाउस से शर्माते उठ कर चले गए कि अगर यहां, मौजूद होंगे तो डिवल्पमैंअ के काम मानने पड़ेंगे और मानते भी है। स्पीकर साहब, मैं आपके जरिए से अपोजीशन पार्टी के साथियों से कहूंगा कि कोई भी पब्लिक इन्ट्रस्ट का भले का सुझाव देंगे तो गवर्नमैंअ हर वक्त मानने के लिए तैयार है। इन शब्दों के साथ में सदन से प्रार्थना करूंगा कि गवर्नर साहब को धन्यवाद देने का जो प्रस्ताव है उसे पास किया जाये.....(प्रशंसा)

Mr. Speaker: Question is—

That the Address be presented to the Governor in the following terms:-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply reatful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 10th January, 1972"

The motion was carried.

Mr. Speaker: We now adjourn till 9.30 A.M. tomorrow.

(The Sabha then adjourned till 9.30 A.M. on Wednesday, the 12th January, 1972).